

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 3]

नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 17, 1981 (पौष 27, 1902)

No. 3]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 17, 1981 (PAUSA 27, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate complication)

भाग 🔟 -खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च ग्यायालयों, नियम्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

सं० ए० 12019/1/80-प्रणा०-1—सिषव, संघ लोक सेवा आयोग द्वाराइस कार्यालय के निम्निलिखित स्थायी प्रनुसन्धान महायकों (हिन्दी) को 1-12-80 से 28-2-81 तक की अवधि के लिए प्रथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, कनिष्ठ प्रनुसन्धान अधिकारी (हिन्दीं) के पव पर तदर्थ आधार पर स्थानापन कप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है:—

- 1. श्रीमती मुधा भागंव
- 2. श्री जें एन ॰ एस ॰ स्यागी

दिनांक 9 दिसम्बर 1980

सं० ए० 12019/1/80-प्रशा०-2—संघ लोक सेवा ग्रायोग की समसंख्यक ग्राधमूचना दिनांक 4 दिसम्बर, 1980 में ग्रांशिक ग्राशोधन करते हुए मचिन, संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा संघ लोक सेवा प्रायोग के कार्यालय में निम्नलिखित स्थायी अनुसन्धान सहायकों (हिन्दी) को 4-12-80 से तीन वर्ष की ग्रवधि के लिए 1—416GI/80 श्रथवा केन्द्रीय सिववालय राज भाषा सेवा के गठित होने तक, जो भी पहले हो, किनष्ठ श्रनुसन्धान श्रधिकारी (हिन्दी) के पद पर स्थानान्तरण प्रतिनियुक्ति श्राधार पर नियमित रूप से स्थानापन्न श्राधार पर कार्य करने के लिए नियक्त किया जाता है:—

- 1. श्रीमती सुधा भागेंव
- 2. श्री जे ० एन ० एस ० स्यागी

पी० एस० राणा श्रनुभाग भ्रधिकारी **इते** सचिव

गृह मंत्रालय कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो नईदिल्ली,दिनांक 23 दिसम्बर 1980

सं० एस-150/66-प्रगा०-5---प्रतिनियुक्ति की प्रविधि समाप्त हो जाने परिवर्गाक 18-8-1980 से विनाक 30-11-80 तक 105 दिन की प्रजित/परिणत खुट्टी समाप्त करने के पश्चात श्री एस० जे० के० डेविड, पुलिस उप-प्रधीक्षक, केन्द्रीय

(523)

तत्वेपण धूरो, हैरराबाद शाखा की सेवायें दिनांक 1-12-60 (पूर्ताह्म) से आत्रध्र प्रदेश सरकार को वापस सौंप दी गई । की० ला० प्रोत्तर प्रशासन प्रधिकारी (स्थापना) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110022, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

सं० प्रो० दो०-1524/80-स्थ पना—राष्ट्रपति जी, जा० विश्विद्य मिह गरीन को अस्थ ई रूप से आगामी आदेश विश्विद्य मिह केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० श्रो० ग्रेड मि (श्री० एव० नी०) (कम्पनी कमान्डर) के पद पर डाक्टरी प्रीमा में की प्राये जाने की शर्द पर 10-12-1980 के प्रीकृति विश्विक करते हैं।

एस० सी० विद्यार्थी उप निदेशक (प्रणासन)

भारतीय लेखा परीक्षा आंर लेखा विभाग ार्जातिय महालेख कार---प्रथम, प० वंगाल कन इत -1, दिनांक 22 दिसम्बर 1980

ाति सदेग (ले० प० श्रेणी) सं० प्रणा० 1/1038-प्रमा० 11/258--महालेख कार-प्रथम, प० बंगाल, स्थायी रागुन ग प्रधिकारी श्री श्रमण कान्ति दक्त को सदर्थ तथा अन्तः जार्ल न नीर पर और पूर्णतया अस्थ यी कप से स्थानापन्न लेखा प्रोज पर के पर पर 12-12-1980 के पूर्वाह्म या इसके बाद निवादिन से ने गावपुन लेखा-श्रिधकारी की हैसियत से कार्यालय महालेख कार दितीय में श्रपना कार्यभ र सम्हालते हैं, श्रगले श्रादेश तक निगुकत करते हैं।

मरित्रशहार-प्रथम, प० बंगाल ने स्थायी अनुभाग अधि-कारी श्री पंजानन दास को,जो किएफ०ए०एवं सी०ए० श्री काका कैरेज अकल्प पर अतिनियुक्त है, लेखा श्रीधकारी के पद गर गदर्थ तथा श्रन्तःकालीन तौर पर क० 840-1200/-के वेशनकम पर श्रस्थायी श्रीर स्थानापन्न रूप से जिस दिन जनके ठीक किन्छ, यानी श्री अक्षण कान्ति दत्त, कार्यालय महालेखा-कर्रा।, में जेजा श्रीधकारी के रूप से श्राना कार्यभार सम्भानते हैं, उस दिन से श्रगले श्रादेश तक प्रोफ मी प्रोन्नति मंजूर किया है।

'की ह नीचे कानून' के अनुसार प्रोफ मा उन्नति मं कि पूर्वाती पारी णतें इस मामले में पूरी हो चुकी है अति हो के बात का कि भी घोषणा की है कि प्रतिनियुक्ति पर श्री दात कारा श्रीधकृत पद पूल नियम 30 (1) के ब्रितीय परन्तुक के अनुसार सेवा के सामान्य-ऋम के बाहर रहेगा।

पर हाष्ट्र ममझ लेता चाहिये कि उपरोक्त प्रोक्षितयां पराव च्या न्यायालय के एक मुकदमें में जब तक विनिर्णय पर हो, प्रवासक पूर्णतया श्रस्थायी रूप्र से है और भारतीय गण- राज्य तथा दूसरों के विरुद्ध दायर किए गए 1979 के सी०पार० केसनं 14818 (डब्स्यू) के प्रान्तिम फैसले के प्रधीन हैं। सुधा ाजा गोपानन वरिष्ठ उप-महालेख कार (प्रशाः)

रक्षा मन्त्रालय

डी० जी० म्रो० एफ० मुख्यालय सिविल से<mark>वा</mark> कलकसा-700069,दिनांक 6 नवम्बर 1980

ग्जि-पत्न

सं० $25/80/\sqrt{\xi-1}$ (एन्जी)—श्री देबन्नत राय, स्थायी सहायक को सहायक स्टाफ अफसर तदर्थ के पद पर, प्रोफ्नित सम्बन्धी इस कार्यालय के दिनांक 21-8-80 को $19/80/\sqrt{\xi-1}$ (एन्जी) संख्यक गजट श्रिधसूचना में निम्नलिखित संशोधन किया जाता है:—

वास्ते:---"वर्तमान रिवित में"
पढ़ा जाए:---"टी० एस० श्रो० की वर्तमान रिवित में "
डी० पी० चक्रवर्ती
ए० डी० जी० श्रो० एफ० (प्रशासन)
फुते महानिदेशक,

धार्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता,दिनांक 20 दिसम्बर 1980

काट दिया जाए: ऋम सं० 10 और 13 पर ऋमण: छा० के० बी० दास गुप्ता और डा० (कु०) के० सुवया के सा १६०० र सभी इंदराज।

2. राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित सहायक चिकित्सा अधि-कारियों को, प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीखों से, आगामी आदिश न होने तक, आर्डनेन्स फैक्टरियां स्वास्थ्य सेवा में स्थानापन्न वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के रूप में भी नियुक्त करते हैं:---

ऋम सं०	नाम	नि गुनत स्थान	तारीख
1.	डा० एम० एम० राय	ग्रार्डनेन्स फैक्टरी, ग्रम्बाझारी	17-9-80
2.	ष्ठा० के० बी० दासगुप्ता	श्रार्डनेन्स फॅक्टरी, कानपुर	17-9-80

भ्रो० पी० बहल सदस्य/कार्मिक वाणिज्य मन्त्रालय

मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1980 ग्रायात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 1/2/80-प्रशा० (राज०)/6873—-राष्ट्रपति, श्री शंकर चन्द, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के श्रनुभाग ग्रिधकारी वर्ग के ग्रिधकारी श्रौर नियंत्रक, श्रायात-निर्यात को इस कार्यालय में उसी सेवा के वर्ग-I में ग्रौर उप-मुख्य नियंत्रक श्रायात-निर्यात, के रूप में, बिल्कुल तदर्थ एवं ग्रस्थाई ग्राधार पर 6 सितम्बर, 1980 से 29 श्रक्तूबर, 1980 तक स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० 6/762/65-प्रशा० (राज०)/6884—सेवा निवृत्ति की ग्रायु होने पर, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात के कार्यालय, केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र, नई दिल्ली में श्री ग्रार० एस० धनावत, स्थानापन्न नियंत्रक को 30 नवम्बर, 1980 के दोपहर बाद से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की ग्रनुमित दी गई है।

> जे० पी० शर्मा उप-मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात

वस्त्र विभाग

वस्त्र ग्रायुक्त का कार्यालय बम्बई-20, दिनांक 23 दिसम्बर 1980

सं० सी० ई० म्रार०/3/80—सूती वस्त्र (नियंत्रण) म्रादेश, 1948 के खंड 22 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्द्वारा वस्त्र म्रायुक्त की म्रधिसूचना सं० सी० ई० म्रार०/3/69 दिनांक 19 सितम्बर 1969 में निम्नलिखित म्रतिरिक्त संशोधन करता हं, म्रर्थात:—

उक्त अधिमूचना के पैराग्राफ एक के उप-पैराग्राफ (2) की मद (एक) में "निम्न लिखित पैराग्राफ तीन डी" इन शब्दों, अंकों और अक्षरों के स्थान पर "निम्नलिखित पैराग्राफ तीन डी॰ और पैराग्राफ चार के खंड (5)" ये शब्द अंक, अक्षर और कोष्टक प्रतिस्थापित किए जायेंगे।

एम० मदुरै नायगम, ग्रपर वस्त्र ग्रायुक्त

उद्योग मन्त्रालय

(ग्रौद्योगिक विकास विभाग)

विकास स्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली-11011, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

सं० 12/737/72-प्रशासन (राजपत्नित)---राष्ट्रपति जी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, बंगलौर के सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (वैद्युत) श्री बी० एन० सम्पतकुमारन की दिनाक 20 निवस्वर, 1980 (पूर्वाह्न) से श्रगले श्रादेशों तक लघु उद्योग सेवा संरथान, श्रहमदाबाद में उप निदेशक (वैद्युत) के पद पर नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र पाल गुप्त उपनिदेशक (प्रशा०)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

सं० प्र०-6/247 (231)/59—निरीक्षण निदेशक (धातु) बर्णपुर के कार्यालय में स्थानापन्न उप निदेशक (निरीक्षण) (धातु) श्री के०सी० चटर्जी निवर्तमान आयु (58 वर्ष) होने पर दिनांक 30-11-80 (श्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हो दए।

> एम० जी० मैनन उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक पूर्ति तथा टिपटान ।

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर 1980

सं० प्र०-6/247 (377)/62—-राष्ट्रपति, निरीक्षण निदेशक, मद्रास के कार्यालय के ग्रधीन एरनाकुलम उप कार्यालय में सहायक निरीक्षण ग्रधिकारी (इन्जी) श्री ई० उम्मेन्युट्टी को दिनांक 27-11-1980 के पूर्वाह्न से ग्रायापी आदेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय में निरीक्षण ग्रधिकारी (इन्जी) के रूप में तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते है।

दिनांक 22 दिसम्बर 1980

सं० ए-1/42 (41)/4—-राष्ट्रपति, श्री स्नार० सी० मिदिक उप निदेशक को दिनांक 31-1-69 से सहायक निदेशक के ग्रेड (ग्रेड I) भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड III में स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

पी० डी० सेठ उप निदेशक (प्रशासन)

म्राकाशवाणी महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1980

सं० 4 (28) 80-एस० एक—महानिदेशक, स्राकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री राजेश रेड्डी को स्राकाशवाणी जलन्धर में 29-11-80 से स्रगले स्रादेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर स्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

> हरीश चन्द्र जयाल प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेचा महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

सं० 6-20/80-श्रो० नि०—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) गोपा घोष को 1 दिसम्बर, 1980 पूर्वाह्न से श्रागामी भ्रादेशों तक केन्द्रीय श्रौपधि प्रयोगशाला, कलकत्ता में एसोशिएट फार्माकोगोनिस्ट के पद पर नियुक्त किया है।

> एस० एस० गोठोस्कर श्रौषधि-नियंत्रक (भारत)

नई दिल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर 1980

सं० ए० 12026/6/80-प्रशा० I—राष्ट्रपति ने लेडी हाडिंग मेडिकल कालेज तथा श्रीमती सुचेता ईपालानी प्रस्पताल नई दिल्ली की सहायक उपचर्या श्रधीक्षक कुमारी एम० मेला राम को 21 सितम्बर, 1980 पूर्वीह्न से आगामी श्रादेशों तक उसी श्रस्पताल में उपचर्या श्रधीक्षक के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 27 दिसम्बर 1980

सं० ए० 38012/3/80 (एच० क्यू०)/प्रशासन-I—सेवा निवृत्ति की ध्रायु हो जाने के फलस्वरूप स्वास्थ्य सेवा महानिदे-शालय, नई दिल्ली के उप महानिवेशक (स्टोर) श्री पी० सी० कपूर 31 श्रक्तूबर, 1980 के श्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

> शाम लाल कुठियाला उप निदेशक प्रशासन

नई विल्ली, दिनांक 29 दिसम्बर 1980

सं० ए० 35014/1/78-स्टोर-I--स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक ने डा० सी० डी० गणपथी को 26 सितम्बर, 1980 पूर्वीह्व से आगामी आदेशों तक सरकारी चिकित्सा सामग्री भंडार, मद्रास में श्रम कल्याण ग्रिधकारी के पद पर निश्वत किया है।

> शिव दयाल उप निदेशक प्रशासन

कृषि मन्द्रालय (कृषि ग्रौर सहकारिता विभाग)

विस्तार निवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 दिसम्बर 1980

सं० 2-1/79स्था० (I)——सहायक सम्पादक (हिन्दी) के पद पर श्री ग्रो० पी० गुप्ता की तदर्थ नियुक्ति 7-12-80 से ग्रागे 6-6-1981 तक या पद की नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो बढ़ा दी गई है।

कृष्ण कुमार शर्मा निदेशक प्रशासन

(खाद्य विमाग)

राष्ट्रीय शर्करा संस्था

कानपुर, दिनांक 26 दिसम्बर 1980

सं० ए० 19012/33/70-स्था०--श्री ग्राई० एस० जुनेजा कनिष्ठ तकनीकी ग्रधिकारी (गर्करा तक०) की ग्रपनी स्वेच्छा से दिनांक 21-12-1980 से उक्त पद से सेवा-निवृत्त होने की श्रन्मित दी जाती है। श्री ग्राई० एस० जुनेजा दिनांक 22 दिसम्बर, 1980 (पूर्वाह्म) से कनिष्ठ तकनीकी ग्रधिकारी (गर्करा तकनीकी) के पद से कार्य-मुक्त हो गए हैं।

एन० ए० **राम**य्या निदेशक

परमाणु ऊर्जा विभाग विद्युत प्रायोजना इन्जीनियरिंग प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

सं० विप्राइप्र/3 (283)/76-प्रणामन 16073—निदेणक, विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई एतद्द्वारा भाभा परमाण् प्रनुसन्धान केन्द्र के एक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक भौर इस प्रभाग के स्थानापन्न लेखाकार श्री पी० वासु को अक्तूबर, 16, 1980 के पूर्वीह्र से श्रागामी श्रादेण जारी होने तक उसी प्रभाग में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर श्रस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं, यह नियुक्ति सहायक लेखा श्रिधकारी श्री एस० एस० श्रार० राव के स्थान पर की जा रही है जिनकी लेखा श्रीधकारी-11 के रूप में पदोन्नति हुई है।

ब० वि० थत्ते प्रणासन ग्रिधिकारी

नरौरा, परमाणु विद्युत परियोजना नरौरा, दिनाँक 22 दिसम्बर 1980

मं० न० प० वि० प०/प्रशा/4 (5)/80/एस/16837—
नरौरा परमाणु विद्युन परियोजना के मुख्य परियोजना प्रभि
यन्ता, स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सेलेक्शन ग्रेड
लिपिक श्री ग्रोमप्रकाण को दिनांक 15 दिसम्बर, 1980 के
पूर्वाह्म से दिनांक 17 जनवरी, 1981 के ग्रपराह्म तक ६०
650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान
में नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना, में श्री प्रेमप्रकाण सहायक
कार्मिक ग्रधिकारी की ग्रवकाण ग्रविध में, तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न महायक कार्मिक ग्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० वी० सेतु<mark>माधव</mark> वरिष्ठ प्रशासन <mark>प्रधिकारी</mark>

क्रय एवं भंडार निदेशालय मद्रास क्षेत्रीय क्रय यूनिट मद्रास-6, विनांक 8 दिसम्बर 1980

सं० एम० ग्रार० पी० थ०/200 (15)/80-प्रभासन— क्रय ग्रीर भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भंडारी श्री बी॰ श्रीपत राव को 28 श्रप्रैस, 1980 के पूर्वाह्म से 30 श्रगस्त, 1980 के श्रपराह्म तक के लिए उसी निदेगालय के महास परमण् विद्युत परियोजना भंडार में क्पए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार श्रिकारी नियुक्त किया है।

एस० रंगाचारी वरिष्ठ क्रय प्रधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैवराबाद, दिनांक 23 दिसम्बर, 80

संख्याः प खा प्र-1/6/60-भर्ती. परमाणु उर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्व्वारा श्री विवेक कुमार जेन को परमाणु खनिज प्रभाग में 15 दिसंबर, 1980 के पूर्वाहृत से लेकर अगले आवेश होने तक अस्थायी रुप में वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड एस. बी नियुक्त करने हैं।

एम एस र।व वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर 1980

मं- ए32013/5/80-ईसी राष्ट्रपति के निम्नलिखित अधिकारियों को उपनिदेशक नियंद्रक, संचार के ग्रेड में प्रत्यक के नाम के सामने दी गई तारीख से छः मास की अवधि के लिए तदर्थ ग्राधर परनियुक्त किया है ग्रीर उन्हें उनके नामों के सामने दिए गए स्टेणनों परतैनात किया है:--

ऋ० नाम ग्रीर पदनाम सं०	वर्तमान तैनार्सा स्टेशन	नया तैनाती स्टेणन	कार्यभार ग्रहण करने की नारीख
1 2	3	4	5
सर्व श्री	<u> </u>		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
 श्रार० एस० श्रजमानी, सहायक निदे०, संचार 	-	डीजीसीए (मुख्यालय)	
सि य ल,	वै०सं० स्टे ग न, नई दिल्ली	वे०स० स्टेणन, बम्बई	27-11-80 (पूर्वाह्म)

ग्रार० एन० दास सहायक निदेशक, प्रणासन

नई दिल्ली, दिनांक 9 विसम्बर 1980

मं० ए-32013/5/80-ई० ए०—मद्रास एयरपोर्ट के श्री के० बी० पो० ग्रायंगर, विरुष्ठ विमानक्षेत्र ग्रिधकारी ने निवर्तन ग्राय प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 30-9-80 ग्रपराह्म से ग्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

दिनांक 16 दिसम्बर 1980

मं० ए-32013/5/80-ई० ए०---हैंदराबाद एयरपोर्ट के श्री एम० एम० ग्रायंगर, विरुष्ट विमान सुरक्षा श्रिष्ठकारी ने निवर्तन ग्राय प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा में निवृत्त होने पर दिनांक 31-10-80 ग्रपराह्म से भ्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

दिनांक 27 दिसम्बर, 1980

मं० ए०-32013/11/80 ई०-1---राष्ट्रपति ने श्री श्रार० एस० गोयला उपनिदेशक संचार को दिनांक 10-12-1980 (पूर्वाह्म) में 6 मास की श्रवधि के लिए या नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, बम्बई एयरपोर्ट पर निदेशक संचार के पद पर नदर्थ श्राधार पर नियक्त किया है।

मुधाकर गुप्त उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 20 दिसम्बर 1980

मं० ए० 38015/2/80 ई० एस०—क्षेत्रीय निदेशक, दिल्ली क्षेत्र, सफदरजंग, एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री सी० एल० शर्मा, भंडार ग्रिश्वकारी (सगूह "ख" पद) ने निवर्तन श्रायुप्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 30 नवम्बर, 1980 (श्रपराह्म) से ग्राने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

दिनांक 22 दिसम्बर, 1980

मं० ए० 32014/2/80-ई० मी०—महानिदेशक, नागर विमानन ने वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास के श्री बी० पी० नारायण, मंचार महायक को दिनांक 27-1-1980 (पूर्वाह्म) मे महायक मंचार प्रधिकारी के ग्रेड में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है तथा उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

> आर० एन० दास सहायक निदेशक प्रशासन

दिनांक 23 दिसम्बर, 1980 म०ए०३101।/1/78-ई० मी०---राष्ट्रपति ने निम्नलि**खि**स

ऋम नाम संख्या	तैनाती स्टेशन	
ा. श्री जे० मी० दाम	वैमानिक संचारस्टेशन,	
2. श्री डी० वी० एस० दहिया	कलकत्ता वैमानिक संचार स्टेशन, श्रगरतल्ला।	

1 2	3
3. श्री बी० एम० बरारी	क्षेत्रीय संचार नियंत्रक, कलकत्ता एयर पोर्ट, कलकत्ता
4. श्री उमेण कुमार	वैमानिक संचार स्टेशन सफदरजंग एयरपोट, नई दिल्ली

स्रार० एन० दास सहायक निदेशक, प्रशासन

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय कम्पनी कार्य विभाग , कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनी के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कराती अधिनियम 1956 के विषय में और टी॰ सी॰ सी॰ एर्गालयनिमम (हैदराबाव) प्रा॰ लि॰ (कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445 (2) के अन्नर्तत)

हैदराबाद,दिनांक 20 दिसम्बर 1980

सं० 1489/लिकवि०--उच्च न्यायालय श्रान्ध्र प्रदेश, हैरराबाद के वर्ष 1978 के कस्पनी पेरीनन क्रमांक 4 के मामले में 22 जून 1979 को टी० ती० मी० एउसियनसिस (हैंदरा-बाद) प्रा० नि० के परिसमापन का म्रादेश दिया गया।

> वी० एस० राजु कम्पनियों का रजिस्ट्रार ग्रान्ध्र प्रदेण

ग्राय-कर भ्रपील भ्रधिकरण

बम्बई-400 020, दिनांक 16 दिसम्बर 1980

सं० एक 48-एडी (एटी)/80---सगस्त्र सेना चिकित्सा भण्डार डिपो, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, के स्थानापत्र कार्यालय ग्रवीक्षक श्री रामदुलारे को ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतनमान परदिनाक 26 नवस्वर, 1980 (पूर्वाह्म) में श्रगला ग्रादेण होने तक ग्रायकर ग्राधिक श्रीधकरण के चण्डीगढ़ न्यायपीठ, चण्डी-गढ़ वें सटायक ग्रीकर के पद पर श्रस्थ यी क्षमता में स्थानापन्न का ने निवुक्ष किया जाता है।

वे दिनांक 26 नवस्बर, 1980 से दो वर्षों की स्रवधि के लिए परिवीक्ष धीन रहेंगे।

> टी० डी० सुग्ला प्रध्यक्ष

प्ररूप थ।३० टी• एन• एस+- -----

आध्यकर प्रश्नितियम, 1951 (1961 **का 43**) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचनः

भारत पुरुष

कार्यालय, सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज III, वस्बई

बम्बई, दिनांक 2 दिसम्बर 1980

निदेण सं० ए० III/1817/2/80-81—श्रतः मुझे सुधाकर वर्मा, आयकर प्रक्षिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके उच्चान 'उक्त श्रधिनियम' कहा गरा है), की धारा 269-ख के प्रश्लीन सल्ल श्रामिकारों की, यह विश्वास करन का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मून्य 25,000/- ६० में प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1164 एस० नं० 1000 है तथा जो मुलुंड (वे) में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्थान स्थान स्थान के 400 कि तथा है।

अधीन तारीख 9-4-80 बिलेख नं० आर 3161/71
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत से, ऐने दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया रितिक्ल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ग्रस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- क) अन्तरण से हुई िक्सी आध की बाबत, उक्त अधि-नियम के प्रधीत कर देते के प्रन्तरह के दायित्व में क्मी हस्ते या उत्ता बचने में युविधा के निए; शौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिमित्यम, 1923 (1922 का 11) या उक्त प्रिमित्यम, या धन-कर भ्रिमित्यम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनाएं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण म: मी, उपन अधिनियम की धारा 260-य भी उपनारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— (1) श्री वाहिलाल मगनलाल श्रीर मनसुखलाल मगनलाल योरा

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती चन्नप्रभा को० श्राप० हाऊसिंग सोसाइटी मेम्बर्स शाफ दी सोसायटी

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारा करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह

उनत सम्पति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) १५ सूचना ह राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की धविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की धविधि, भी भी धविधि बाद में निमान्त होती हो, भीतर पूर्णकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी धा से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहसाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का अवत अधिनियम के अध्याय 20-इ में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० श्रार० 3161/71 बम्बई उपरजिस्ट्रार श्रधिकारी द्वारा दिनांक 9-4-80 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> सुधाकर वर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 📆 बम्बई

तारीख: 2-12-80

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आमकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ए० भ्रार०-1/4386/3/80-81—-श्रतः मुझे सुधाकर वर्मा

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिय इसमें इसके पश्चास् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है श्रि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- क से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० सी० एस० नं० 288 श्रोफ माँडवी डिवीजन है सथा जो काश्री सैयद स्ट्रीट में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2-4-80 विलेख नं० 3002/72/वंबई को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से बिधि है श्रीर यह कि श्रन्तरक (अन्तरकों) और पन्तरिती (मर्त्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी हिसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिनाने में सुविधा के लिए ;

अतः भनः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, छक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) 1. मानेकचन्द माधवजी गांधी
 - 2. श्री पनाचन्द माधवजी गांधी
 - 3. धीरजलाल मानकचन्द गांधी
 - 4. बजलाल मानकचन्द गांधी
 - 5. कांतीलाल मानकचन्द गांधी
 - 6. अयंतीलाल मानकचन्द गांधी
 - 7. इन्द्र वदनग्रभेचन्द्र गांधी
 - 8. जीतेन्द्र वजलाल गांधी

- 9. मनन्तराम भीरजलाम गांधी
- 10. विनेशचन्द्र मभेचन्द्र गांधी
- कीर्तीकुमार मानेकचन्द गांधी
- 12. जयेंद्र वजलाल गांधी
- 13 विक्रम ग्रभेचन्व गांधी
- 14. राजेन्द्र ग्रभेचन्द्र गांधी

(भ्रन्तरक)

- (2) सुपारीभवन प्रिमायसीस को० श्राप० हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेंड टेनन्टम्
- (3) 1. मैसर्स ध्रमीचन्द जीवराज श्रीर मन्स
 - 2. मैसर्स केसूरदास पोपटलाल श्रौर ब्रास
 - 3. मैसर्स गांधी सन्स
 - 4. मैसर्स इन्नाहिम जूसाब एन्ड सन्स
 - 5. दया शंकर देव शंकर अंड कं०
 - 6. सिडीकेट बैंक
 - 7. मि॰ एच॰ ह्वी॰ मेहता श्रीर मिसेस एच॰ जे॰ पारेख
 - 8. मेसर्स मगनलाल ग्रनूपचन्द एण्ड कं०
 - 9. मि० ह्वी० ग्रर्जुन
 - 10 मैसर्स संतोष कारपोरेशन
 - 11. मिसेस विमला एन० शेट एण्ड मिसेस मंजुला बी० शेट
 - 12 मि० मदनमोहन राधेश्याम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी करे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो 'एक्त मधि-नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अये होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० **सम्बर्ध 3002/72/बम्बर्ध** उपरजिस्ट्रार श्रिधिकारी द्वारा दिनांक 2-4-80 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> सुधाकर वर्मा सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-!, बम्बई

तारीख: 2-12-80

प्ररूप धाई • ही • एन • एस • -----

अ(यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) हा बारा 269-व (1) के प्रधीन स्वता मारत सरकार

> कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ए० ग्रार०-I/4385-2/80-81 ए० ग्रार० 1/-4385 2/80-81--श्रतः मुझे, सुधाकर वर्मा,

नायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की शारा 269-वा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उथित बाजार मूस्य 25,000/- र॰ से प्रधिक है

श्रीर जिसकी संव सीवएसव नंव 674 (पार्ट), मलबार श्रीर खंबाला हिल डिवीजन है तथा जो मलबार श्रीर खंबाला हिल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 2-4-80 विलेख संख्या 2433/72/बंबई

पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूरय से कम के तुश्यमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास भरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिकल का पन्त्रत प्रतिक्रत से अधिक है भौर मन्तरक (भन्तरकों) ग्रीर मन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से **उन्त मन्तरण लिखित में बास्तविश क्**प से कवित नहीं किया गया हैं :---

- (क) भग्तरण स हुई किसी भाग को गायत, उपन भांधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीए/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त मधिनियम, या घन-कर घिषिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थे धन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया नया वा या किया जाना चाहिए था, क्षिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 268-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) 1. जहांगीर एच० कामा
 - 2. कैख्शरएच० वामा
 - 3. मिसेस हबी जे० कामा
 - 4. मिसेस शीरीन एन० जमशेदजी (नाउ नोन एंज ए० डी० शीरीन जे० जीजीभाँय)
 - 5. खुरशेदचरएम० खान
 - 6. लेडि० जीनू एच० जहांगीर
 - 7. मिसेस ग्रल के कामा

(भ्रन्तरक)

- (2) माउन्ट युनीक को० ग्राप० हाऊमिंग मोसायटी लि मिटे**ड** (ग्रन्तरिती)
- (3) मेम्बर्स ऑफ द सोसायटी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

की यह सूचना जारी करक पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के ित्रए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के सर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वोक्त श्यक्तियों में से किसी स्थक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबश किसी भ्रम्य म्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जासकेंगे।

स्पद्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदौ का, जो मिबिनियम के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहा अर्थ होगा, जो उन ध्रध्याय में विमा गया है।

अमुसुची

प्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० बम्बई 2433/72/बम्बई उपरजिस्ट्रार ग्रिधिकारी द्वारा दिनांक 2-4-80 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> मुधाकर वर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 2-12-80

मोहर:

2-416GI/80

प्ररूप याई • डी • एन • एस • --

शियक्**र विविध्यमः** 1961 (19**61का 43) की धा**रा **269-व** (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

काय्लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज 1 शबर्म्ड बम्बई, दिनांक 2 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ए० श्रार०-I/4394-11/80-81 — श्रतः मुझे स्थाकर वर्मा

श्रायकर धिविषयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- ४० से श्रधिक है

श्रांर जिसकी सं० प्लाट नं० 102 वैकबेरैक्लमेशन स्कीम विलेखनं० 3009/72/डी० बम्बई है तथा जो कुलाबा डिकीजन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्राधिकारी के कार्यालय बग्बई में कि ट्रंक करण श्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति फल के लिये अन्तरित की गई है और मृद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य उसके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चाह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उनत अन्तरण लिखित में एस्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीट्र/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृतिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण को, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— (1) नन्दिकशोर लालभाइ मेहता

(भ्रन्तरकं)

- (2) म्रायरीस को० म्राप० हाऊसिंग सो० लिमिटेड (म्रन्तरिती)
- (3) मैम्बर्स प्राफ दी सोस।यटी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ख) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित मों किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

धनसुची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 3009/72/डी बम्बई उप-रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 18-4-80 को रजिस्टर्ड किया गया ई।

> सुधाकर वर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जनरेंज 1, बस्स्नाई

तारीखाः 2-12-80

प्ररूप आहे. टी. एम. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- थ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

काय लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज । बम्बई

बम्बई-1, दिनांक 2 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ए० ग्रार० 1/4398-1/80-81—-ग्रतः मुझे सुधाकर वर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीस्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- एउ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट र्न० 3 सी० एस० नं० 243 (पार्ट) श्राफ मलबार श्रीर खंबाला हिल डिवीजन है तथा जो वाइलडर रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबज श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण कर से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीत 25-4-80 विलेख नं० 3481/71/बम्बई

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रिकत संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को, जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविशा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत:— (1) मधुसूदन जमानदास लाडिवाला (2) कें सबलानीद उर्फ एस० कें ० केंबल (3) सुन्दर एच० णिवदासानी

(अन्तरक)

- (2) का० प्री० को० आप० हाऊसिंह सोसायटी लिमिटेड (प्रन्तरिती)
- (3) मैम्बर्स श्राफ दी० सोसायटी (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवधिल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित ब्रिय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पान लिंग्निन में किए जा सकरेंगे।

स्वव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

नग्त्री

भ्रनुसूची जैसाकि विलेख मं० 3481/71/बम्बई उपरजिस्ट्रा? ग्रिधिकारी द्वारा दिनांक 25-4-80 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> सुधाकर वर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I यम्बई

तारीख: 2-12-80

प्ररूप आई• डी॰ एन॰ एस॰----

भारत सिंपिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मू (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-11 बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० ए० श्रार०-II/2973-8/ग्रप्रैल 80--श्रतः मुक्ते, संतोष दत्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ए० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 322 भ्रंग) एस० नं० 324 हिं० नं० 1 (श्रंग) एस० नं० 326(ए) हिं० नं० 1 (श्रंग) है तथा जो पाली हिल बांद्रा में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय बांद्रा में रजिस्ट्रीकरण भ्रधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-4-1980

को पूर्वाक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के सुविधा के सिए; और√या
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी भन या जन्म आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्थिभा के लिए;

जतः श्रथ, अक्त अधिनियम की धारा 269-ण को, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) जोसेफ पी० डिसा के०/ग्रा० जसवील कंस्ट्रनशन कंपनी (भ्रन्तरक)
- (2) व्हीरगो को० भ्राप० हाउसिंग सोसायटी, लिमिटेड (श्रन्तरिती)
- (3) 1. श्री ग्रलेक्स सीव्हा
 - 2. श्रीमति मृदुला सूरेंद्र देसाई
 - 3. श्रीमति कांता इसनी सभारवाल
 - 4. श्री ताहिर हुसैन

- 5. श्रीमति डा० पामेला फान्सीस
- 6. श्री ग्रदम एफ० लालजी
- 7. श्री राजकुमार बरजात्या
- 8. श्री आमन्नोस लेसीलीया अधायडो
- 9. श्रीमती उषा खोसला
- 10. श्रीमती सीता कश्यप
- 11. श्री रामचंद्र सभारवाल
- 12. श्रीमती अरतामी सीया लोबो
- 13. श्रीमती अला इस पीन्टो
- 14. श्री पेटर ब्रुमो फरनीडिस
- 15. डा० के० एल० सैंगल
- 16. श्रीमति एस० बी० पारेख
- 17. श्री डिरगो जोन डिसा
- 18. श्रीमति जीन कैर दर्शनसींग
- 19. श्रीमति श्रनीस ग्रशर श्रली
- 20. श्रीमति एफ० मेंडोन्सा
- 21. श्रीमति अ० डिकोस्टा
- 22. श्री एन० एच० खान
- 23. श्री बगर हमैन नामीनल मेंबर्स
- 24. श्रीमति एल० ए० श्रथाग्रेडे
- 25. श्री ग्रंलन सूसीयन

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्चना जारी करके पृथांक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (क) इस सूचना के शाजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतद उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविक्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बम्स्ची

धनुसूची जैसा कि विलेख नं० 2084/79 औद्दृत्ट उपरजिस्ट्रार 4 बौद्रा (बंबई) अधिकारी द्वारा दिनौक 16-4-80 को रजिस्टर्ड किया गया है

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 4-12-1980

मोहरः

प्ररूप माई० टी० एन० एस०—

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-111, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

निर्देण सं० ए० ग्रार०-III/1821/6/80-81 (एमी 357) ---ग्रत: मुझे, संतोष दक्ता

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-खपए से श्रिधिक है

भीर जिसकी सं० एस० नं० 62, सी० एस० नं० 123 (मोगरा) विलेख नं० 491/80 हैं तथा जो गंडवली में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण भ्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 3-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अव, उक्त प्रिधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त ग्रीधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अजीन निम्नलिखित व्यक्तियों भर्यात् :--- ा. विमल द्रस्ट

(ग्रन्तरक)

2. बालकृष्णा पेन प्रा० लिमिटेड

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धी करण:---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ध्रमुसूची

भ्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० 491/80 बंबई उपरिजस्ट्रार भ्रिधकारी द्वारा दिनांक 3-4-80 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, बस्बई

तारीख: 12-12-1980

प्राक्प भाईं ही एन एस-

भायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) श्री धारा 269 व(1) के प्रधीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० ए-आर III/1836017/80-81 (एपी 356)—श्रतः मुझे, संतोष दत्ता

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाहर मन्द्रति, जित्रका छवित बाजार मूल्य 25,000/- क्षण से प्रधिक है

श्रौर जिसकी मं० सो०टी०एस० नं० 112, 112/1, 112/2 श्रौर 112/3 नं० तथा जो इस्मालिया में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-4-1980

विलेख सं० 145/1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त राम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का प्रवह प्रतिज्ञत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्र पाया गांगविक्त निम्नतिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरक निष्णात में शास्त्रित क्या ये के स्वित नहीं किया गया है:——

- (क) घग्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के घधीन कर देने के धग्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविद्या के सिए; और/या
- (छ) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य भाक्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर पश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिविनयम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धव, उक्त प्रवित्यिम की बारा 269-न के प्रमुखरण में, में, अवत प्रवित्यम की बारा 269-न की उपवारा (1) के अधीन निस्तिवित व्यवित्यों, अर्थात् :--- 1. श्री विनोव बालाजी राव

(भ्रन्तरक)

2. जोगेश्वर जीवन को० श्रोप० हा० सोसायटी लिमिटेड (श्रन्तरिती)

को यह सूचना तारी चरके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां चरता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप । ---

- (क) इस सूचना के राजपात में प्रकाशन की तारी वासे 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी वासे 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजान में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित नें किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रपृक्त सक्दों और पद्यों का, जो उकत आधिनयम के अवधाय 20-क में परिकाधित है, बढ़ी पर्य होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं ० 145/1980 बंबई उपरजिस्ट्रार श्रिष्ठकारी द्वारा दिनांक 1-4-1980 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, बम्बई

तारीच : 12-12-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०→

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर म्रा**युक्त (निरीक्तण)** ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० एश्रार-I/4389-6/80-81—-श्रतः मुझे, संतोष दसा

आयकर प्रिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रक्रिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/-इपये से अधिक है

श्रीर जसकी मं० सी॰ एस॰ नं० 229 श्रीर 228 मलबार श्रीर खंबाला हिल जियीजन है तथा जो नेपीयन सी रोड में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7-4-1980 विलेख नं० 3987/71 बंबई

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उका पन्तरण लिखिन में वास्तविक स्था से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रष्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रप्तरक के दायिश्व मैं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी आयया किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः **धव, उन्त** अधिनि**गम की बारा 269-व के बनुसरण** में, में, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात :---

- श्री हीरालाल रवीलाल शहा श्रीर श्रन्य (श्रन्तरक)
- 2. नव णांतीनगर को० श्रोप० हा० सो० लिमिटेड (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भिश्चोत्रस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टो तरण: --- इसमें प्रयुक्त एडवों श्रीर पदीं का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

अमुसूची

यनुसूची जैसा कि विलेख नं० 3987/71 बंबई उपरिजस्ट्रार ग्रिधिकारी द्वारा दिनांक 7-4-1980 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 12-12-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

निर्वेश सं० एम्रा-I/4397-14/80-81--म्रुतः मुझे संतोष दक्षा

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संग् सी० एस० नं० 267 (पार्ट) ऑफ मलबार रश्री खंबाला हिल डिवीजन है तथा जो रीड्जरोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजम्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बंबई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-4-1980 विलेख नं० 309/80 बंबई

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का छचित बाजार मूल्य, उनके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिधिक है और ग्रन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उका ग्रन्तरण निखित में वास्तविक अप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिकिन नियम, के ग्राधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या मन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के म्रमु-सरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिथित:—- 1. मिसेस कृष्णा प्रेमनाथ मन्होला

(अल्तर्क)

- 2. श्री कांतीलाल सी० कोठारी, दिनेश आय वाधानी (म्रन्तरिती)
- 3. श्री हिम्मतसिंह न्हापासना, मिसेस एम० जे० वाटलीवाला, एफ० के० एफ० नरीमन (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंन लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूबता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिर की प्रविध या तस्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दित की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उसत ग्रीध-नियम के ग्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

भ्रन् सूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० 309/80 बंबई उपरजिस्ट्रार श्रिधिकारी द्वारा दिनांक 15-4-1980 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> सन्तोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 12-12-1980।

प्रकप आई०टी०एन०एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ऋर्जन रेंअ-II, ऋहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 30 श्रक्तुबर, 1980

पी० श्रार० नं० 1019/एक्वी० 23-II/80-81—-श्रतः मु**ग्ने** मांगी लाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० नोंध नं० 329 वार्ड नं० 13 ग्रार० एस० नं० 52 है तथा जो सूरत में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सुरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 18-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यशापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वोदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्र/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिया के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- 3—416 GI/80

 श्री धीरजलाल खेतसीभाई णाह महीपुरा वानीया शेरी सूरत ।

(ग्रन्तरक)

- 2. 1. श्री पुरूषोत्तम भाई तुलसी भाई पटेल,
 - 2. श्रमी जरना श्रारोग्यनगर, श्रठवा लाईन, सूरत । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विव की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान जो भ्रठवा लाइन सूरत, में है जिसका नोंध नं० 329 भीर वार्ड नं० 13 है। जो सूरत में है भीर जो रिजस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारी, सूरत द्वारा ता० 18-4-1980 को रिजस्ट्री की गई है।

> मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, म्रहमदाबाव

तारीख: 30-10-1980

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रंज-II श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1980

पी० श्रार० नं० 1026 एक्बी० 23-II/80—81— ग्रत: मुझे मांगी लाल श्रायकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंथ्वात् 'उक्त श्रिविनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ठपए से श्रिधिक है श्रीर जिसकी मं० नोंध नं० 1956, हनुमान पोल, सोनी है तथा जो फलीग्रा वार्डनं० 10 सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908

का 16) के प्रधीन 1-4-1980।
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छचित बाजार
मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह
प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर ग्रन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
कप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त स्रीध-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अव, धनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, धनत अधिनियम की धारा 269-घ की छपधारा (1) अधीन^ग निम्नलिखित क्यन्तियों अर्थातः— श्री वसंतलाल, मोतीलाल रेणमवाला तारदेव कोर्ट, तारदेव रोड, वम्बई ।

(ग्रन्तरक)

2. 1. रतीलाल बी० पटेल, (2) कांतीलाल बी० पटेल, (3) प्रवीत चन्द्र बी० पटेल खपाटीग्रा चकला, सूरत । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

जनत सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भाषोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित है. वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका नोंधं नं० 1956 है श्रीर जो हनुमान पोल सोनी फालीश्रा बार्ड नं० 10 सूरत में है यह मकान रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी सूरत द्वारा ता० 1-4-1980 को रिजस्टर्ड की गई है।

> मांगीलाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-II श्रहमदाबाद

नारीख: 28-11-1980।

प्ररूप आई० टी• एन० एस०---

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काय्लिय, सहायक आयकर आयुक्स (निरक्षिण)

श्चर्जनरंज-]] ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 27 नवम्बर 1980

पी० म्रार० नं० 1027/ऐक्बी० 23-1I/80---81---ग्रतः मुझे मांगीलाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० नं० 23 ग्रन्जना फ्लैंट, नवचेतन सोसायटी हैं तथा जो ग्रार० टी० ओ० के सामने सूरत में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 10-4-1980।

को पूर्वांक्त सम्पति के उचित बाजार मुल्य से कम के दूरयमान्
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तिथक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुस्रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अधितः— 1. श्री नरसिंभाई मुलजीभाई पटेल नवचेतन सोसायटी श्रार० टी० ओ० सुरत

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमित रसीलाबेन लालुभाई पटेल, देना स्मुति एपार्टमेंट, सूरत

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुस्ची

स० नं० 23, अन्जना फ्लैट, नवचेतन सोसायटी झार० टी० स्रो० के सामने वाली मकान जो सूरत में हैं।

> मांगीलाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11 श्रहमदाबाध

तारीखा: 27-11-1980।

मोहरः

प्ररूप आर्र्-टी. एन्, एस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्िक्षण) श्रर्जनरेंज-11 सहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1980

पी० ग्रार० नं० 1028 ऐक्वी० 23-II/80---81----ग्रत: मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० नोंध नं० 1936-ऐ, नया मजुरा गेट है तथा जो बोर्ड नं० 2, सूरत में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधि-कारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 13-4-1980

को पूर्वोक्स संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किलिस में वास्ति द रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. 1. नन्दीबेन जीनाभाई भगवानदास (2) जेलीबेन भाइलालभाई माली फालीब्रा सगरामपुरा, सूरत । (श्रन्तरक)
- 2. श्री बालोजी भ्ररगानाईजर पान्डल स्ट्रीट, नानाविट सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम् सूची

मीलकन जिसका नोंध नं० 1936-ए कि कि पैकि है। जो नया मजुरा गेट बोर्ड नं० 2, सूरत में हैं। यह मिलकन रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत द्वारा ता० 17-4-1980 को रिजिस्टर्ड की गई है।

मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाव

तारीख : 29-11-1980

प्ररूप आह .टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज-II, ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 दिसम्बर, 1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्राखरी प्लोट नं० 293-3, टी० पी० नं० 2, 3, 4 है। तथा जो वस्नादेई रोड कनार ह कनार माम में स्थित है (और इससे उपाबस श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत मे रिट्रई करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 2-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तित्यों अधीत :--

- (1) 1. देवेन्द्र नटवरलाल जरीवाला,
 - 2. श्रोजस नदवरलाल जरीवाला,
 - 3. उपानेन नटवरलाल जरीवाला,
 - 4. लनाबन नटबरलाल जरीवाला
 - 5. प्रवीनबेन नटवरलाल जरीवाला,
 - 6. मुगग्राबेन नटवरलाल जरीवाला.

खानगर सेरी, बेगमपुरा, सूरत

(श्रन्तरक)

- (2) श्री 1. मंजय जयवदन जरीवाला,
 - 2. ग्रन्जना मंजय जरीवाला,
 - 3. पयुण चपकलाल जरीवाला.
 - कृष्णागोपाल चंकपकलाल जरीबाला,
 - ध्रामा पीयुमा जरीवाला,
 - प्रेक्यानी के० जरीवाला,
 - 7. पदमावेन मी० जरीवाला,
 - निरंजना जे० जरीवाला,
 - मतीण जे० जरीवाला,
 मिरधरपुरा, वानीभ्रा शेर सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मीलकेन जिसका श्राखरी प्लाट नं० 297—3 श्रौर टीका नं० 2, 3, 4 है। यह जिसका वस्नादेई रोड कनागरगाय; है। यह मिस्कन रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी सूरत द्वारा ता० 2-4-1980 को रजिस्टर्ड की गई है।

> मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकट्ट श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 2-12-1980।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 2 दिसम्बर 1980

निदेश सं० पी० स्नार० नं० 1030 ऐक्वी० 23-II/80-81---स्रतः मुझे, मांगीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० उमरा स० नं० 40/1 कि जमीन है तथा जो उमरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 1-4-1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् !--

- 1. श्री चंत्रकभाई मनुभाई 10/21, जौथा बाजार, सूरत (ग्रन्तरक)
- (2) श्री हसमुखलाल रतीलाल नवापुरा सुरत । उमिल कमल कपुर, बेगमपुरा, नवाब वाडी सुरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्ल सम्पृत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

जमीन जो उमरा में हैं। जिसका सं० 40/1 ई। मेई जमीन रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी सूरत द्वारा ता० 1-4-1980 को रजिस्टर्ड की गई है।

मांगीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 2-12-1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के श्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 2 दिसम्बर 1980

्निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1031 ऐक्वी० 23-11/ 19-7/80-81—-ग्रत: मुझे, मांगी लाल,

सायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ह० से प्रविक्त है

भ्रौर जिसकी सं० नोंध नं० 1516-ऐ-3 वार्डनं० 1 है। तथा जो सलीफा मोहल्लानानुपुरा सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह्म प्रतिकत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अग्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रिध-नियम के प्रधीन कर देने के अग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में मुविश्वा के लिए, और/या
- (का) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या भ्रन-कर भ्रभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

मतः ग्रम, उक्त ग्रमिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, एक्त ग्रमिनियम की 1 रा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः ---

- (1) 1. श्री प्रमोदजन्द्र नटवरमाण मोदी
 2. ज्योतसना प्रमोदचन्द्र मोदी कादरणा नाल नानपुरा
 सुरत (श्रन्तरक)
- (2) 1. श्री जाकीर हुमैन मोह्मेद हुमैन 2. नजर हुमैन मुह्म्मद हुमैन (3) मोह्म्मद हुमैन करीम मोह्मेद गार्डीअन 7/723 गोपीपुरा, सूरत

(भ्रन्तरिती)

को यह युवना जारी करके पुर्वोका सम्पत्तिके अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उका सम्पत्ति के ग्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताअरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पब्सीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जी उकत श्रधि-नियम, के श्रष्ठयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस आध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

मकान जिसका नोंध नं० 15-16-ए-3 है श्रौर जो बार्ड नं० 1 सलीफा मोहल्ला मू त में है यह मकान रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत द्वारा ना० 1-4-1980 को रजिस्टर्ड की गई है।

> मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

नारीखा: 2-12-1980

प्रारूप आई० दी० एन० एस०----

आयकर **धीधनियम**, 1981 (1981 का 43) की घारा 289-घ (1) के मधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर भायुक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 25 नवम्बर 1980

निवेश सं० पी० श्वार० नं० 1032 ऐक्बी० 23-11/74/80-84—-श्रतः मुझे, मांगीलाल,

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारग है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूहा 25,000/- कार्य से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 489 श्रीर 489/1 शहर मं० 4156 हैं। सथा जो नृतन को० श्रीप० सोसायटी नवसारी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुरूची में श्रीप्रपूर्ण क्ष्य रेविणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यात्य नदसारी में रिजस्ट्रीकर्रण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधन 14-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के पूर्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रविक्त है और प्रन्तरिक (प्रन्तरिकों) भीर अन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथिन महीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण में हुई किसी भाय की बाबत उन्त प्रिः नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या विकास धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनियम, या धनकर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ब्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः, ग्रब, उक्त भ्रधिनियम को धार। 269-ग के धनु-सरण में, में, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखिखित व्यक्तियों, ग्रथित्।---

- 1. 1. श्रीप्रभाकर बलवंतराय करकरे
 - 2. लीलाबेन चलवंतराय करकरे
 - मुमनबेन बलवंतराय करकरे
 - शकुंतलाबेन बलवंतराय करकरे कारेलीबाग, गांधी-नगर कालोनी, बड़ौदा।

(भ्रन्तरक)

2. 1. श्री प्ररवीन्दभाई नाथूभाई गांधी, (2) श्रीमित ज्यो-त्सना बेन कनुभाई गांधी, श्राणाचाग, नवसारी,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं:--

उका सम्पत्ति के अर्जन के पम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितवज किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्हीकरण: -- इसम प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रष्ठणाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा, तो उत्र श्रष्टगात्र में दिया गया है।

धमुसूची

मकान जिसका सी० सं० नं० 4156 श्रोर घर नं० 489 श्रोर 489/1 है। यह मकान रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी नवसारी द्वारा ता० 14-4-1980 को रजिस्टर्ड की गई है।

> मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 25-11-1980

मोहरः

प्ररूप ब्राई०टी० एन० एस० -----

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, भ्रहमवाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 2 दिसम्बर 1980

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं नानपुरा मार्केट नं 2664 श्रीर 2664-बी-1 श्रीर ए 2 है तथा जो वार्ड सं 1, सूरत में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबज अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के जीवत बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टा प्रतिपत्त श्रीय अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक खप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या प्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिगाने में सुविधा के लिए;

श्रत: प्रव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) अधीन निम्नलिक्षित व्यक्तियों ग्रणीत् :--4--416GI/80

- 1. श्री हफींज मोहम्मद दाउद नानपुरा मारकेट सूरत (ग्रन्तरक)
- श्रीमित ग्रफगान बेगम, सयैद प्यारेसाब तैयब अली मोहोलो जंपा बाजार, सूरत

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो खक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मीलकन जो नानपुरा सूरत में जिसका नं 2664-बी-1 श्रीर ऐ-2 है। बोर्ड नं 1 में स्थित हुए यह मिलकन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत द्वारा ना 2-4-1980 को रजिस्टर्ड की गई है।

> मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 2-12-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 2 दिसम्बर 1980

निर्देश सं०पी० श्रार० नं० 1034 ऐक्वी $23\text{-}\mathrm{I}^{\prime}/80\text{-}81\text{-}$ श्रतः मुझे, मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं नोंध नं 1/528/8, नानपुरा ब्लोक नं 2 है तथा जो हाई स्कूल के सामने सूरत में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-4-1980 का पूर्वांक्त संपत्ति के उचिन बाजार मूल्य में ऊम के स्थमान पित्रका के लिए यन्तरित की उचिन बाजार मूल्य में ऊम के स्थमान पित्रका के लिए यन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नौजिखित उच्चेर्य से जन्त अन्तरण निक्ति में वारनिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्री कियोरभाई छनाभाई पटेल मनीबेन छगनभाई कियोर भाई पटेल, डंगर ता० कामरेज
- ललुभाई नथुभाई पटेल बीज ता० बारडोली।
 (प्रन्तरक)
- (2) श्री रमेश चन्द्र रामरथमल शाह 1/528/8, ब्लोक नं० 8, हाई स्कूल के सामने नानपुरा, सूरत (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूजना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित मो किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

मालकन जिसका नं० 1/520/8 है श्रीर जो नानपुरा हाईस्कूल के सामने मूरत में हुये। यह मालिकन रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी सुरत द्वारा ता० 1-4-1980 को रिजस्टर्ड की गई है।

मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-∐, भ्रहमदाबाद

तारीख: 2-12-1980

प्रारूप आई • टी • एन • एस •-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-]], ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1035/ऐक्टी 23-II/80-81--श्रतः मुझे, मांगी लाल

भागतर प्रधितियम, 1981 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके १४ शत् 'उता अधितियम' हड़ा गया है), की धारा 269-ख के अधित तक्षत प्रधिकारों का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्थित अपका उच्चित वाजार मूह्य 25,000/-स्पर से अधिक है

स्रोर जिसकी सं जोंधनं 43-बी, 2611-बी, 2611ऐ है तथा जो चौड़ा ब्रिंग मरेन रोड, सुरन में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रुप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, सूरन में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 17-4-1980 को

पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित को गई है और नुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य उपके दूश्यनान प्रतिफल से, ऐसे दूश्यमान प्रतिफल के अन्द्रस् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अग्तरकों) और अग्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उप तथा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अग्तरण विख्यत में वास्तिक क्या से काबत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसा भाष की बाबत, उक्त प्रशिविष्य के धर्मान घर देने के भ्रम्तरफ के व्यक्षित्व में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य धास्तियों की, जिन्हें भारताय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिवियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ धन्तिरती धारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में शुविधा के लिए;

ग्रतः, अन, उन्त प्रधितियम की धारा 269-म के अनुभरण में, में, उन्त प्रधितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन विम्नलिखित स्वितयों, अर्थात् 1---

- 1. श्रीमित मंगलगौरी भगवानदास कोट शफील रोड, सूरत । (श्रन्तरक)
- श्री फरामरोज नवराजाजी वरीम्रावाला कोठार, ता० कामरेज। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में **कोई भी धाक्षेप**:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भी तर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस मूचना के राजरत में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्राप्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का, जो उन्त ृत्रधिनियम के अध्याव 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा हो उस घध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकन जिसका नोंध नं० 43-बी, 2611बी श्रौर 2612ऐ है ग्रौर जो चौड़ा श्रिज सूरत में है। यह मिलकन रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी सूरत द्वारा ता० 13-4-1980 को रजिस्टर्ड की गई है।

> मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमवाबाद

तारीख: 6-12-1980

प्ररूप आई∙ डी• एन० इस•-----

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के धर्धान सूचना

षा त सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-11 श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1980

निर्देश ग़ं०पी० म्रार० नं 1037ऐक्की० 23-II/80-81-म्रतः मुझे, मांगी लाल,

षायकर प्रचितियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रष्टीत सक्षम प्राधिकारी की अह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तन्त्रीत, जिसका खिवत बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है

भीर जिसकी संवसी व एसवनं व 37 प्लोटनं व 709 है तथा जो बल्नम विद्यानगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्राणेंद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 24-4-1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के एक्ति प्राज्ञार मूल्य से भम के दृश्यमान प्रशिक्षक के लिए प्रनाहित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रयापूर्वोक्त सम्पत्ति का एक्ति बाजार सूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भविक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (अम्बरितियों) के बात ऐसे असरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्तिलिखित उद्देश्य से उनत धन्तरण विख्यत में वास्तिक हुए से क्या से क्या गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त ग्राधितियय के ग्राधीन कर दने के अन्तरक के बाबिश्त में कभी करने या उसते बचने में सुविधः के लिए; मंग्रीया
- (ख) ऐसो किसो आप या किसी अत या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल ग्रधिनियम, या धन-कर विश्वत्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वन्दर्शित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)के अधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों अधित '--

- श्री प्रभुदास उमेद भाई पटेल तलोद, प्रतीज तालुका साबर-कांडा (जिला) (ग्रन्तरक)
- 2. श्री कलाकान्त छोटाभाई पटेल पलासन पायत श्रोफिस के पीछे श्रापद तालुका। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी का से 45 विन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भवधि, जो भी भवधि शव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितखब किसी धन्य भ्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकें

स्पदिश्वरणा---इसमें प्रयुक्त गर्को धौर पक्षो का, जो उक्त पिध-नियम के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उन प्रध्याय में दिवागया है।

अनुसूची

खुली जमीत और मकान जो वल्लभ विद्यानगर में ग्राया हुन्ना है। जिसकासी० एस० मं० 278 प्लोट नं० 709 है जिसका विकान नं० 1243 रजिस्टर्ड हुन्ना है श्रीर रजिस्ट्रार वफ्तर ग्रापद में दिनांक 24-4-1980 को रजिस्टर हुन्ना है

> माँगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (रिक्षिण) ग्रर्जन रेंज-II ग्रहमदाबाद

तारीख: 6-12-1980।

शहर :

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय्, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर, 1980

पी०ग्नार० नं०-1037एफपी-23-J1-80-81--श्रतः मुझे मांगी लाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० रपुली जमीन नं० 27 जो भ्रष्ठनोध्य सोसायटी में हैं तथा जो अलकापुरी बडौदा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में भ्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 15-4-1980

को पूर्वाक्त संपरित के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के, पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण कि लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) गेनी किसी अप्य या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ट्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात '--

- (1) मोहन भाई बापुभाई, कला मोहनभाई बापुभाई (HUF)
 27, श्ररुनोद्य सोसायटी, श्रलकापुरी, बड़ौदा।
 (श्रन्तरक)
- (2) श्री बिपिन चन्द मनीभाई पटेल, 7, किष्नकुंज सोसायटी श्रलकापुरी, बड़ौदा।

(भ्रन्तरिति)

का यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यथाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकर्ण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्सूची

रपुली जमीन श्रीर मकान जिसका नं० 27 जो श्रक्नोदय सोसाईटी जिसका रजिस्ट्री नं० 2887 जो रजिस्ट्री श्राफिस बड़ौदा में दिनांक 15-4-1980 को रजिस्ट्रर हुआ है।

> मांगी लाल सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 6-12-1980

प्ररूप माई० टी० एन० एस० ———

माय्कर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1980

निदेश सं० पी०ग्रार० नं०-1038एपी 23-IJ/80-81-श्रतः मुझे मांगी लाल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' वहां गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विद्यास करने का बारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका जीचत बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० खुली जमीन जिसका नं० 303 है, स्रीर जो सेक्टर न० 22 गांधी नगर में आई हुई है, में स्थित हैं धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिकारों के कार्यालय, गांधी नगर में रिजस्ट्रीकरण भिष्मित प्रिकारों के कार्यालय, गांधी नगर में रिजस्ट्रीकरण भिष्मित गेंपांता के उचित का 16) के श्रिधीन 24-4-80 को पूर्वों कर गेंपांता के उचित का जार पूर्व से कार के खरमान प्रितंकल के लिए अन्तर्भ की की प्रें ही और कुछ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिभाव से जीवाह है बील कात्र (अन्तर्भ) कीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए स्थ पाया गया प्रतिकत कि निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतिवक अप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर जांधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उवत अधिनियम, कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निमन्जिसिस व्यक्तियों मुथ्ति:—

(1) श्री रतीलाल त्रीकम लाल शाह फ्लैंट नं० 13 (तीसरी मंजिल) रेखा नं० 2 रीडगे रोड, बम्बई-6

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती विद्याबेग रजीकान्त गजजर श्रधा निवास ब्लॉक नं 14 (तीसरी मंजिल) कस्तूरबा रोड, कन्डी वाली पश्चिम(बेस्ट) बंबई ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विश्व की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

वनुसूची

जमीन भ्रौर मकान जिसका नं० 303 है, जो सेक्टर नं० 22 गांधी नगर में श्राई हुई है। जिसका रजिस्ट्री नं० 707(707) है, जो रजिस्ट्री श्राफिस गांधी नगर में 24-4-1980 को रजिस्टर हुआ है।

> मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाव

तारीख: 6-12-80

प्ररूप आक्षे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-थ (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 80

निदेश सं० पी० ग्रार० नं०-1 0 3 9 एक्स- 2 3-1 1 / 8 0 / 8 1 — श्रतः मुझे मांगी, लाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 81 ग्रौर 145 है तथा जो जेतलपुर, बड़ौवा में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रन्मूची में ग्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 19-4-1980

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नितिसित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरित्यों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (।) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री मे॰ तुलसीदास वि॰ पटेल पार्टनर, पटेल रासि, बम्बई-७ ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शेकडनाथ नगर को० ग्राप० टा० सोसायटी 6-बी पयाना सामापटर श्रलेकशपुरा, बड़ौदा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के अर्जन के राम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील गे 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

खुली जमीन जिसका ख०नं० 81 ग्रीर 14-5 है ग्रीर जो जेतलपुर बड़ौदा में हैं महकारी बड़ौदा के कार्यालय ता० 19-4-1980 का रजिस्ट्रर कर दिया है।

> मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमवाबाद

तारीख: 6-12-1980

परूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1980

निदेश सं० पी०म्रार० नं० 1040/एक्यु०-23-11/80/81— म्रतः मुझे, मांगी लाल,

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० टी० पी०एस०नं० 1 है तथा जो श्रानन्द म स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रानन्द में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम , 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक 14-4-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल तिम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-निषम के श्रधीन कर देने के धन्तरक के दायिस्व में कमी करने या 6 ससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अप्तः, झब, उक्त स्रधिनियम, की धारा 269-ग के स्रमुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थातः --- (1) श्री मोहमद शरीफ इक्षाहिमभाई पोलेशन डेरी के पीछे पोलेशन रोड, श्रानन्द।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्राजमुद्दीन शमणुद्दीन मलेक श्रानन्द कस्बा, श्रानन्द।

(श्रन्तरिती)

को य**ह सूचना** जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **ग्राजैन के लिए** कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रक्षितियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही स्रथं होगा जो एस अध्याय में दिया गया है।

<mark>प्रन</mark>ुसूची

जमीन और मकान जो म्रानन्द में है श्रौर जिसका नं० टी०पी०एस० 1 है। यह मिलकत रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी म्रानन्द के दक्तर में ता० 14-4-1980 को रजिस्टर्ड की गई है।

> मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-JI, श्रहमदाबाद

तारीख: 6-12-1980

मोहर 🗜

प्ररूप आई० टी॰ एत॰ एस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

काथां सिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमवाबाद

ग्रहमदाबाद, विनांक 11 दिसम्बर 1980

अत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260- अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्कत जिसका उनिन बाजार मूल्य 25,000/- १७. से अधिक है

भीर जिसकी सं० है तथा जो ढेबर रोड, राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपायक अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 24-4-80

को प्वांक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्षण के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अन्ने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपर्ति का उचित बाजार प्राप्त असके दृश्यमान प्रतिष्ठल से, एसे दृश्यमान प्रतिष्ठल का प्रदृष्ट रित्रशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

गत: मब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थास् :—— 5—416GI/80

- (1) 1. मुक्ताबेन जगजीवन दवे ।
 - 2. श्री शशीकान्त जगजीवन दवे
 - 3. श्री प्रबीण भाई जगजीवन दवे
 - 4. ज्योत्सनाबेन जगजीवन दवे
 - 5. मधुबेन अगजीवन दवे मृत व्यक्ति के कायदेसर वारस, जगजीवन नारणुजी दवे राजपुषपरा रोड, राजकोट।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती णान्ताबेन प्रभुदास गनतरा श्री हरसुखराज प्रभुदास गनतरा श्री भ्रानिक कुमार प्रभुदास गनतरा श्री भरतकुमार प्रभुदास गनतरा 7/9, मीलपरा, विरानी ब्लोक्स राजकोट ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांकत सम्पत्ति के अजेन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप: --

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस में 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपस्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्तित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्तिरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहों अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

एक मकान जो जमीन भाप 106.8.72 वर्ग गज पर खड़ा तथा ढेवर रोड, राजकोट में स्थित है, मिलकत का पूर्ण वर्णन रिजस्ट्रीकृत विकी हस्तावेज, जिसका रिज०नं० 2536 वि० 24-4-80 है, इसमें दिया गया है।

> मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, श्रहमदाबाद

तारी**ख**ः 11-12-80

प्ररूप प्राई० टी॰ एन॰ एस०---

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के धधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 11 दिसम्बर 1980

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-रुप्य से श्रधिक है

ष्रौर जिसकी सं० निर्मेला कर्नट स्कूल रोड़ के पास है। तथा जो कालावाड़ रोड़, राजकोट, में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल, 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान अतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया मया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उकत ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के श्राप्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित क्यिंक्तयों, अर्थात्:—

- (1) मेसर्स सुधीर डवलेपमेंट कु० मंगलम 27, प्ररहलाद प्ररहलाद प्लाट, प्ररहलाद राजकोट । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सुर्यकान्त बी० नाथबाणी मंगलम 27, प्ररहलाद प्लाट प्ररहलाद रोड़, राजकोट। (भ्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स सम्पत्ति के स्रर्जन[े] के लिए कार्य<mark>वाहियों करता हूं।</mark>

उत्तर सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघीतृस्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सकेंगे।

हपक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीवियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन का प्लाट जिसका माप 211.35 वर्ग मीटर, 250.84 वर्ग मीटर, 250.84 वर्ग मीटर, 250.84 वर्ग मीटर, 250.84 वर्ग मीटर तथा 295.45 वर्गा मीटर जो निर्मेला कनवेन्ट स्कुल रोड़ कालावाड़ रोड़, राजकोट में स्थित है मिलकत का पूर्ण वर्णन अलग अलग रिजस्ट्रीकृत बिकी दस्ताबेज, जो रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा रिज नं 1804, नील, 1806 1808 से विधि रिजस्ट्र है इस में दीया गया है।

मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहुमदाबाद

तारीख: 11-12-80

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-षु (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ा, श्रहमदाबाद

ग्रहमवाबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्वेश सं० पी० श्रार० नं० -1271 ए०सी०एक्यू 23-I/80-81 अतः मुझै, मांगी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- छ. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कस्तुरबा रोष्ट्र पर खुली जमीन है तथा जो उषा टोकीज के पास, राजकोट, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, राजकोट, में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन 3-4-80,

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्प्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत्, उन्स अधिनियम के अधीन कर योगे के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत् ह—

- (1) श्रीमती सुधावेन जसवन्तलाल एम/68, हाऊसिंग बोर्ड मरिला कालेज के सामने, राजकोट। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती राजकुंबरबा बी० चुडासमा, द्वारा उषा कालेज राजकोट।

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वा कत सम्पृत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतुर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में पिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो जमीन माप 160 वर्ग गज पर खड़ा तथा उपा टाकिअ, कस्तुरवा रोड़ राजकोट में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रिजस्ट्रीकरता बिकी दस्तावेज जिसका रिजि नं 1728 वि० 3-4-1980

> मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज-; ग्रमदाबाद

तारीख: 10-12-80

प्रकृप पाई• टी• एन• एस•---

भायकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के भाषीन सुपना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक श्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमवाबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश नं० पी०म्रार० नं०-1272 एक्सीक्यू 23-I/80-81 ----म्रतः मुझे मांगी लाल,

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से श्रधिक है

शौर जिसकी सं कस्तूरबा रोड़ पर खुली जमीन है। तथा जो उपा टाकीज के पास, राजकोट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट, में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16), के श्रधीन 3-4-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशन से श्रविक है श्रौर अन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के भधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या;
 - (ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों की जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिप्तियम 1922 है (1922 का 11) या उक्त ग्रिप्तियम, या धन-कर ग्रिप्तियम, या धन-कर ग्रिप्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किथा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रंब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 289-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, चर्यान्:---

- (1) श्रीमती सुधाबेन जसवन्त लाल एम/678, हाऊसिंग बोर्ड महिला कालेज के सामने , राजकोट। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती राजकुंबरबा बी० चुड़ासमा ॄंउषा टाक्षीज के सामने, राजकोट । (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृथींक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्डोकरण:--इसमें प्रयुक्त अक्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो जमीन माप 160 वग गज पर खड़ा तथा उषा टाकीज के पास, कस्तूरबारोड़, राजकोट में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रिजस्ट्रीकृत विकी दस्तावेज जिसका नं० 1728 दिं० 3-4-80 है, इस में दिया गया है।

> मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, भ्रहमदाबाव

तारी**खः** 10-12-80

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत स्रकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

> श्चर्णन रेंज-I, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 10 विसम्बर, 1980

निर्देश नं० पी०भ्रार० नं०1273 एसीक्यु-23-I/80-81 भ्रतः मुझे मांगी लाल,

श्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिपका उजिन बाजार मूल्य 25,000/-रु० से श्रिष्ठिक है

ग्रौर जिसकी सं० नूतन नगर इन्डस्ट्रियल एरिया प्लाट नं० 15 है। तथा जो महुवा, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाग्रद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिप्तकारी के कार्यालय, महुवा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 1-4-80,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पखह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के ग्रधीन कर वेने के भ्रन्तरक के वायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; पौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं ;उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात :-- (1) श्री पारेख लालदास प्रतापराय , धराड़ी चौक महुवा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोफ्जा ग्रसगरम्रली छताड़ीया पीरजादा चौक, महुवा।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप : ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्विध या तश्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकोंगे।

ह्पव्हीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रिक्षित्यम', के श्रष्ट्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में विया गया है!

अनुसूची

एक खुली जमीन का प्लाट जिसका माप 3296. 23.22 वर्ग मीटर जिसका प्लाट नं 15, ओ नूतन इन्डिस्ट्रस्यल एरिया, महुवा में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रिजस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज, जिसका रिजस्ट्रेशन नं 730, दिनांक 1 श्रप्रैल, 1980 है, इसमें दिया गया है।

मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

तारीख: 10-12-80

प्रकृप पाई • टी • एन • एस • ----

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के प्रमीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-I, श्रहमवाबाद

भ्रहमदाबाव, विनांक 9 दिसम्बर 1980

निर्वेश सं० पी०म्रार० नं० 1274 एसीक्यु 23-I/80-81 ——म्रतः मुझे, मांगी लाल,

भ्रायकर भ्रिमित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत भ्रिमित्यम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भ्रिक है

ग्रीर जिसकी सं० 10/2 है। तथा जो जेतपुर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्ष्म से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जेतपुर में रिजस्ट्रीकरण प्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 22-4-80, को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पूक्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत के पत्धकृ प्रतिकत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथ पाया गया प्रतिकत किन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक ख से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्तरण से तुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रक्षि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर स्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिर्धिनियम, या धन-कर भिर्धिनियम, या धन-कर भिर्धिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अस, सक्त प्रधिनियम की वारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधितियम की बारा 269-म की उपघारा (1) के अज्ञीन, निक्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थीत्:—— (1) श्री मनसुख भानुभाई देसाई बापावाला परा, जेतपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री रसीकलाल जेठालाल पारेख कापड बजार, जेतपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविष्ठ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी भविष्ठ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

पक्तीश्वरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त सिंहिनियम के सम्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्घे होगा, जो उस सक्याय में वियागया है।

प्रनुसूची

खेतीवाली जमीन का माप दो एकड़, जिसका सर्वे० नं० 10/2 जो जेतपुर में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिकी दस्तावेज, जिसका रजिस्ट्रेशन नं० 320 दि० 22-4-80 है इसमें दिया गया है।

> मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण); ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 9-12-80

प्रकप बाई • टी • एन • एस • -----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कायौलय, सहायन धायनर धायनत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, ग्रहमधाबाद

श्रहमवाबाद दिनांक 9 दिसम्बर 1980

निर्देश नं० पी० ग्रार० नं० 1275 ए०सी० क्यू० 23-1/80-81-- श्रतः मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ं नं ं 10/2 है तथा जो जेतपुर में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध स्नुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय जेतपुर में रिजट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 22-4-1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अध्याप्त
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य लास्सियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नति खित व्यक्तियों अर्थातः --

- 1. श्री भाना जीना देमाई, बाबाबाला परा. जैतपुर (ग्रन्तरक)
- श्री रसिकलाल जेड़ालाल पारेख, श्री बाबूलाल जेठालाल पारेख कपड़ा बाजार जेतपुर (भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेतवाली जमीन जिसका माप दो एकड़ 20, गुंडा, जिसका सर्वे नं 10/2 जो जेतपुर में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज जिसका रजि नं 321 दिनांक 22-4-1980 है, इस में दिया गया है।

मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाव

तारीख: 9-12-1980

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 9 दिसम्बर 1980

निर्देश नं० पी० म्रार० नं० 1276 ए०सी० स्यू० 23-]/ 80-81---म्रत: मुझे, मांगीलाल

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु० में अधिक हाँ

श्रौर जिसकी सं नं 20 है तथा जो जेतपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, जेतपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 22-4-80

1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-4-80 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृल्य से कम के दूरयमान प्रितिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च स्य अक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियां अर्थात्:——

- श्री भीख् भाना देमाई वावावाला परा, जैतपुर । (ग्रन्तरक)
- श्री रसिकलाल जेड़ालाल पारेख श्री बाबूलाल उकाभाई, कापड़ झाजार, जेतपुर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वाचन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुसूची

खेतवाली जमीन जिसका माप दो एकड़ 14 गुंडा, जिसका सर्वे नं 0/2 जो जेतपुर में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रिजस्ट्रीकृत विकी दस्तावेष, जिसका रिज नं 323 दिनांक 22-4-1980 है इसमें दिया गया है।

मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्ज रेंज-II, ग्रहमदाबाद

विनांक: 9-12-1980

मोहर 🖟

बक्प माईं• टी॰ एन॰ एस॰—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 9 दिसम्बर 1980

निर्देश नं पी० ग्रार० नं० 1277 ए०सी०क्यू० 23-I/ 80-81-श्रतः मुझे, मांगीलाल

धायकर धिकियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिवितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुपये से ग्रीष्ठक है

धौर जिसकी सं० नं० 1012 है तथा जो जेतपुर में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध प्रानुस्ची में धौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जेतपुर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 22-4-80 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्षल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे पड़ विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंगीत का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिक्षल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्षल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (धन्तरकों) घोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत घन्तरण लिखित में बास्त- विक हम से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उसत प्रधि-निवस के भ्रमीत कर वेने के भ्रम्तरक के वासिश्व में कभी करने या जास बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य घास्तियों की, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त घिष्टित्यम, या धनकर घिष्टित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मुविधा के लिए ।

अतः अव, उक्त धिविषयम की प्रारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रिविषयम की धारा 269-व की उपधादा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः --- 6---416GI/80

 श्री दिवालीबेन भानुभाई देसाई बाबावाला परा, जेतपुर

(ग्रन्तरक)

2. श्री रसिकलाल जेडालाला पारेख, श्री बाबूलाल उकाभाई, कापड़ बाजार, जेतपुर

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की शारी का से 45 विन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 विन की अवधि जो भी भविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो नत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितकद किसी प्रत्य स्थक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण :-- इसमें प्रयुक्त शक्तों भीर पर्वो का, की जक्त भीवित्रियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भवं होगा जो उस भव्याव में दिया गया है।

घनुसूची

> मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाव

दिनांक: 10 विसम्बर 1980

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निर्वेश सं० पी० धार० नं० 1041/ऐक्की० 23/II/80-81---श्रतः मुझे, मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० नोध नं० 2793 नवसारी बाजार है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्न रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 2-4-1980 ।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूस्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्दरित की गई है और मुफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोस्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सधीन. जिम्निलिश्वित व्यक्तियों सभितः—

 श्री पार्टनर श्रोफ (1) बाबुभाई जयभाई पटेल (2) जगदीश कुमार खीभाई पटेल, संगडीरवाड, जोधपुरा सुरत,

(ग्रन्तरक)

2. श्री विजयकुमार दिसभाई देसाई गोपीपुरा सूरत, (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पृवर्षित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरिस में हित- बर्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिम्बित में किए जा सकरें।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया हैं।

अनुसूची

मिलकन जो धांववली ग्रमी, नवसारी बाजार में हूए। जिसका नोंथ नं० 2393, बोर्ड नं० 2 है। यह मिलकन रजिस्ट्रीकर्ता ग्रंथकारी सूरत द्वारा ना० 29-9-1980 रजिस्टर्ड की गई है।

> मांगीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख : 15-12-1980।

प्ररूप ब्राईं० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 16 दिसम्बर 1980

निर्वेश सं० पी० श्रार० नं० 1042/ऐक्वी०23/80-81-श्रतः मुझे, मांगी लाल

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ण 25,000/- द० से प्रधिक है

ग्रौर सं० नोंध नं० 1436-1-बी-2 कैलेयान एपार्टमेंट्स है तथा जो नानपुरा सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक्क ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सुरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 23-4-1980 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवाँक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पम्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्राव्यतियम, के भ्रधीन कर देने के भस्तरक के वायिश्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घा या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय कर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: भ्रव, उक्त भ्रिमियम की घारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, भ्रषीत्:—

- (1) श्रीठाकोरा भाई प्रभुभाई मेहता।
- (2) श्री वासाभाई प्रभुभाई मेहता महाप्रभु कुवामपली सोमाइटी रोड, तिमलियावाड, नानपुरा सूरत। (श्रन्तरक)
- 2. मैं तायो बिलर्डर्स कलयान एपार्टमेंटस, नानपुरा, सूरत (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त नम्मति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की प्रतिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हिसबब किसी प्रन्य व्यक्ति हारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदो का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गण है।

अनुसुची

मिलकन जो नानपुरा सूरत में है । जिसका नोंध नं० 1431—1 बी-2 है। श्रीर जो कलयान एपार्टमेंट्स से लगी हुई है। यह मिलकन रिजस्ट्री कर्ताग्रिधकारी सूरत द्वारा ता० 23-4-80 को रिजस्टिंग की गई है।

> मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज ग्रहमदाबाद

तारीख : 16-12-1980 ।

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-ा श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 17 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० सी० धार० नं० 1278 ए०सी० स्यू० 23-I/80-81--अत: मुझे, मांगी लाल,

भायकर गिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000./ एत. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 281 पैंकी हैं। तथा जो घोडासर, ग्रहमदाबाद में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 21-4-1980।

को पृत्रोंक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रितिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा गया है:—

- (क) अन्तरण् से हुई किसी काय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निभ्नतिखित व्यक्तियों अर्थात :--

- (1) श्री विनायक रतीलाल पटेल तथा कर्ता एच० यू०-एफ० का (2) श्री प्रद्युमन्य विनायक पटेल सरमुख्त्यार द्वारा: श्री णीलेष विनायक नवावास, हानाफीज, अहमदाबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. ग्रानन्द को० ग्रो० हा० सो० लि० चेयरमैन द्वारा श्री घनश्याम तुलसीभाई पटेल: द्वारा श्री ईश्वरमंग जगवंश सांग नं० 35 भ्रनंत सोसायटी, लाल मील के पीछे गोमती-पुर, श्रहमदाबाद (श्रन्तरिती)

को यह स्**च**ना जारी करके पूर्वाक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवा**हि**यां करता **हुं**।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्थे नं० 281 पैकी जमीन माप 770.33-44.84 वर्ग गज जो घोड़ासर ग्रहमदाबाद में स्थित हैं। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी द्वारा विधि रजिस्टर्ड बिकी वस्तावेज नं० 7185 दिनांक 21-4-1980 में दिया गया है।

मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-11, शहमदाबाद

नारीख: 17-12-1980।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर भिर्मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज-र्, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 17 दिसम्बर 1980

निर्देश नं०पी० श्रार० नं० 1279 ए०सी०क्यू० 23-]/ 80-81—श्रतः मुझे, मांगी लाल,

सायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० नं० 281 पैकी है। तथा जो घोड़ासर, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाधद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 21-4-1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है ग्रोर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रोर अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रग्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भाय-कर ग्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर ग्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा भकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों अर्थातः--

- श्री शीरीष रतीलाल (1) नो खुद तथा कुटुम्ब के कता (2) श्री भुनल शीरीष (3) श्री मयुर शीरीष नवानास, दानापीठ, श्रहमदाबाद (श्रन्तरक)
- 2. श्री ग्रानन्द को० ग्रो० ह० सो० लि० चेयरमैन द्वारा : श्री घनश्याम तुलसीभाई पटेल द्वारा श्री-ईश्वरसिंह जगतसिंह नं० 35 ग्रनंत सोसायटी लालमील के पीछे कोमतीपुर, ग्रहमदाबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव के किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुशी जमीन जिसका सर्वे नं० 281 पैकी माप 770.33 — 44.84 वर्ग गज जो घोड़ासर, ग्रहमदाबाद में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी द्वारा विधि रजिस्टर्ड बिकी दस्तावेज नं० 7189 दिनांक 21-4-1980 में दिया गया है।

मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख : 17-12-1980 ।

मोहरः

प्रकप चाई• टी• एन• एस•----

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 17 दिसम्बर 1980

निदेण नं० पी० श्रार० नं० 1780 ए०सी०क्यू० 23/1/ 80-81---अतः मुझे, मांगी लाल,

भायकर घिषित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिषित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ख के घिषित सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से घिषक है, और जिसकी मं० 281 पैकी है। तथा जो घोड़ासर, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण कप रो विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 21-4-1980।

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया भित्कर, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तिकर रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई िकसी माय की बाबत उक्त मिल्लियम के असीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों अर्थात्ः--

- (1) 1. श्री नाहान स्तीताल पटेल खुद में र एच०
 यू० एफ० के कर्ता,
 2. सगीर प्रदीप जगदीण, ग्रनेक वाली द्वारा श्री
 विरेन्द्र जगदीण कांकरीया, चीनुभाई कालोनी
 ग्रहमदाबाद । (ग्रन्तरक)
- (2) स्नानन्द को० हा० सोसायटी, चेयरमैन द्वारा श्री घनण्याम तुलसीभाई पटेल द्वारा श्री ईश्वरसिंग जगत सांव नं० 35, अनन्त सोसायटी, लाल मील के पीछे, गोमतीपुर, श्रहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त समाति के ग्रार्मेंत के सम्प्रत्य में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों ५र सूचना की नामील से 30 दिन की भ्रविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वीवर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीनर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितवझ किसी भ्रन्य वाक्ति ग्रारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जासकोंगे।

स्पढ्डोकरणः -- इतमें प्रयुक्त सब्दों और पदो का, जो छन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहो अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है ।

अनुसूर्या

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 281 पैकी माप 770.33 + 44.84 वर्ग गग जो धागसर भ्रहमदाबाद में स्थित है, मिलकत का पूर्ण वर्णन, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी द्वारा विधि रजिस्टर्ड बिक्की दस्तावेजनं० 7186 विनांक 21-4-1980 में दिया गया है।

मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

तारीख 17-12-1980 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एन०---

भागकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 17 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० पी० श्रार०नं० 1281/एक्वी० 23/श्रारश्राई/ 80-81---श्रतः मुझे, मांगी राम.

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मूल्य 25,000/- छपए से ग्रिधिक है

और जिसकी मं० 281 कि पैकी हैतथा जो घोड़:सार ग्रहमदा-बाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण का में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदा-बाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 21-4-1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन वाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकार के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल में, को दृश्यमान प्रतिकाल में, को दृश्यमान प्रतिकाल का पन्डस् प्रतिशत से श्रिष्ठिक है थीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्राध-नियम, के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं जिया गया था या किया जाना नाहिए था छिपाने में गृविधा के लिए;

ग्रतः, श्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के चनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धाधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथाति:——

- श्री जयन्तीलाल रतीलाल पटेल (2) गमीर जयन्तीलाल पटेल नवावास, दानापीठ, श्रहमदाबाद । (श्रन्तरक)
- श्रानन्द को० श्रोप० हा० सा० की धनश्याम श्रकसरभाई पटेल नेयरमैन लाल ताल के पीछे गवयलपुर श्रहमदा-याद । (अन्तरिती)

की यह मूचना जारी करके पूर्ववित सम्पत्ति के भर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हं।

जनन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामीन से 30 दिन की परित्र जो भी अवधि बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस युचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त भाव्यों और पदों का, जी छन्त अधि-नियम के प्रथमन 20-क ने परिभाषित है वहीं सर्थ होगा, जो उस अध्यान में दिया गया है।

अमुसूची

खुली जमीन जिसका सं० नं० 281 है, श्रौर जो श्रापने 770.33+44.84 फैरम गये है। श्रौर के घोडासर श्रहमदाबाद में है। यह जिसका रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रहमदाबाद द्वारा ना० 21-4-1980 को रजिटर्ड की गई है। दो जमीन रजिस्टर्ड 7181 से रजिस्टर्ड की गई है।

मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रह्मवाबाद

नारीखाः 17-12-1980।

भोहर:

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज- भ्रहमदाबाद

घ्रहमदाबाद, दिनांक 17 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० $1282/\bar{v}$ क्वी० 23/I/80-81—श्रतः मुझे, मांगी राम

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 281 को पैकी है तथा जो घोडी सर श्रहमदा-बाद में स्थित हैं (स्रोर इससे उपाबद्ध झनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, स्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 21-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिश्वस, निम्नसिबा उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों, अर्थात्ः-- श्री किशीर रत्नलाल पढेल (2) मायनर डेनल, किशीर रनलाल पढेल श्रहमदाबाद

(भ्रन्तरक)

2. श्रानन्द को० श्रोप० हा सो० की घनश्याम श्रोंकारदास पटेल चेयरमैन लालमील के पीछे गोमतपुर ग्रहमदा-बाद । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध् या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन क अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हित- बव्ध किसी अन्य क्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगी।

स्पण्डीकरणः — इसमें प्रत्यूक्त शब्दों और पवाँका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सं० नं० 281 है। ग्रीर जो माप में 770.33 चौरस गज है 44.33 गज है। यह जमीन घोडासर श्रहमदाबाद में स्पष्ट है। यह माकन रजिस्द्री-कर्ता श्रिक्षकारी ग्रहमदाबाद के कार्यालयों ता० 21-4-1980 को रिजस्टर्ड की गई है। यह जमीन रजिस्ट्री नं० 7188 से रजिस्टर्ड की गई है।

> मांगी राम सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I सहमदाबाद

तारीख 17-12**-**1980 । मोहर: प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-], ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 17 दिसम्बर 1980

निदेश सं०पी० नं० 1283 ऐक्की 23/।/80-81--श्रतः, मुझे, मांगी लाख

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 281 कि पैकी है तथा जो घोडासर श्रहमदा-बाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबदा धनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता घिधकारी के कार्यास्य श्रहमदा-बाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 21-4-1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल, निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 7—416GI/80

- 1. श्री सुर्यकान्तभाई मूलजीभाई पटेल कर्ता ऑफ फेमली (2) परेश सूर्यकान्त ग्रीर (3) पारूल सूर्यकान्त नवावास, दानापीठ ग्रहमदाबाद। (ग्रन्तरक)
- श्री म्रानन्द कोम्रोप० हा०सो० द्वारा घनश्याम तुलसीदास, पटेल चेयरमैन लालमील के पीछे गोमतीपुर म्रहमदा-बाद । (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसुधी

खुली जमीन जिसका नं० 281 कि पैकी है। भीर ये माप में 1540 जीरस गज + 89.68 जीरस गज है। यह जमीन बोडासर महमदाबाद में रिजस्टर है। भीर यह रिजस्ट्रीकर्ता भिकारी महमदाबाद द्वारा ता० 21-4-1980 को रिजस्टर्ड की गई है।

मांगी लास सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

तारीख: 17-12-1980।

प्ररूप आई० डी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269थ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदायाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 17 दिसम्बर 1980

निदेण सं० पी० श्रार० नं० 1284/एमीक्यू23-I/80-81---श्रतः, मुझे, मांगीलाल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ज के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- व॰ से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० 281. पैकी है नथा जो घोडासर श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपाद्य श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है). रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद, में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नारीख 21-4-1980 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रश्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यवार्ग्वोक्त सम्पति का खिन बाजार मूल्य, उसके
बृष्यमान प्रतिकत से, ऐमें बृष्यमान प्रतिफल का प्रश्नह प्रतिज्ञत
से प्रधिक है और प्रश्तरक (अग्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितिगों) के बीच ऐसे अग्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल
विम्नलिखित छद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक एप
से किया नहीं किया गया है —

- (क) सम्तरण से हुई किसी साय की वानत, उनत साँध-नियम के समीन कर देने के सम्तरक के वासिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविज्ञा के जिए; सौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहितयों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

चतः शव, उनत ग्राधिनियम की भारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्ष ग्राधिनियम की बारा 269-व की उपवारा (1) के ग्राधीन विज्वजिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री.हरीण मुलजीभाई पटेल खुवमुख्यार द्वारा श्री सूर्य-कान्त मूलजीभाई 819. नवावास, दाननापीठ श्रहमदा-बाद । (श्रन्तरक)
 - 2. श्रानन्द को० ग्रो० हा० सो० चेयरमेन द्वारा श्री घनण्याम तुलसीभाई पढेल, द्वारा श्री ईश्वर सघ जगनसीय नं० 35, श्रानन्त सोमायटी, लाल मील के पिछे, गोमती-पुर, ग्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए कार्यकाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविधि, तो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त सम्बों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अच्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 281 पैकी माप 1540 वर्ग गज + 89.68 वर्ग गज जो घोडासर, ग्रहमदाबाद में स्थित है। मिलकत क पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी द्वारा विधि रजिस्टर्ड विश्वी दस्तावेज नं० 7182 दिनांक 21-4-1980 में गया है।

भौगीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रज़िंगरेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 17-12-1980

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काय्लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-।, महमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 17 दिसम्बर 1980

निदेश सं० पी० श्वार० नं० 1285/ए० सी० न्यू०/23-I/ 80 - 81---श्रतः, मुझे, मांगीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण शृ कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रः. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 281 पैकी है तथा जो घोडासर, ग्रहमदा-बाद में स्थित है श्रौर इसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 21-4-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीट्/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वित व्यक्तियों स्थातः --

- 1. श्री जसभाई मूलजीभाई पटेल सरमुखत्यार द्वारा, श्री सूर्यकान्त मुलजीभाई नवावास, दानापीठ, अहमदा- बाद। (ग्रन्तरक)
- 2. स्रानन्द को० स्रो० हा० सो० लि० चेयरमैन द्वारा, श्री घनश्याम तुलसीभाई पटेल द्वारा श्री ईश्वर सीग जगतसींग नं० 35, अनन्त सोसायटी लाल मील के पीछे, गोमतीपुर, श्रहमदाबाद । (श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्बवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

वन्त्वी

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 251 पैकी माप 1540.61 वर्ग गज—89.67 वर्ग गज जो घोडासर, ग्रहमदाबाद में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी द्वारा, विधि रिजस्टर्ड बिक्री दस्तावेज नं० 7183 दिनांक 21-4-1980 में दिया गया है।

मांगी लाल सक्षमप्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, श्रहमदाबाद

तारीख: 17-12-1980।

मोहरः

प्रकप भाई० टी० एस० एस०---

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, ग्रहमदाबाव

म्रहमदाबाद, दिनोक 17 दिसम्बर 1980

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1285 ए०सी०क्यू० 23-I/ 80-81--- श्रतः मुझे, मांगी लाल

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जितका उचित बाजार मूख्य 25,000/ रुपये से ग्रधिक है

ग्रोर जिसकी सं० 281 पैकी है तथा जो घोडासर, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 21-4-1980

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य उसके वृष्यमान प्रतिफल का पर्वह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) घन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त मधि-नियम के भंभीन कर देने के जन्तरक के वायित 'में कमी करने या सससे बचने में सुविधा के सिए; (भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या धन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय घायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भीधिनियम वा धनकर प्रधि-्नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भता, भव, उक्त प्रविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन निम्निकित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्रीमति शारदावेन रत्तीलाल नवीवास, दानापीठ, ग्रहमदाबाद। (श्रन्तरक)
- यानन्द को० श्रो० हा० सो० लि० चेयरमैन ब्रापा श्री घनश्याम तुलंसीभाई पटेल C/o श्री ईश्वरसिंह जगतसिंह, न० 35, श्रनन्त सोसायटी, लाल मील के पीछे, गोमतीपुर, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए गैवाहियों करता है।

उन्त सम्मत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 दिन की भवधि जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दाया;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रम्य श्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरगः--- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का जो उक्त अधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-5 में परिभाषित है, वही धर्य होगा, जो उस सम्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 281 पैकी माप 770.33 वर्ग गज + 44.84 वर्ग गज जो धोडासर श्रहमवाबाद में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा विधि रिजस्टर्ड बिक्सी दस्तावेज न० 7184 दिनांक 21-4-1980 में दिया गया है।

मांगी लाल सक्षमप्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 ग्रहमदाबाट

तारीख : 17-12-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 मा 43) की धारा 269-म (1) के मुझीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेज, ग्रमृतसर ग्रमृतसर, दिनांक 24 नवम्बर 1980

निदेश सं० एएसग्रार०/80-81/244--ग्रतः म्झे, श्रानन्द सिंह भायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/-से मधिक है रुपए श्रीर जिसकी सं० एक प्रापर्टी है तथा जो श्रमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रस्ट्रिकर्ना अधिकारी के कार्यालय एस०आर० अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख श्रप्रल, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूरूप से कम के दृश्थमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्श्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक हैं घौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच

(क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिध-नित्रम, के श्रश्चीन कर देने के भ्रग्तर के वाधिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या

ऐसे अस्तरण के तिए तर पाया गया प्रतिफल निस्नलिखित उद्देश्य में उकत अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है।---

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या
धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
मुक्किश के लिए;

धतः प्रयः, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1)-के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्रो गिरधारी लाल पृत्र बिसाखी राम निवासी हाल बाजार, श्रमृतसर। (ग्रन्तरक)
- श्री प्रेम सिंह पुत्र दलपत सिंह श्रीर सेवा सिंह पुत्र प्रेम सिंह, एच० नं० 2310 वाग रामानन्द, ग्रमृतसर। (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि वि० सं० 2 स्रौर कोई किराएदार (वह व्यक्ति जिसके स्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. **श्रौर** कोई ।

(बह व्यक्ति जिसके बारे में स्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यत्ति के धर्जन के पम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेत्र:---

- (क) इन सूचना के राजनत्र में प्रकाशन की नारी का से 45 दिन की प्रविधि या तस्ते बंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील मे 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर तम्मित्त में हितबढ़ किसी प्रस्य क्यकित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्ताध्वी हरण: च-इतने प्रयुक्त शब्दों प्रीर तदों हा, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रष्ठराय 20 ह में परिभाषित हैं, बही प्रयं होगा, जो उन्न प्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक प्रापर्टी बाग रामानन्द, श्रमृतसर में जैसा सेल धोड नं० 9 दिनांक 1-4-1980 रजिस्ट्री ग्रधिकारी, श्रमृतसर में दर्ज हैं।

> ग्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त(निरीक्षण) भर्जन रेंज, ग्रमुलसर

नार्ोख: 24-11-1980 ..

प्रकप बाई• टी• एत• एस•--------

आयत्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अभूतसर

श्रम्तसर, दिनांक 27 नवम्बर 1980

निदेश सं० एएसम्रार०/80-81/245--म्रतः मुझे, आनन्द सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त बिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारग है कि स्थावर नन्नति. जिनका उचित बाजार मूख्य 25,00%/- द∙ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक प्रापर्टी है तथा जो स्रमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण हप में विणित हैं), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० ग्रार० ग्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक अप्रेल 80 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाज र मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्वह प्रतिशत से यिक है भीर धन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय प्राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबन, उन्त अधिनियम के अधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने वा छससे वचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आब या किसी धन या अव्य धास्तियों की, जिन्हें घारतीय आयकर घाष्टिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घाष्टिनयम, या धन-कर आधिनिधम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अर्व, उत्तर अधिनियम की बारा 26 किना के अनुभरच में, में, उत्तर अधिनियम की धारा 26 केच की उपचारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यवितमीं, खर्चावः—

- श्रीभागतलाल पुत्रमुकन्य लाल व रोशत लाल पुत्र नन्द लाल सक्जी मन्द्री अमृतसर (अन्तरक)
- 2. श्रीमिति गुर्मेज कौर पत्नी मान सिंह पुत्री राम बाग गेंट $1072/\Gamma$ हाल मकान न० 1331, 1285/409 सामने गुरुद्वारा टन्डन नगर, अमृतसर ।

(ग्रन्तरिती)

- श्री जसविन्द्र सिंह, बैजनाथ रिवन्द्र सिंह ग्रीर जसविन्द्र
- 4. और कोई

(वह क्यक्ति जिनके बारे मे श्रधोहरुगाक्षरी जानत है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह भूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियाँ करता हं ।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध व कोई भी आक्षेप :- ·

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की मनशिया तत्मम्बरनी अवस्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मनशिवाद में समाप्त होती हो, के भीमर पूर्वीनत व्यक्तियों में से किसी अवनित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजाल में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसवश
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, सक्षोहस्ताक्षरी के पास
 जिल्लिन में किए वासकेंगे।

स्यक्दोतरग -- इसर्गे प्रयुक्त शक्दौ और पर्गका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20- ह में परिभाषित हैं, बड़ी श्रयें होगा जो उस अध्याय में दिश गया है।

अमुसूची

प्रापर्टी नं० 1330/बार85/409 टन्डन नगर बटाला में जैसा कि सेल डीड नं० 423 दिनांक 10-4-1980 रजिस्ट्री प्रधिकारी अमृतसर, में दर्ज है।

> मानन्द सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक त्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज, ग्रम्ससर

तारीक : 27-11-1980

प्ररूप आई. टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक अंग्रिकर आगुक्त (निरक्षिण) भ्रजीन रेंज, भ्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 4 दिसम्बर 1980 निदेण सं० एएसिग्रारं/80-81/246—ग्रतः मुझे, ग्रानन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/ रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो भ्रमृतसर में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण क्य में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय भ्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख भ्रभैल, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिलाने धें स्विधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

- श्री ग्रमीरचन्द पुत्र चरन दास वासी नमक मन्डी कुला गन्दा-बस्त्र, श्रम्तसर (श्रन्तरक)
- श्री प्रशोक कुमार पुत्र सरदारी लाल द्वारा बैंक भ्राफ इंडिया गोल्डन टैम्पल यशंज, श्रमृतसर ।

(ग्रन्तरिती)

- जैसा कि सं० 2 और कोई किराएदार।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. श्रीर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

एक प्लाट 720वर्ग गजजेल रोडपर जैसा कि सैल डीड नं ० 55/र दिनांक 5-4-1980 रजिस्ट्री ग्रधिकारी ग्रम्ससर में दर्ज है।

> म्रानंव सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, अमृतसर

तारीख: 4-12-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

पायकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक प्रापर्टी है तथा जो श्रम्तसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एस श्रार०, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय एस श्रार०, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकाम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रमेल, 1980 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मृझ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिधक है और अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रम्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भ्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात:—— गुरप्रीत सिंह पुत्र अमर सिंह रानी का बाग रांड अमरजीत सिंह पुत्र अमर सिंह एथार/ओ एस-157 ग्रेटर कैलाभ-ा नई विल्ली (मुख्यार आम)

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री सुरजीत सिंह पुत्र किरपाल सिंह बाजार पातरी बाल श्रमृतसर (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 ग्रीर किरायेदार

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. श्रीर कोई।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्रर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सन्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविध या तरमम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पर्वों का, जो उक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कोठी नं० 9 खसरा नं० 523/3 श्रौर 548/2 खाता नं० 39 जमाधन्दी सन 1970-71 रानी का बाग है जैसा कि में सैलडोड नं०263/श्राई० दिनांक 23-4-1980 रजिस्ट्री श्रधि-कारी श्रमृतसर में दर्ज है (1/3 हिस्सा खाना 278 वर्ग मीटर)।

> ग्रानन्द सिंह सक्षम ग्रधिकारी

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 4-12-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमतसर

श्रमृतसर दिनांक 4 दिसम्बर 1980

निवेश सं० एए सभार०/80-81/248—श्रतः मुझे, श्रानन्द सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं एक प्रापर्टी है तथा जो स्रमृतसर में स्थित है (स्रोर इस उपाबद्ध सनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप में विणित है), रिजरट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय ऐसं क्यानि हम्हरू में कि इंदि क्या प्रिष्ट हमें कि स्राधियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख स्रप्रेल, 80 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिख्त, व्यक्तियों, अर्थात्:-- 8—416GI/80

 श्री ग्रमरप्रीत सिंह पुत्र ग्रमरसिंह वासी रानी का बाग ग्रम्तसर

(ग्रन्तरक)

- श्री श्रवनाश सिंह पुत्र सुरजीत सिंह वासी शाप नं० 2390/6 बाजार पापरां श्रमृतसर (श्रन्तरिसी)
- 3. जैसा कि मं० 2 श्रोर किराऐदार

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में

4. श्रौर कोई

(बह ड्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति हिसबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूस्ची

एक कोठी नं० 9, खसरा नं० 523/I व 58/I व खाता नं० 395 (1/3 हिस्सा रकबा 278 वर्ग गज) रानी का बाग में जैसा कि सेल डीड नं० 265 दिनांक 28-4-1980 रिजस्ट्री श्रिधकारी श्रमृतसर में रिजस्टर्ड है।

श्रानन्द सिंह् सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख 4-12-1980 । मोहर∵ू प्ररूप भाई । टी । एन । एस •-----

आयकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा, 269-घ (1) के भवीन भूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

> > श्रमृतसर दिनांक 4 दिसम्बर 1980

निर्वेश मं० एएसग्रार/80-81/249--ग्रतः, मुझे, ग्रानन्द सिंह भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/- र॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० एक प्लाट है तथा जो में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० ग्रदासपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रश्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के बृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त धन्तरण, सिखत में अस्तरित के बार्स नहीं खिया गया है :--

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के अधीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में मुविधा के जिए भीर/धा
- (ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी घन या प्रन्य प्रास्तिकों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधितियम, या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिशा के लिए;

अतः ग्रन, जनत ग्रहिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, खनत ग्रिधिनियम की धारा 269-ण की खपशारा (1) के अधीन निम्मलिखित स्पन्तियों, अर्थात्:——

- श्रो मुनी लाल पुत्र गयान चन्द्र निवासी मेन वाजार गुरवासपुर। (प्रन्तरक)
- श्रोमती यशरानी पत्नी मतपाल पुत्र ज्ञान चन्द, वामी गुरदासपुर।

(भ्रन्तरिती)

- 3. श्री सोन्धी राम किराऐदार। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- अौंर कोई ।

 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रघोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है) ।

को यद सूचना जारीकरकेपूर्वीक्त सम्पत्ति के भर्तन के लिए कार्येबाहियां करता हं।

वक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन को अवधि पा तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (आ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीआ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाकीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जो उक्त भिन्न नियन, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उप प्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसुची

एक प्लाट 1067 वर्ग गज द्रोमो रोड गुरदासपुर में जैसा कि सेलडोड नं० 2461 दिनांक 11-4-1980 रजिस्ट्री अधिकारी ग्रदासपुर में दर्ज है ।

य्रानन्द सिह्
गक्षम प्राधिकारी
महायक ग्रायकर ग्रायुवत (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज, श्रमुतसर

नारीख: 4-12-1980।

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

अध्यक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

निदेश सं० एएसग्रार,/80-81/250--ग्रनः मुझे, ग्रानन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० एक प्रापर्टी है तथा जो गुरदासपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, एसस्रार० गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक श्रप्रैल, 1981

का प्रांदित संपंति के उचिन दारार मन्य स अम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि, यथाप्य किन सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिक्क का निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों अनी, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- मैसर्स गुरदासपुर रोलर प्रलोर मिल्ज राही कमलेश कुमार आदि निवासी गुरदासपुर (श्रम्तरक)
- 2. मैसर्ज राम प्रकाश शिव कुमार जी० टी० रोड मंडी, गुरदासपुर (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 ग्रौर कोई किराऐदार।

(बह व्यक्ति जिसके स्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. मैनेजर फूड कारपोरेशन श्राफ इंडिया गुरदासपुर श्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है

कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयानत शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

एक प्रापर्टी गीडाऊन से संबंधित जो कि मंडी गुरदाससुर में जैसा कि सेलडीड नं० 402 दिनांक 21-1-1980 रजिस्ट्री श्रिध-कारी, गुरदासपुर में दर्ज हैं।

> श्रानन्य सिंह सक्षम श्रीधकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख 4-12-1980 मोहर: प्ररूप आर्द. टी. एन. एस. --------

अध्यक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० एएसश्रार०/80-81/251--अतः, मुझे, श्रानन्द सिंह आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एए बात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम शिषकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- वपये से अधिक है और जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो · · · · · में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण क्य से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एस० श्रार० श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रैल, 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रम्तरित की वर्ष है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पनद्रह् प्रतिशत मिश्रक है और मन्तरक (मन्तरकों) और सम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरक सिखित में बास्तिविक रूप से किया नहीं किया गया है।——

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य ध्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयंकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या घनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया यया वा या किया जाना चाहिए वा, क्रियाने में सुविधा के सिए;

जतः, अव, उपत अधिनियम की धारा 269 के अनुसरण में, में, उपत अधिनियम की धारा 269 क की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित उपनितयों, अर्थातः—

- श्री खुशी राम पृत्र जैय चन्द, निरन्द्र कुमार भौर शुशील कुमार पुत्र श्री खुशी राम, वासी 14 जेल रोड भ्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- श्री रवी कुमार पुत्र चूनी लाल, कटरा दुली, ग्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 श्रीर कोई किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिमोग में सम्पत्ति है)
- 4. ग्रीर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उबत सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

eपडटोकरण:--इमर्मे प्रयुक्त शक्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित ह, यही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट जमीन खसरा नं० 98, 202 वर्ग मीटर जेल रोड पर अमृतसर म है जैसा कि सेल डीड नं० 95/I दिनांक 7-4-80 रजिस्ट्री ग्रिधकारी, ग्रमृतसर में दर्ज है ।

> श्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, ग्रमृतसर

नारीख: 4-12-1980

मोहर !

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के बधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेंज, ग्रम्नसर

ग्रमृतसर, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० ए०,सम्राप्तः/80-81/252—-ग्रतः मुझे, श्रानन्द सिंह

प्रायं कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उका पश्चितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रजोग मजान पाछि कारी की, यह निष्नाम करने का कारण है कि स्थानर सम्मति जिन्नहा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० म अधिक है

श्रौर जिनकी सं० एक प्लाट है तथा जो अमृतसर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अन्मूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ए०एस० आर० श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन श्रप्रैल 1980।

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत प्रधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-कन, निम्नतिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप ने कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में तुई किसी आप की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन हर देने के प्रनारक के दायित्व में कमी करने आ उसमें बचने में मुविधा के लिए; और/आ
- (ब) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयहर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उकत ग्रधितियम, या धनकर प्रधितियम, या धनकर प्रधितियम, या धनकर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

यता प्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातु:— श्रीमति जान कौर विधवा श्री जगजीस सिंह गांधी नगर जम्मू ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री बलबीर सिंह द्वारा मैंसर्स मेवा सिंह श्रीर सन्ज लारेंस रोड अमृत्तर श्रीर अमरजीत सिंह पुत्र सेवा सिंह कटराई माई सिंह अमृतनर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 श्रीर कोई किराऐदार।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

4 ग्रीर कोई ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरजानता है कि वह सम्पत्ति में हितब**ड**है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **अर्थन के लिए** कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की श्रविध या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त णब्दों ग्रीर पर्वो का, जो उक्त ग्रिश्वनियम के श्रक्त्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रथं होगा, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

अमुसूची

एक प्लाट नं० 44 शास्त्री नगर 1-पिनं० 62 से जैसा कि सेल डीड नं 47/ब्राई 314/80 रजिस्ट्री अधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है

> , ग्रानन्द सिंह सक्षम प्रधिकार सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 4-12-80

प्रकृप आई • टी ॰ एन • एस •----

प्रायकर धांत्रनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269व (1) के धंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, श्रम्तसर

श्रम्तसर, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० एएसग्रार/80-81/253--श्रतः मुझे, ग्रानन्द सिंह

प्रायकर धिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधितियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो श्रम्तसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० श्रमृतसर में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख अप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित को गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रृश्यमान प्रतिफल के पन्बह प्रतिशत से ग्रधिक है भौर अन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या श्रमकर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भव, उनत प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, में, उनत प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात् '--- श्री दरमन कुमार पुत्र त्याग लाल 166 मास्त्री नगर नारेंस रोड श्रन्तसर ।

(श्रन्तरक)

- श्री ग्रवण्नी कुमार पुत्र सरदारी लाल शकुन्तला देवी पित्न सरदारी लाल एच नं० बी 1 गोपाल ग्रनगर श्रमृतसर। (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 श्रीर कोई किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पक्ति है)।
- 4. ग्रीर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वे सम्पत्ति में हिसबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधि या तस्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर रक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास निजित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोक्तरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस ब्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

एक प्लाट जमीन 420 वर्ग गज, जेल रोड पर जैसा कि सेल डोड नं० 58/स्राई दिनांक 5-4-1980 रजिस्ट्री स्रधिकारी स्रमृतसर में दर्ज है।

> द्यानन्द सिंह सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 4-12-1980।

प्राक्ष साई । टी । एत । एस । -----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की घारा 269-च (1) के घंघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजिन रेंज, प्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 29 नवम्बर 1980

निर्वेश सं० एएमश्रार०/80-81/254--श्रतः, मुझे, श्रानन्द सिंह

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/-रु• से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एस० भार० भ्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक श्रभेल, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और धन्तरक (मन्तरकों) बीर भन्तरिती (प्रस्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरक (मन्तरकों) बीर भन्तरिती (प्रस्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भ्रधितियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भ्रिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, बक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की छपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्रो करतार सिंह पुत्र हरक्रम सिंह चावल मन्डी ग्रमृतसर । अमृतसर । (श्रम्तरन)
- श्री कुलबन्त राम पृत्र ग्रमोलक राम, वामी भिक्खीविंड (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि नं ० 2, और कोई किराण्यार ।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)।
- 4. श्रीर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की पवधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी शम्य स्थित द्वारा, श्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण - इसमें प्रमुक्त अब्बों भीर पर्वो का, जी छक्त अभिनियम के ग्रज्याय 20क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

्लाट नं० 307, शिवाला रोड पर जैसा कि मेल डीड नं० 99/1. दिनांक 8-4-1980 रजिस्ट्री श्रधिकारी, ध्रमृतसर में दर्ज है।

श्चानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुवन (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज 3- चन्द्रपुरी टेलर रोड अमृतसर,

तारीख: 29-11-1980

मोहरः

प्रकृप माई•टी•एन•एस•--

आयकर बिधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धार 269-म (1) के प्रधीन नुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रोंज, प्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निदेश सं० एएसम्रार/80-81/255---- ग्रतः मुझे, श्रानन्द सिंह **शायकर ग्रीव्यनम, 1961 (1961 का 43**) (जिसे

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से मिनिक है

स्रौर जिसकी सं० एक मकान है तथा जो श्रमृतसर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्याक्षय एस० श्रार० श्रमृतसर में रजिस्ट्रीवरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स्रिक्षक है भीर प्रस्तरक (अस्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण निजित में बास्तविक रूप से कथिल नहीं किया गया है := ~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या सससे वचने में सुविधा के निए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

सत्। अब, उन्त प्रविनियम की धारा 269-ग के **प्रमुसर**ण में, में, उन्त प्रविनियम की घारा 269-च की उपचारा (1) के अधीन, निश्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्री राजनाथ किशन मोहन, जानकी नाथ, जोगिन्द्र नाथ कमल किशोर और जगवीश चन्द पुतान कन्हैया लाल बासी कूचा सीता राम कटरा श्राल्वालिया श्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमित सरोज कोच्छर पहिन विजय कुमार, वर्षा कोच्छर पहिन निवेद कुमार व पुष्पा कोच्छर पहिन बिमल कुमार वामी मकान नं ० 1014/II थीर 1077 और 1869/II कटरा श्राल्वालिया कूचा सीताराम श्रमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 श्रीर कोई किरायेवार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।

4. श्रौरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में फ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनन सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकानन की तारीख है 45 दिन की मनिष्ठ या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीखा है।
 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिंतबदा किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रष्टोहस्ताक्षरी के पास निखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'छक्त पश्चिनियम के प्रध्याय 20-क में परिचाधित है, बही वर्ष होगा को उस वश्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकाम नं० 1014/II व 1077 और 186/II-24 कटरा म्रालूबालिया भ्रमृतसर में जैसा भेल डीखनं० 108/1 दिनांक 8-4-1980 को रजिस्ट्री म्रधिकारी भ्रमृतसर में धर्ज है।

> श्रानन्द सिंह् सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजेन रेंज, श्रमृतसर

तारीख 8-12-1980। मोहर:

प्ररूप ग्राई० टी० एन• एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निदेण सं० भ्रम्तसर/80-81/256--यतः मुझे, श्रानन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उच्चित बाजार प्रत्य 25,000/- रा. सं अधिक हैं

भौर जिसकी सं० दुकानें है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से अणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस श्रार अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अप्रैल, 80

की पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्त को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की आबत उक्स अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या एकत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया दा या किया जाना चाहिए था, छिएले के स्थित के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में में, अक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (।) के सधीर निम्निसित व्यक्तियों अधित् :—
9-416GI/80

(1) भाई सारा चन्व सराफ ट्रस्ट नई दिल्ली श्री सवीन्द्र सिंह एण्ड राम सिंह ट्रस्टीज बाजार चावल मन्डी, श्रमृतसर।

(श्रन्तरक)ू

(2) श्री रधुनाथ दास सेठी पुत्र लाल चन्द सेठी मजीठ मंडी बाजार श्रमृतसर ।

(श्रन्तरिती)

(3) मैं० शाम सुन्दर रिजन्द्र कुमार, मैं० शाम सुन्द्र श्रीर कं०, मैं० श्रयुध्या नाथ, मुरिन्द्र नाथ, प्रेम श्राश्रम स्कूल ।

> (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) श्रौरकोई।

(त्रह व्यक्ति, जिनके बारे में आधी-हस्लाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह मूचना जारी करके पूर्वांका सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

TIT गापित्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हैं।
- (का) इस सुकान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 - क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ^

धन सूची

तीन दुकानें नं० 2608 से 2610/6 मजीठ मंत्री श्रमृतसर में जैसा कि सेल डोड नं० 228/1 दिनांक 22/4/80 रजिस्ट्री ऋधि-कारी अमृतसर में दर्ज हैं।

> म्रानन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारो, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रोंज, श्रमृतसर

विनांक : 8-12**-1**980.

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरीज, ग्रम्तसर

अमुसमर, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निवेश मं० श्रमृतसर/80-81/263--यतः मुझे, न्नानन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो कि कपूर नगर, धरवन मुलतान विंड रोड, अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, तारीख 23 श्रम्ल, 1980

को पूर्वोक्त संपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों कों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने भें सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण मं, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती सतवन्त कौर पृत्नी महाजन सिंह द्वारा जनरल श्रटारनी स० श्रन्प सिंह युव करतार सिंह निवासी मकान नं० 4546, श्रखाड़ा कल्लू, श्रमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० एल० टक्यार पुत्र गनपत राय निवासी मकान नं० 4769 सुलतान विंड रोड, ग्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में यदि और कोई किरायेदार हो तो।

> (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) यदि श्रीर कोई व्यक्ति इस जायवाद में रुचि रखता हो तो।

> (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रघी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट खसरा नं० 534-35 प्लाट नं० 8-9-10 मिन जो कि कपूर नगर श्ररवन सुल्तान विड रोड़ श्रम्तशर में स्थित है जैसा कि मेल डीड नं० 244/1 विनांक 23-4-80 ग्राफ रजिस्ट्रींग ग्रथारटी श्रमृतसर के कायलिय में दर्ज हैं।

> श्रानन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, 3~चन्द्रपुरी,टेलर रोड, श्रम्तसर

नारी**ख**: 15—12—1980.

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

प्रायक्तर ब्राव्वनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ब्राचीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेण सं० श्रमृतसर/80-81/2164---यतः मुझे, श्रानन्द

सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके परवात 'उनत अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्ये से अधिक है
और जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो अमृतसर में स्थित है

(भ्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है); राजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय एस आर अमृतसर में राजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रक्षोन, तारोख अप्रैल 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल है और दृष्यमान प्रतिफल है और उग्तरिक (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन उद्देश्य ने उका अन्तरण तिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) घ्रग्तरण से हुई किसी घ्राय की बाबत उबत ग्रधि-नियम के अधीन कर देने के घ्रग्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधि। तथम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरणीं में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,अर्थात्:— (1) श्री यशविन्द्र सिंह पुत्र जोगिन्द्र सिंह वासी चौक लछमन सिंह धमृतसर राही मोहिन्द्र सिंह पुत्र घसीटा सिंह निजामपुरा तसील श्रमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्रो बोध राज पुत्र मेला राम ग्रांर मेला राम पुत्र लक्ष्मन दास श्रौर मोहन लाल पुत्र जीवन लाल, गनपत राम पुत्र हरजी राम पुत्र लघु राम वासी गेट महा सिंह, तरन तारन रोड़, श्रमुतसर।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं ० 2 श्रीर कोई किराऐदार।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

(4) ग्रीरकाई।

(वह व्यक्ति, ज़िनके बार मे श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितब**ढ़** है)।

को य**ह पुच**ना जारी करके पूर्वोक्त गम्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

खक्त सम्पत्ति के ग्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स०30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त अध्यों प्रीर पदों का, जो उनत श्रधि-नित्रम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जा उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट खसरा नं० 1118-1119 (335.50 वर्ग० मीटर) बहादर नगर, मुलतान सिंह रोड अमृतसर, तरन तारन रोड जैसा कि सेल डीड नं० 256/I दिनांक 23-4-80 रजिस्ट्री अधि- कारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 3-चन्व्रपुरी,टेलर रोड, अमृतसर।

तारीख: 15-12-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकारं

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश सं० श्रम्तसर/80-81/265:---यत मुझे, श्रानन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 35 कनाल 16 मरले है खाता/खतौनी नं० 8/17, 18, 19 है तथा जो कि गाव कोटली सुर सिंह में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय पट्टी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24 श्रप्रैल, 1980

कां पूर्वा क्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे ब्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शुक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातु:--

- (1) श्रीमती प्रवतार कौर विधवा श्रमर सिंह गांव व डाक-खाना सुर सिंह, तहसील पट्टी, श्रमृतसर।
- (2) श्री धनूप सिंह हरबचन सिंह पुनान देणा सिंह निवासी सुर सिंह, तहसील पट्टी।

(श्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में यदि कोई किरायेदार हो तो।. (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिमोग में सम्पत्ति हैं)।
- (4) यदि ग्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शुट्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में पृरिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 71 कनाल 12 मरला का 1/2 भाग 35 कनाल 16 मरले (नहरी) खाता/खतौली नं० 8/17, 18, 19 जो कि गांव कोटलो सुर सिंह, तहसोल पट्टी में स्थित हैं जैसा कि सेल डीड नं० 941/24-4-80 श्राफ रिजिस्ट्रींग श्रथारटी पट्टी के कार्यालय में वर्ज हैं।

श्रानन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, 3-चन्द्रपुरी, टेलर रोड, ग्रमृतसर।

तारोख: 15 दिसम्बर 1980

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, अमृतसर

श्रम्तसर, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ग्रमृतसर/80-81/266---यतः मुझे, ग्रानन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० मकान नं० 486, 486/1, जिसका क्षेत्रफल 800 वर्ग गज है तथा जो कि ग्रीन एवेस्यू, ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण का में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ण श्रिधिकारों के कार्यालय श्रमृतसर में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 अप्रैंग, 1980 को पूर्वा क्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फल निम्नितियों विद्वारेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक ह्या से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिश्वित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) चयर मैन, इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट, ध्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जय गोपाल खन्ना पुत्र राम रखा मल खन्ना श्री निरन्द्र कुमार खन्ना पुत्र श्री जय गोपाल खन्ना, ग्रीन एवेन्यु, श्रमृतमर ।

(अन्तरिता)

- (3) जैंगा कि उपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिस्तेः श्रिथिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) यदि ग्रीर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके वारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)।

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (फ) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की नाभील से 30 दिन की अवधि, जांभी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 13 िश के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहां अधीहोगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुस्ची

महान नं० 486, 486/1 जिसका क्षेत्रफल 800 वर्ग गज हैं जो कि ग्रीन एवेल्यु, अमृतसर में स्थित है जैपा कि मेल डीड नं० 96/1 दिनांक 8-4-80 ग्राफ रिक्ट्रींग अथारटी श्रमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

भागन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 3-चन्द्र पुरी, टेलर रोड़, अमृनसर ।

तारीख: 15-12-1980.

भोक्षर:

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ग्रमृतनर/80-81/267---यतः मुझे, श्रानन्द सिंह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कोठी नं० 361-ए, है तथा जो ग्रीन एकेच्यू अमृतरार में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण एप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रोकर्ना अधिकारी के कार्यालय, श्रमृतमर सिटी में रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अर्जेल, 1980

को पूर्वोक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रितफल से, एसे दृश्यमान प्रितफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत म्यक्तियों अर्थातुः-- श्रो राधेश्याम पुत्र श्री गोपाल दास, वासी 361-ए, ग्रीन एवेन्यु, श्रम् ससर।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्रो मुखा सिंह पुत्र हरनाम सिंह, वासी, ग्रमृतसर। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि उपर नं० 2 और किराएवार यदि कोई हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)।
- (4) ग्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधो-हस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपु :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 361-ए, 325 वर्ग मीटर, ग्रीन एवेन्यू ग्रमृतसर में स्थित है जैमा कि रिजन्द्रोकर्ता ग्रिधकारी के सेल डीड नं० 165/I दिनांक 17-4-80 में दर्ज है ।

> भ्रानन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, 3-चन्द्र पुरी, टेलर रोड़, श्रमृक्षसर ।

नारीख: 15-12-1980.

प्रकृष भाई • टी ० एत • एस • -------

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 15 दिसम्बर, 1980

निदेण सं० श्रमृतसर/80-81/268:---यतः मुझे, स्रानन्द सिष्ठ,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया हैं), श्री धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्याम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मिस जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- क∘ में श्रधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० एक प्लाट, खमरा नं० 327 मिन कपूर है तथा जो कैमल, इस्लामा बाद श्रमृतसर, में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निक्तिलियों उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या कियो बन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-तन्य अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना बाहिए या जिल्पाने में सुविधा के लिए;

भतः, भन, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की उपधारा (1) अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों श्रयीत् :---- (1) भी इंस राज पुत्र थी अध्यु नाथ, कप्र, वामी का। ह सर्कम, नं ० ६४-एच, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमित रोटा कपूर पुत्र श्री श्रनूप कपूर, वासी इसलमा-वाद, फाटक नं० 22, श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि सं० नं० 2 श्रीर किराएदार यदि कोई हो (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग सम्पत्ति है)।
- (4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबढ़ है)।

की यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आसेप :-

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति शरा;
- (ख) इस सूचना ते राजपत्र में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अश्रोहक्ताक्षरी के पास निकान में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों भीर पर्वो का, जो जनत श्रिधितयम में भध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

पनुसूची

खसरा नं० 327, कपूर कैंपल, इस्लामा बाद, ग्रमृतसर में स्थित एक 300 वर्ग मोटर प्लाट जैंसा कि रिजल्ड्रीकर्ता प्रधिकारी के क्षेत्र डोड नं० 180/I दिलांक 17-4-80 में वर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, श्रमृतसर

नारीख: 15-12-80

मोहरः

State this wife is to Telo-

आयक्तर मोर्जिक्स, २००० (६०**६)** का ५३) की छात 26**9 घ(1) के मधी**न सू

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश सं० श्रमृतसऱ्/80-81/269:--यतः मुझे, श्रानन्द सिंह,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उकन अधिकिश्व' कहा गया है), की धारा 269-त्र के अधीन सक्षात्र प्राधिकारी को ए विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका डियान बाजार पत्तर 25,000/- घ० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 3, खसरा नं० 1118~1119 मिन जिसका क्षेत्रफल 333.50 वर्ग मीटर है तथा जो कि गुरु तेग बहादुर, सुलतान विड अखन, श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5 श्रप्रैल, 1980 पूर्विक्त सम्पत्ति के जित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रम्तरित की गई है और मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचिन बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान श्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (श्रम्तरकों) और श्रम्तरिती (श्रम्तरितियंः) के बीव ऐसे अंतरण के लिए 14 पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त श्रन्तरण निखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत खबत अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय शायकर ग्रीविनियम, 1922 (1922 का 11 या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनिवय 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती करा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की जनधारा (1) के जनीन, निम्निक्षिय कावित्रकों, असीत :---

(1) श्रीमती जीप जीर पटनी पसीटा सिंह निवासी जिजास पुरा नहसील और जिला अमृतसर।

(श्रन्तरक)

(2) श्री गुरदेव सिंह पुत्र सरदूल सिंह गुरदेव नगर, तरन तारन रोड़, श्रमृतसर।

(भन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में श्रीर कोई किरायेदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो तो।

> (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

भी यह मुक्ता जारी करक प्योति सभाति के अर्थन के विस्कार्यवाहियां करता है।

अन सम्पत्ति के अर्थन के सम्बद्ध में हाई भी अर्थिप :→ ०

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नार्था से 30 दिन की प्रवीच, का की मर्याध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वविक का केतयों में से कि हो ज्यसिंह दारा;
- (अ) अस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबह
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधीहस्ताकरी के पास लिखिल
 में किए आ अकेरी।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
_ जमत अधिनियम के अध्याम 20-क में
परिभाषित है, वही अधं होगा, जो इस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट नं० 3 खसरा नं० 418-1119 मिन जिसका क्षेत्र-फल 333.50 वर्ग गमीटर है जो कि गुरु तेग बहादुर नगर, मुलतान विड अखन अमृतसर में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 52/1 दिनांक 5-4-80 ग्राफ रिजस्ट्रींग अथारटी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

ग्रानन्द सिंह, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (क्रिक्टिक् श्रर्जन रेंज, 3⊸चन्द्रपुरि. टेल्ररो

नारीख : 15**-12-198**0.

पोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्राय्वत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रम्तसर

श्रमृतसर, दिनांक 15-12-1980

निदेश सं० ग्रम्तसर/80-81/270:--यनः मृक्षे, श्रानन्द

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारग है कि स्थात्रर सम्पत्ति, जिपका उतित बाबार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

भ्रौर जिसकी मं० भूमि 35 कनाल 16 मरले (नहरी) खाता खतौनी नं० 8/17, 18 ए है तथा जो कि कोटली सुर सिंह तहसील पट्टी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में । वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पट्टी में रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख 24 भ्रप्रैल, 1980

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिशत सं ग्रधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐपे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन निम्ननिश्वित उद्देश में उक्त ग्रन्तरण निश्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) श्रन्तरण में हुई किसी प्राय में। बात्रन, उक्त श्रीध-नियम के प्रधीन कर दंग के ब्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भ्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन पा ग्रन्य पास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्र**धिनिय**म, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-ग के अनुसरण में, में, जनत अधिनियम की धारा १६०-ध की उपधारा (1) क्षे अभीन . निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात :---10-416GI/80

- (1) श्रीमती ग्रवतार कौर विधवा ग्रमर सिंह निवासी सुर सिंह, डाकखाना सुर सिंह तहसील पट्टी जिला, अमृतसर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री बूटा सिंह, मलुक सिंह निधासी सुर सिंह तहसील पट्टी, जिला श्रम्तसर ।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में यदि श्रीर कोई किरायेदार हो तो।

> (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) यदि ग्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में स्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की ग्रवधिया तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हिलबढ़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास विविधात में किये जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदौं का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थं होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

भूमि 71 कनाल 12 मरला का 1/2 भाग 35 कनाल 16 मरला (नहरी) खाता/खतौनी सुर सिंह में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 442 दिनांक 24-4-80 म्राफ रजिस्ट्रींग म्रथारटी पट्टी के कार्यालय में दर्ज है।

> भ्रानन्द सिंह, सक्षम प्रधिकारी, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण), ग्रर्जन रज, 3-चन्द्र पुरी, टेलर रोड़ घमृतसर

तारीखा: 15-12-1980.

मोहरः

प्ररूप आई० टो० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के स्रधीन सूचना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ब्रम्तसर

श्रमृतसर, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेण सं० श्रमृतसर/80-81/271:--यतः मुझे, श्रानन्द सिंह,

बायकर ध्रिधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्वात् 'उक्त प्रधितिनम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपए ने ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 12 खसरा नं० 1119 जो कि मिन क्षेत्रफल 337.50 वर्ग मीटर है तथा जो कि गुरु तेग बहादुर, नगर सुलतान बिंड श्रखन, अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5 श्रप्रैल, 1980

का 16) क प्रधान, ताराख 5 अप्रल, 1980
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुसे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पम्नक् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) धग्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के आधीन कर देने के धम्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रंधिनियम, या धन-कर ग्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, एक्स अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत:— (1) श्री महिन्द्र सिंह पुत्र घसीटा सिंह, निवासी निजामपुरा तहसील ग्रीर जिला श्रम्तसर।

(भ्रन्तरक)

(2) कर्म सिंह पुत्र मला सिंह, गुरवेव नगर, ध्रमृतसर धौर तजिन्द्र सिंह, दिवन्द्र सिंह, बारखाना नवाजार, सुलतान विंड रोड़, ध्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर मं० 2 में ग्रौर कोई किरायेदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभीग में सम्पत्ति है)।
- (4) यदि श्रीर कोई व्यिक्ति इस जायदाद में रुचि पखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख, से 45 दिन की ग्रप्रधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविष, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी भ्रम्य व्यक्ति हारा, अधीहस्ताकरी के पास जिखात में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्वों और पवों का, जो उनत धिधनियम, के घड़पाय 20-क में परिकाधित हैं, बही अर्थ होगा जी उस धड़गाय में विया गया है।

अमुसूची

प्लाट नं० 12, खसरा नं० 1119 मिन क्षेत्रफल 337.50 वर्ग मी० है जो कि गुरु नेग बहादुर नगर, मुलतान विंड भ्रखान, अमृतसर में स्थित है, जैसा कि रिजस्ट्रई डीङ नं० 51/1 दिनांक 5-4-80 आफ रिजस्ट्रींग भ्रथारटी श्रमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

ग्रानन्द सिंह, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 3-चन्द्र पुरी, टेलर रोड़, श्रमृतसर ।

तारीख: 15-12-1980.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ग्रमृतसर/80-81/272:—यतः मुझे, ग्रानन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० एक प्लाट नं० 9, खमरा नं० 1118-1119 मिन, तरन तारन रोड़, गुरु तेग बहापुरदु नगर है तथा जो श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर सिटी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एमी लिसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविस्त के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ्न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थाह्य:-- (1) श्री महिन्द्र सिंह पुत्र श्री घसीटा सिंह, बासी निजामपुरा, तहसील श्रौर जिला श्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्रीमति अनवंत कौर पत्नि भ्रवतार सिंह, वासी दीपक गली नं० 5, कोट बाबादीप सिंह, भ्रमृतसर । (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि स० नं० 2 श्रौरिकिराएदार यदि कोई हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) ग्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में <mark>श्रधो</mark> -हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की लारील से 45 दिन को अविधि या ल्ल्मम्बर्धी व्यवित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-पद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवणें का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनगुची

प्लाट नं० 2, खसरा नं० 1118-1119 गुरु तेग बहापुर नगर, तरन तारन रोड़, श्रमृतसर में स्थित एक प्लाट जैसा कि रिजिस्ट्री कर्ता ग्रिक्षिकारी के मेल डीड नं० 169/1, दिनांक 17-4-1980 में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह, सक्षम ग्रिधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 3–चन्द्र पुरी, टेलर रोड़, श्रमृतसर ।

तारीख: 15-12-1980

प्रकप आई• टी• एत• एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 भ (1) के धारीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 15-12-1980

निदेण सं० श्रमृतसर/80-81/273:—यतः मुझे, श्रानन्द सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है श्रोर जिसकी सं० प्लाट रक्बा 500 वर्ग गज है तथा जो सुलतान विण्ड रोड़, श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के प्रधीन, तारीख प्रप्रैल, 1980
की पूर्वोक्त सक्पित के छिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्गमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिषत बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्म प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (भन्तरको) और प्रन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बन्ता उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धनया अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर पिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः, मन, उका प्रधितियम की भारा 269-ग के प्रतृ-सरण में, में, उका प्रधितियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीत निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत :---

- (1) श्री गंगा सिंह पुत श्री देवी वित्ता ग्रीर खरैती लाल पुत्न श्री हरी राम श्रीर विजय कुमार पुत्न बलवेव राज। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सुरेश कुमार पुत्न सतीश कुमार

(भ्रन्तरिती)

- (3) स० नं० 2 श्रौर किराएदा यदि कोई हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) भौरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो-हस्नाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घास्रेप !--

- (क) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की सबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की सबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबदा किसी अन्य स्थक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधि-नियम के सब्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

खसरा नं० 928/965, सुलतान विष्ड रोड़, ग्रमृतसर में स्थित एक 500 वर्ग गज प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के सेल डीड नं० 207 दिनांक 7-4-80 में दर्ज है।

श्रानन्त सिंह, सिंक्षम श्रीधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 3-चन्द्र पुरी, टेलर रोड़, श्रमृतसर ।

तारीख: 15-12-1980.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनाक 15 सिम्बर 1980

निदेश सं श्रमृतसर/80-81/275:—यतः मुझे, श्रानन्द सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं ल्यासरा नं ० 656 मिन है तथा जो कि स्कीम नं ० 62, शास्त्री नगर, अमृतसर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबड अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्य रूप स्रमृतसर सिटी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख स्रप्रैल, 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हो । के प्रथान का स्वारत का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स अभ्यक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीत एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उन्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (स) एंगी जिस्ती आग मा जिस्तो धन या अन्य जाणितयाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम, की धारा 269-ग के अनमरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) सर्वश्री जोगिन्द्र पाल, जनक राज, प्रेम प्रकाण, रमन कुमार, हरीण कुमार पुत्रान श्री द्वारका दास, धासी 118, रेस कोर्स रोड़, ग्रमृतसर।

(म्रन्तरक)

(2) श्री फकीर चन्द पुत्र श्री हंस राज, वासी चबाल तसील तरन तारन।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि सब्नंब 2 श्रौर रिकराएदार यदि कोई हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) श्रौरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कां यह गुनना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकारिकों करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आअंप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील रां 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुभान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य ब्यक्ति एवारा अथाहरताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरी।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 - क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया हैं।

वन्स्ची

314 वर्ग गज प्लाट, खसरा नं० 656 मिन स्कीम नं० 2, गास्त्री नगर में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी के सेल डीड तं० 286/1 दिनांक 25-4-80 में दर्ज है

> म्रानन्द सिह, सक्षम म्रधिकारी, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 3—भन्द्र पुरी, टेलर रोड़, ग्रम्तसर ।

तारीख: 15-12-80

प्रस्प भाई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतस र

श्रमृतसर, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश सं० श्रमृतसर/80-81/276:—यतः मुझे, ग्रानन्द सिंह.

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सभाग प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

ग्नौर जिसकी सं० खसरा नं० 656, स्कीम नं० 62 गास्त्रीं नगर, ग्रमृतसर में स्थित है (ग्नौर इससे उपाधद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रमृतसर सिटी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रग्नैल, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अविश्व बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफत निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कश्यत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भव, उक्त श्रष्टिनियम, की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रष्टिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थातु:--- (1) सर्वेश्री जोगिन्द्र पाल, जनक राज, प्रेम प्रकाश, रमन कुमार, हरीश कुमार पुत्रान श्री ब्रारका दास, वासी 118-रेस कोसे रोड़, श्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जीत सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह, वासी सरवर पुरा, सुवतान विण्ड, श्रमृतसर।

(श्रन्तरिती)

(3) जैसा कि स० न० 2 श्रौर किराएदार यदि कोई हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रौरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ब्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि ह सम्पत्ति में हितबङ्ग है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ध्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो छक्त भन्नि-नियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, बही भवं होगा जो उस भन्नाय में दिया गया है।

अनुसूची

स्कीम नं० 62, खसरा नं० 366, णास्त्री नगर श्रमृतसर में स्थित एक 366वर्ग मीटर प्लाट जैसाकि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सेल डीड नं० 285/1 दिनांक 25-4-80 में दर्ज हैं।

> श्रानन्द सिंह, सक्षम श्रक्षिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 3—चन्द्र पुरी, टेलर रोड़, ग्रमृतसर

तारीख : 15-12-80.

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश सं० श्रमृतसर/80-81/274:——यतः मुझे, श्रानन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० खसरा नं० 675, स्कीम नं० 62 है तथा जो शास्त्री नगर, श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय अमृतसर सिटी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रीत्रैल 1980

को पूर्वाक्त संपरित के उषित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभ्तें यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित वाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री भोला नाथ पुत्र श्री दयाल सिंह, वासी बटाला। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमित सतवंत कौर पत्नि श्री निरिद्ध सिंह श्रीर श्रीमित विद्यावती पत्नि श्री सोहन लाल, राम बाग, ग्रम् तसर। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि स० नं० 2 ग्रीर किराएदार यदि कोई हो । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है) ।
- (4) औरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वो क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की वामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

खसरा नं० 675, स्कीम नं० 62, शास्त्री नगर, श्रम्तसर में स्थित एक प्लाट, रकबा 425 वर्ग गज जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के सेल डीड नं० 222 दिनांक 21-4-80 में दर्ज है। श्रीनन्ध सिंह,

सक्षम भ्रधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 3-चन्द्रपुरी, टेलर रोड़,

श्रमृतसर ।

तारीखा: 15-12-1980.

प्रकृष भाई • टी • एन • एस • ---

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

शयिता, भद्रवा प्रावसर आयुक्त (निरोक्षण)

श्रमृतसर, निांक 15 दिसम्बर 1980

निवेश मं० श्रमृतसर/80-81/277:—-यतः मुझे, श्रानन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-फ के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- इपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट खसरा नं० 851, मिन जिसका क्षेत्रफल 437.50 वर्ग मि० है तथा जो कि तरन तारन रोड़, सुलतान विंड श्रखन श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5 श्रप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिक्षत से प्रिष्ठ है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखान में वास्तविक रूप से जी दा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण मे दूई किसी मान की बाबत उन्त मर्मिनयम के मनीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में सभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या[
- (य) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर भिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठनियम, या धन-कर भिष्ठनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा शकट नहीं किया गया या किया आना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के न्तिए

अतः अब, उच्त अधिनियम की घारा 269-व के अनुसरण में, में, उच्त ग्रीविनियम की घारा 269-च की अवकारा (1) के अधीन निम्नतिश्रित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री किणन लाल पुत्र श्रोम प्रकाश कटड़ा विधिया, श्रम्तमर।

(श्रन्तरक)

(2) श्री उजागर सिंह पुत्र गुरिदयाल सिंह चौक बाबा साहिब, गली पंजाब सिंह, श्रमृतसर ।

(श्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में किच रखता हो।

> (बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) यदि श्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई **भी बाबी**प :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी के से 45 विन की अविध्व चः तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पान लिखित सें किए जा सकोंगे:

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपन अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी धर्य होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

प्रनुसूची

भूमि का प्लाट खसरा नं० 851 मिन जिसका क्षेत्रफल 437. 50 वर्ग मीटर है जो कि तरन तारन रोड़, सुलतान ्रेविड प्रखन, प्रमृतसर में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 61/1, दिनांक 5-4-80 प्राफ रजिस्ट्रींग प्रयारटी प्रमृतसर में कार्यालय में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह, सक्षम श्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 3 चन्द्र पुरी, टेलर रोड़, श्रमृतसर ।

तारीख: 15-12-1980

प्ररूप धाई० टी० एन०एस० ---

शायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ग्रमृतसर, दिनोक 15 दिसम्बर 1980

निदेश सं० अमृतसर/80-81/278:—-यतः मुझे, श्रानन्द सिंह, आई० आर० एस० आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षन श्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्मति, जिपका उचित गजार मूल्य 25,000/- उपए से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 38 कनाल 12 मरले (नहरी) है तथा जो कि गांव हुंदल तहसील पट्टी में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय पट्टी में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 5 अप्रैल, 1980 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिष्यास करने का कारण है कि यागुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ तथा गया प्रतिकत निम्नितिश्चित उद्देश्य में उस्त प्रदारण विधिष्य में बास्तविक कर से कथित नहीं किया गया है:---
 - (क) ग्रन्तरण पे हुई किसी धाय की जाउन, उबन प्र⁶ध नियम के प्रधीन कर देते के प्रन्तरक के दायिस्त्र में कसी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
 - (ख) एसी किसी ब्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ब्राय-कर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन ब्रिधिनियम, गण्धन-कर ब्राधिनियम, गण्धन-कर ब्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिनो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-म के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
11—416 GI'80

(1) श्रीमित परमजीतकौर, बीरा पुत्नी, श्रीमती बृद्धोरपनी सन्तोख सिंह निवासी गांव हुंदल तहसील पट्टी धव भदेल तहसील पट्टी जिला ग्रमृतसर।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती कश्मीर कौर पत्नी भ्रजीत सिंह भौर भ्रजीत सिंह पुत्र करतार सिंह निवासी गांव बासरके, तहसील पट्टी।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में यदि श्रौर कोई किरायैदार हो तो।

> (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रूचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के **प्रर्जन के लिये** कार्यवाहियां मुख्क करता है।

उन्त सम्पत्ति के प्रर्जेव के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहक्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रश्चि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, बही पर्व होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 38 कनाल 12 मरले (नहरी) है जो कि गांव हुंवल, तहसील पट्टी में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं 141, दिनांक 5-4-80 आफ रजिस्ट्रींग भयारटी पट्टी के कार्यालय में दर्ज है।

भानन्द सिंह, आई० आर० एस० सक्षम भ्रधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 3-चन्त्रपुरी, टेलर रोड, भनुससर।

तारीख: 15-12-1980.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ग्रमृतसर, दिनांक 15 दिसम्बर, 1980

निर्देश सं० अमृतसर/ 80-81/279:—-श्रतः, मुझे, आनन्द सिंह, श्राई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 2.5,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 103 क्षेत्रफल 266. 7 वर्ग मी०, मिन जुमना खसरा नं० 1695 व 1699 हैं तथा जो कि गोल्डन एवन्यु हैडवाटर वक्सें रोड, श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18 श्रप्रैल, 1980

को पृथिकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल का निम्नीलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा को लिए: और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्म जास्तिय। को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृतिधा के लिए:

कटः अब, उक्स अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्मनण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:-- (1) डिस्ट्रिक कोर्टस इम्पलायज कोग्नापरेटिय श्रेक बिलिडग सोसाइटी लिमिटेड, श्रमृतसर द्वारा स० निर्मेल सिंह पुत्र स० झंडा सिंह 29-गोल्डन एवन्य, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गुरदेव सिंह पुत्र स० हरनाम सिंह, निवासी 103-गोल्डन एवन्यु, श्रमृतसर ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में श्रीर कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) यदि श्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाव में रूचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में झधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिलबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्धन के सम्बन्ध में करोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंद- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए रा सकोगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्त्यी

प्लाट नं 0 103 जिसका क्षेत्रफल 266. 7 वर्ग मीटर है जिसका खसरा नं 0 1695 श्रीर 1699 है जो कि गोल्डन एवेन्यु, श्रमृतसर, हैड वाटर वर्क्स रोड में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं 0 182/1 दिनांक 18-4-80 श्राफ रजिस्ट्रींग श्रथारटी, श्रमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

ग्रानन्द सिंह, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, 3-चन्द्रपुरी, टेलर रोड, ग्रमृतसर ।

तारीख: 15-12-1980.

प्रकप आई० टी० एन० एस०---

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ग्रमृतसर/80-81/280:--यतः मुझे, श्रानन्द सिंह, आई० आर० एस०

भायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त ब्रिधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के ब्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० से ब्रिधिक है

भौर जिसकी सं० 264 ए एक प्लाट है तथा जो ईस्ट मोहन नगर, भ्रमृतसर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भ्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, सारीख भ्रमेंस, 1980

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिन की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उन्नके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशा से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फज निम्नलिखन उद्देश्य ने उका प्रन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी स्नाय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के सन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, ग्रव, उत्रतः ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, **एक्**त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रार्थातु :--- (1) श्रम्तसर इम्प्रवर्मेट ट्रस्ट, श्रमृतसर।

(भन्तरक)

(2) (1) सर्वेश्री प्रीतम सिंह, पुत्र गुरदित्त सिंह, (2) ग्रमर जीत सिंह, पुत्र प्रीतम सिंह 264 ए, ईस्ट मोहन नगर, ग्रमृतसर।

(म्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 और किराएदार यदि कोई हो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) श्रौरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजाब में प्रतागन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जोभी अवधि बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबत्र किसी अन्य श्वक्ति द्वारा प्रधोत्रस्ताक्षरी के
 पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्रब्दीकरग: -- इसमें प्रयुक्त गब्दों भ्रीर पदों का, जो सकत त्रिधितियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ईस्ट मोहन नगर श्रमृतसर में एक प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के सेल डींड नं० 196, दिनांक 18-4-80 में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह, सक्षम भ्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, 3-चन्द्र पुरी, टेलर रोड, श्रमृतसर ।

तारीख: 15-12-1980.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

नाय्कर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, ध्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 9 दिसम्बर 1980

निदेश नं श्रमृतसर/80-81/257:---यतः, मुझे, श्रानन्द सिंह,आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं अपर्धी नं 2 है तथा जो ईस्ट मोहन नगर, भमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची सें ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख भन्नेल, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित क्षाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एोसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई जिसी आय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, नुभृति:-- (1) श्री परमा नन्द शर्मा, पुन्न श्री राधा किशन शर्मा, निवासी ईस्ट मोहन नगर, ग्रमुससर।

(भ्रन्तरक)

(2) सर्वश्री राम प्रकाण, राम मूर्ति, सोहन लाल पुत्नाण देस राज, निवासी ईस्ट मोहन नगर, ग्रमृतसर। (ग्रन्तरिती)

- (3) जैंसा कि नं० 2 श्रौर किराएदार यदि कोई हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) स्रौरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुत्रकी

बिल्डिंग नं० 2, ईस्ट मोहन नगर, श्रम्तसर, जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता के सेल डीड नं० 273/I, दिनोक 25-4-80 में दर्ज है।

श्चानन्द सिंह, सक्षमप्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन र्रेज, 3—चन्द्रपुरी, टेलर रोड, श्रम्तसर ।

तारीख : 9-12-1980 .

प्रकर चाई• टी• एन• एस०-----

आय इर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रंज, भ्रम्तसर

श्रमृतसर, विनांक 10 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० श्रमृतसर/80-81/258:--प्रतः मुझे, श्रान व सिंह,आई० आर एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परशात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिनत बाजार मूह्य 25000/- रु० में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 'लाट नं० 14, जेल रोड़, है तथा जो अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूहर से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके यृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तयपाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :--

- (६) अन्तरण से दृई किसी आय को बाबत उमत अधिनियम के प्रश्लीत कर दने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अध्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ण अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अधीन :---

(1) डाक्टर खुणी राम पुत श्री जै चन्द श्रीमित क्रःगा मेहरा पत्नि खुणी राम मेहरा, सुगील कुमार श्रीर एन० के मेहरा पुताण खुणी राम मेहरा, जेल रोड़, श्रम्तसर।

(श्रन्तरक)

(2) श्री दीपक कुमार पुत्र श्री चूनी लाल, कटड़ा दूलो, ग्रमतसर।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि स० नं० 2 ग्रौर किराएदार यदि कोई हो । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।

(4) और कोई

(यह न्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूत्रका जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेत्र:---

- (क) इस सूचा के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की धवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी के से 30 दिन की धवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी का क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तें।

स्वध्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के भव्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जेल रोड़ श्रमृतसर में प्लाट नं० 14, रकबा 250 वर्ग गज जैसा कि रजिस्ट्री कर्ता, श्रमृतसर के सेल डीड नं० 199 दिनांक 18-4-80 में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह, सक्षम स्रधिकारी, स**हाय**क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जंन रेंज, 3–चन्द्रपुरी, टेलर, रोड, ग्रमृतसर ।

ारीख : 10-12-1980.

प्ररूप आहे. टी. एन्. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्ख्यक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर

ग्रमृतसर, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ग्रमृतसर/80-81/259:--यतः मुझे, ग्रानन्द सिंह, ग्राई० आर० एस०

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ष्यौर जिसको सं० कोठी नं० 5 (रक्तबा 822 वर्ग मीटर) है तथा जो कोर्ट रोड़, ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर सिटी में रिजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का

16) के प्रधीन, तारीख प्रप्रैल, 1980

को पूर्वोंकत संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से की धत नहीं किया गया हैं:—

- (क)- जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जिथ-नियम के जुधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औद्धा/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अव, उक्त अधिनियम की घारा 269 न के अनुवरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269 प की उपघारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत् 1-- (1) श्री रमेण कुमार बर्च पुत्र श्री एल०, वर्च, शामा मेहरा पुत्री श्री एल०, वर्च पत्नि श्री सुशील कुमार मेहरा, श्रीमति बिन्नी वर्च विधवा श्री एल० वर्च, वासी कोर्ट रोड़, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमति पुष्पा वंती पुत्री सपन सिंह, विधवा श्रीम प्रकाश श्रीमति सुरिन्दर धवन पत्ति श्री राजकुमार, वासी कटड़ा शेर सिंह, ग्रमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि संव नंव 2 श्रीर किराएदार (1) हरभजन सिंह, इर्देव पंजाब स्टेट इलेक्टव बोर्ड, (2) श्री थोमस,
 - (3) धनैया सिंह (4) मुलख राज (5) राम निधि
 - (6) राज कुमार (7) राज कुमार (8) कपूर
 - (१) श्रीराज्।

(वह व्यक्ति, जिंसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) ग्रौरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे मे स्रघो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)।

को यह सूचना जारी करके पृवांकत सम्पस्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्थक्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्स्ची

कोठी नं० 5 रक्तबा 822 वर्ग मीटर कोर्ट रोड़ में जैसा कि रजिस्ट्री कर्ता, ग्रधिकारी श्रमृतसर के सेल डीड नं० 159 दिनांक 17-4-80 में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, 3-चन्द्र पुरी, टेकर रोड़, श्रिमृतसर।

नारीख : 10—12—1980.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, म्रमृतसर

ग्रमुतसर, विनांक 10 विसम्बर 1980

निवेश सं० श्रमृतसर/80-81/260:---यतः मुझे, श्रानन्द सिंह, आई० प्रार० एस०

प्रायकर प्रिप्तिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जियका उत्तित वाजार मूल्य 25,000/-क्पए से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 41 कनाल 10 मरले भूमि नहरी है तथा जो गांव जरमस्त पुर, तहसील तरन तारन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय तरन तारन में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रति-फल के सिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उतके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रक्षिक है और मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरूप के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त भन्तरूण विख्त में वास्त्रिक का से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने पाउनो वजने में नुविधा के जिए; और/या
- (ख) ऐसी निनो अग्र या ित्यो घन या प्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारताम आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाका चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः बन, उनत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उनत अधिनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ज्यन्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमित हरनाम कौर विधवा श्रमर सिंह, वासी जरमस्त-पुर, तक्ष्मील तथन तारन ।

(भ्रन्तरक)

(2) सर्व श्री मान भिंह, महिन्द्र भिंह पुत्राण राम सिंह, वासी जरमस्तपुर, तह्मील तरन तारन ।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि सल्तं 2 ग्रौर किराएदार यदि कोई हो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) श्रीरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबुद्ध किसी प्रन्य क्यक्ति द्वारा प्रधीहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं. वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 41 कनाल 10 मरले (नहरी) खाता नं० 139/392, जरमस्तपुर, तहसील तरन तारन में जैसा कि रजिस्ट्रीकर्सातरन तारन में सेल डीड नं० 22 दि० 1-4-80 में दर्ज है।

> ध्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 3-चन्द्रपुरी, टेलर रोड़ ग्रमृतसर

तारीख: 10-12-80.

मोहरः

प्ररूप आह्रं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रोज, श्रमृतसर

श्रम्तसर, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निदेण मं० अमृतसर/80-81/261:---यतः मृक्षे, श्रानन्द सिंह, श्राई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि 28 कनाल 9 मरला (नहरी) है तथा जो चूसल बाल, तहसील पट्टी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप में बाँगत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पट्टी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त संपित्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर्र/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् हि— (1) श्री धर्म सिंह पुत्र मंगल सिंह, वासी गांव चूसलवाल, तहमील पद्री ।

(म्रन्तरक)

(2) सर्वश्री जसवंत सिंह, कुलवंत सिंह, लखविन्दर सिंह, गुरवीप सिंह पुत्राण गोपाल सिंह, वासी चूसलवाल, तहसील पट्टी।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि स० नं० 2 श्रीर किराएदार यदि कोई हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) श्रीरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवस है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्की

भूमि 28 कनाल 9 मरले (नहरी) कि॰ नं॰ 339/2, 12/1, 12/2, 19, 15-83-9/22 4-0, 7-16, 7-16, चूसलवाल में जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता पट्टी के सेल डीड नं॰ 138 दि॰ 5-4-80 में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ृश्रर्जन रेंज, 3-चन्द्रपुरी, टेलर रोड़ ृश्रमृतसर

तारीख: 10-12-1980.

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०⊸~

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ग्रमृतसर/80-81/262:—यतः मुझे, ग्रानन्व सिंह,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रस्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 33 कनाल 14 मरले है तथा जो कि गांव लोहका (तरन तारन) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, तरन तारन में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 17 श्रप्रैंल, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत : अब, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के ध्रमुसरण में, में, खक्त श्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--12-41601/80

(1) श्री णमीर सिंह फा० नतर सिंह्य गांव नथू पुरः तहसील तरन तारन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पाल सिंह, गेजा सिंह, तलोक सिंह, भजा सिंह पुतान स० करनेल सिंह, केहर सिंह पुत्त उजागर सिंह, गांव लोहका (तरन तारन)।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर रं० 2 में और कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) यदि श्रीर कोई व्यक्ति इस जायदाद में मृचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो सक्त श्रधिनियम के श्रष्ठयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 33 कनाल 14 मरले खाता नं० 757/1425/1426/1426/1427/1428/1429/1430/1431/1432/1433/1434/(नहरी) जो कि गांव लोहका, तहसील तरन तारन में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० <math>574 दि० 17-4-80 श्राफ रजिस्ट्रींग श्रथारटी, तरन तारन के कार्यालय में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 3-चन्द्रपुरी, टेलर रोड़, श्रमृतसर

तारीख: 10-12-1980.

मोहर 🖫

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/80-81/1796:--ग्रतः मुझे, विजय माथुर.

ध्रायकर ध्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ध्रिकि है

श्रीर जिसकी सं प्रकान है, तथा जो तिलक पथ, इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 3-4~1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ब) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर ग्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

खतः भ्रव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-भ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. सर्वात:— (1) श्री मनोहर लाल पिता किशोरी लाल गज्जर म० नं० 186 जेल रोड, इन्दौर।

(श्रन्तरक)

(2) श्री जी० मी० गुप्ता पिता छोटे लाल जी गुप्ता (2) श्रीमती सुन्दर बाई, पति श्री जी० सी० गुप्ता 9, तिलक पथ, इन्दौर ।

(श्रन्तरिती)

(3) श्री चालू मल त्रिलोचन्द (2) श्री जमना दास त्रिलो-चन्द, मोहन दास एवं पटेल , 95 तिलक मपथ इन्दौर । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति हैं।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्त सम्पत्ति हे अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी
 ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पर्दो का, जो उक्त ग्रधि-नियम के प्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रथें होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मक्तान नं ० 95 जो कि निलक पथ, इन्दौर में स्थित है।

विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रोंज, भोपाल

तारीख: 5-12-1980,

प्ररूप भार्ष०टी० एन० ए५०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 5 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ग्राई०ए०सी०/ग्रर्जन/भोपाल/80-81/1797:---ग्रतः मुझे, विजय माथुर,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्वात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो खातीवाला टैक, इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 2-4-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है और प्रान्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत:, श्रव, उपत ग्रधिनियम की धारा 269-म के अनु-सरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्:—— (1) श्री भगत सिंह पिता श्री भोना सिंह 456, खाती वाल ¹ टैंक, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीधनपत सिंह् छाबरा पिता श्री बलबन्त सिंह् छाबरा, 45 पटेल मार्ग, धार।

(ग्रन्तरिती)

को पहुं सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि∙ व नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला सकान नं० 956 जो कि खाती वाला टैंक गली नं० 4, इन्दौर में स्थित है।

> विजय माथुर -सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-12-1980.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायुक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ग्राई०ए०सी०/ग्रर्जन/भोपाल/80-81/1798:---ग्रत: मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो पलसीकर कालौनी, इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है). रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 7-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रौर श्रन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अर्रिया
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती हीरल बाई, विषय धन रसूलमल, 163 पलसीकर कालीनी, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती लाजवन्ती बाई पति श्री राम चन्द्र जी 163 पलसीकर, कालौनी, इन्दौर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ज्नस्**ची**

मकान नं ० 163, पलसीकर, कलौनी, इन्दौर।

विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपास

नारीख: 5-12-1980.

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० ग्राई ए मो/ग्रर्जन/मांगाल/80~81/1799:→-ग्रतः मुझे, त्रिजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भित, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं मकान है तथा जो बजाज खाना रसलाम में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड़ अनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण भग में विणित हैं), रिजस्ट्रीकिनी अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रिजर्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 14—4—1980 को पूर्वोक्त, संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हैं और कुक्रे यह विश्वास करने का कारण है कि सभ्रमूर्वाक्त गंपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एेमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती राजीबाई पित श्री तेजराज जी गांधी, (2) श्री बाबू लाल (3) रतन लाल (4) श्रीमती सम्पत बाई (5) तेजराम जी निवासी पाखदा की बास, रतलाम।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती ह्वानी फीजा बाई पति श्री श्रव्याल भाई बोहरा बोहरा, भाखल रतलाम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० 31/83, बजाज खाना, रतलाम ।

विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-12-1980.

महर:

प्ररूप माई० टी० एन० एम०---

थ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 दिसम्बर 1980

निदेश मं० म्राई ए सी/ग्रर्जन/भोपाल/80-81/1800--म्रतः मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित्र शतार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो बजाज खाना रतलाम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय. रतलाम में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 16-4- 1980 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उवित बाजार पृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठक है और भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (भन्तरिताों) के वीच ऐसे सन्तरग के निय् तम पाया गंगा प्रतिकल, निम्नोतित उद्देश्य से उका अन्तरण लिखन में शस्तविश क्य से किया गंगी किया गया है :--

- (क) अन्तरग पे हुई किती आय की बाबत, उक्त अधिनियम ह अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स्र) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर स्रिधिनयए, 1922 (1922 का 11) या उक्त पश्चिनियम, या धन-कर श्रीधिनयम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः **अवः उन**त मिश्चनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उनन अधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित म्यम्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीमती राजी बाई पत्नी श्री तेजराम जी गांधी(2) बाबू लाल (3) रतन लाल (4) श्रीमती सम्पत बाई (5) तेजरामजी, निवासी पोरवदा-का-वास रतलाम।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती हजानी फीजा बाई पत्नी श्री म्रब्बास भाई बोहरा बोहरा भारवल रतलाम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के रावनत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ससे 30 दिन की अविधि, की भी अविधि बाद में समाष्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास खिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पदशिकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही पर्य होगा जो उस अध्याय में दिथा गया है।

अनुसूची

मकान नं० 31/83 बजाज खाना रतलाम।

विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5~12—1980.

प्रकप आई० टी• एन• एस०---

भायकर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के ग्रंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 16 दिसम्बर 1980

निदेश सं० आई ए सी/श्रर्जन/भोपाल/80-81/1801---श्रतः मुझे, बिजय माथुर,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

शोर जिसकी सं भकान है, तथा जो मोतिया पार्क भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 3-4-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत अधिक है, श्रीर अन्तरिक (अन्तरिकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित छ। से अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित छ। से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्राधिनियम के अधीन कर देने के बन्धरक के पायिस्य में कमी करने या अससे बचने म सुविधा के लिए। धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या प्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में मुविधा के लिए;

अतः, अब, उनत प्रधिनिषम की धारा 269-ग के बनुतरण में, मैं, उनत प्रधिनिषम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्।— (1) श्री जमाल मोहम्मद पिता जलाल मो० शराफत जहां बेगम म० लताफत जहां (3) मुशरफ जहां पुत्र जलाल मो० (4) जफर ग्रलीं पिता समद ग्रली मोतिया पार्क पुरानी सटजी मण्डी, इश्राहिम पुरा मुल्तानिया रोड, भोपाल।

(ग्रन्तरक)

(2) मोहम्मद श्रजीज पिता श्री काले खां इक्राहिम पुरा कबीर वाली मस्जिद के पास, भोपाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पडटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्राधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होना, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

मकान जो कि मोतिया पार्क भोपाल में स्थित है।

विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्राक्युत (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-12-1980

प्रकृप धाई• डी• एन• एस•--

भागकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भीधीन सूचना

मारत सरकार

कार्याक्षय, सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 16 दिसम्बर, 1980

निद्रेश सं० ग्राई ए सी/ग्रर्जन/भोपाल/80-81/1802---ग्रतः मुझे, विजय माधुर,

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख़ के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका छचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रिधिक है शौर जिसकी सं० प्लाट श्रीर मकान है, तथा जो मौधापारा, रायपुर में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 22-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भृत्व से कम के बृश्यमान प्रतिक्रम के लिए अस्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है जि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूस्य, उसके बृश्यमान प्रतिक्रम से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रम का पन्द्रह प्रतिश्वत से प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रन्तरकों) पौर प्रत्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रम, निम्निसिक्ष उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निश्चित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिशा के निए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रधिनियम, या मन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं शन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अब, उनत भाषिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उनत भाषिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्ननिवित्त व्यक्तितयों, अर्थात :--- (1) श्रीमती धनगौरी पत्नी श्री धर्मसी राठोड, निवासी फाफा डीह, रायपुर ।

(भ्रन्तरक)

(1) श्री शिवजी भाई पिता जयराम भाई राठोड, फाफाडीह रायपुर।

(म्रन्तरिती)

(3) श्री ण्यामलाल जगनमल (2) पूरनमल बीरोमल (3) रावल दास थारोमल मौधापारा, रायपुर । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रवित, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा धक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसर्में प्रयुक्त गुन्दों भौर पदों का, जो उनस् प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही भर्थ होगा जो उन भ्रध्याय में विया गया है।

अनु सूची

श्रोल्ड पुलिस लाइन जयराम टाकीज चौक रायपुर ब्लाक नं० 77 प्लाट नं० 2/112 किराये पर उठा मकान नं० 5/237 से 238 जो कि मौधापारा रायपुर, में स्थित है।

विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-12-80

प्रहरप प्राई० टी० एन० एन०---

धायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 दिसम्बर 1980

निदेश सं० म्राई ए सी/म्रर्जन/भोपाल/80-81/1803---म्रतः मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- दे से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट श्रीर मकान है, तथा जो मौधापारा रायपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 22-4-1980 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत अधिक है और अभ्तरक (अन्तरकों) और अम्तरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियमं के अधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रम्य भास्तयों को, जिन्हें भारतीय भाग-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में मुविधा के लिए;

(1) श्री श्रोनील कुमार राठौड पिता धर्म सी भाई राठौड फाफाडीह, रायपूर।

(ध्रन्तरक)

(2) श्रीमती भ्रम्बा बेन पत्नी शिवजी भाई राठोड निवासी फाफाडीह, रायपुर।

(भ्रन्तरिती)

(3) (1) श्री मुरलीधर शर्मा, (2) ताहर भाई बंच्चू भाई मौधापारा, रायपुर।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्यंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 धिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्श में हितबदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रीक्षितियम, के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रयं होगा, जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

धनुसूची

डोल्ड पुलिस लाइन जयराम टाकीज चौक रायपुर नजूल भूमि ब्लाक नं० 77 प्लाट नं० 2/114 मकान नं० 242 से 245 मौधापारा, रायपुर।

> विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-12-1980

प्ररूप आहु^र.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 दिसम्बर 1980

निदेश सं० श्राई ए सी/श्रर्जन/भोपाल/80-81/1804:---श्रतः मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट श्रीर मकान है तथा जो मौधापारा रायपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 22 श्रील, 1980

को पूर्वा क्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कित संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्री धरमसी भाई राठोड़ पिता जयराम भाई राठोड़, फाफाडीह, रायपूर।

(अन्तरक)

- (2) श्री भ्ररविन्द कुमार राठोड़ फाफा डीह, रायपुर । (भ्रन्तरिती)
- (3) (1) श्री किरोदीमल भगवान दास (2) टीकमदास तेजमल पान वाला (3) दौलतराम नेजूमल मोधापारा रायपुर।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पृवाकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

श्रोत्ड पुलिस लाइन जयराम टाकीज चौक रायपुर ध्लाक नं० 77 प्लाट नं० 2/82 मकान नं० 5/234 से 236 जो कि मोधापारा रायपुर में स्थित है।

विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षी), श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-12-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालम, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 दिसम्बर 1980

निदेश सं० श्राई ए सी ग्रर्जन/भोपाल/80-81/1805---श्रतः मुझे, विजय माथुर,

धायकर भिर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिर्धानयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिर्धान सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भिर्धक है,

श्रौर जिसकी सं कृषि भूमि है, तथा जो हाफुखेड़ी, रतलाम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29 श्रुप्तैल. 1980

को पूर्थोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी फिसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर ध्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः धव, उक्त ग्रीधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त ग्रीधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रीपीत:—

- (1) श्री नियाज मोहम्मद पिता धीसे खां जी जाति सेरानी मुसलमान गांगा खेड़ी, सेरानीपुरा, रतलाम । (अन्तरक)
- (2) श्री श्रगोक कुमार पिता श्रमर चन्द जी जैन (2) मुकेण कुमार पिता श्रगोक कुमार जैन (3) नरेन्द्र कुमार पिता मुजानमल जी मानक चौक रतलाम (4) श्रीमती रतन बाई पत्नी वसंती लाल जी पोखाल डालू मोदी बाजार, रतलाम। (श्रन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजीन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति रूप्रार्थन रूपम्बद्ध में कोई भी प्राक्षेत्र :--

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूजना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबाब किसी प्रन्य क्यिंक्ट द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोक्तरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो खक्त ग्रिधिनियम, कं श्रद्ध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, यहां प्रयं होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूचा

कृषि भूमि सर्वे नं० 5 रकवा 1--000 है। जो कि हाफुखेड़ी रतलाम में स्थित है।

> विजय माथुर; सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपास

तारीख : 16-12-1980.

ोहर :

प्रकल आई० टी० एन० एस०-

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 दिसम्बर 1980

निदेश सं० श्राई ए सी/ग्रर्जन/भोपाल/80-81/1806--भ्रतः मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित जाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो, हाफुखेड़ी रतलाम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय रतलाम में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29 श्रमैल, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, छक्त ग्रिशितयम के ग्रिशीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

- (1) श्री नियाज मोहम्मद पिता घीते खां जी जाति सेरानी मुसलमान गांगाखेड़ी सेरानीपुरा, रतलाम । (ग्रन्तरक).
- (2) श्री राजेन्द्र कुमार पिता बसंती लाल जी पोखाल (2) सुजानमल पिता इन्द्रमल जी (3) नरेश कुमार पिता श्रशोक कुमार (4) मनोज कुमार पिता राजेन्द्र कुमार पोरवाल मानक चौक, रतलाम।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सण्डेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि सर्वे नं० 5 रकबा 1-000 हेक्टर जो कि ग्राम हाफूखेड़ी रतलाम में स्थित है ।

> विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-12-1980.

प्ररूप भाई. टी. एन्. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 दिसम्बर 1980

निवेश सं० म्राई ए सी/मर्जन/भोपाल/80-81/1807 ---श्रतः मुझे, विजय माथुर,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गंपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो मनोरमा गंज इन्हाँर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, इन्हाँर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-4-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा चे सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) कुमारी विमला शर्मा पिता श्री श्याम लाल शर्मा डेली कालेज, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एयाम लाल गर्मा पिता श्री रामस्वरूप गर्मा छेली कालेज, इन्दौर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया के।

अनुसूची

प्लाट नं 3/1, जो कि गली नं 3 मनोरमा गंज इन्दौर में स्थित है।

विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षण) श्रुर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-12-1980

प्ररूप आहू . टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रुजेन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 दिसम्बर 1980

निदेश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/1808--अत मुझे, विजय माधुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो साकेत कलोती, इन्दौर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबक स्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण स्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 25 भ्रमैल, 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (हो के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अधितः--

(1) श्रीमती लीला तिबारी पति डा॰ समचन्द्र तिबारी, 108 रेडियो कालोनी, इन्दौर ।

(श्रन्तरक)

(2) 1. सतगुन दास सतसंगी 2. श्रीमती ग्रमर सतसंगी 3. घनश्यामदास सतसंगी, जी-1, विद्या कालोनी, इन्दौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

प्लाट नं \circ एफ/42, जो कि साकेत कालोनी, इन्दौर में स्थित है।

विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-12-1980

त्र≢प माई॰ टी॰ एत∙ एस॰----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन मुचना

पारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 दिसम्बर 1980

निवेश सं० ग्राई० ए०सी०/ग्रर्जन/भोपाल/80-81/1809--ग्रतः मुझे, विजय माथुर,

आयहर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्दर प्रधिनियम' कहा नया है), की प्रारा 269-प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारम है कि स्वावर सम्माल, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए के अधिक है

सीर जिसकी सं अमान है, तथा जो धागरा बाम्बे रोड, देवास में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध मनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, देवास में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 5-4-80 को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का विचन्न बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बोच ऐसे खन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उर्श्य ने उन्तर अन्तरण निविज्ञ में वास्नितिक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्तरण ते हुई किया प्राय की बादत, त्रथत खिकित्यम, क प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व म क्यों करने या उससे बचने में सुनिया के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या प्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय पातकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज ार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, डिसाने में नृतिका के लिए;

मतः अब, उन्त अनितम को बारा 28%-न के मनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उधारा (1) के अबीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अनीत् :--- (1) श्रीमती इन्दिरा बाई, पित श्री रामराय मेवले बाम्बे रोड, देवास ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बालकृष्ण पिता त्रिबंक किबे, भोलेनाथ रोड़, देवास ।

(भ्रन्तरिती)

(3) 1. श्री श्रार० सी० जोशी 2. एस० मकती 97, श्रागरा बोम्बेरोइ, देवास।

> (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उत्त सम्पत्ति के अर्थन के तंबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूबना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घबिध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूबना की तामीन से 30 दिन की घबिध, जो भी घबिध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 विन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताझरों के पास लिखित में किए जा नकेंगे।

₱ स्टीकरण :—-६समें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त
प्रवित्तियम के कच्याय 20क में परिचालित
है, वही धर्ष होगा को उस प्रव्याय में दिया
गया है।

अनुसुची

मकान नं० 97 जो कि स्रागरा बाम्बे रोड़, देवास में स्थित है।

विजय माथुर, सक्षम अधिकारी सहायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-12-1980

मोहर 🖫

प्ररूप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

यायकर **प्र**धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक **धायकर धायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 दिसम्बर, 1980

निदेग सं० ग्राई०ए०मो०/ग्रर्जन/भोपाल/ 80-81/1810--ग्रतः मुझे, विजय माथुर,

यायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चान् 'उक्त प्रतिविषम' कहा गया है), की धारा 269-उ के अप्रोत नक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये संग्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो बिरोवा बुरहानपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बुरहानपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 3 श्रप्रैंन, 1980 को

पूर्वनिस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह निश्वाप करने का कारण है कि प्रशास्त्रीकत उम्मत्ति का उचित वाजार मूल्य, उनके दूरयमान प्रतिकत के, ऐस दूरयमान प्रतिकत का पत्त्रह प्रतिज्ञत व्यधिक है और प्रसार (प्रस्तरकों) और प्रसारिती (प्रस्तरितयों) के बीव ऐस प्रस्तरण है जिए तस पाया गया स्तिकत, निस्तिविखत उद्देश्य ने उसन प्रसारण जिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) प्रत्तरभा क्षेत्र किसो यात्र को बाबत, उनत प्रधि-नियत्र के अधीन कर देने के प्रत्नरक के दायित्व में कभी करने या उपसे बनने में सुविधा के लिए; धीर/याः
- (ख) ऐसी कियो प्राय के किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें नारतीर प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 हर ११) या उक्त प्रवित्तिम या धन कर प्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रनारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रतः भ्रम, उक्त पधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में; में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, तिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान :—- (1) को विबंग पिता सीताराम चौधरी लोनी पोस्ट लोनी तहसील बुरहानपुर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री नारायण पिता देवराम महाजन 2. दशरथ पिता देवराम महाजन द्वारा देवराम पिता भावजी महाजन निवासी लोनी पोस्ट० लोनी तहसील बुरहान-पुर।

(ग्रन्तरिती)

को य**ह** सूचना जारी करके प्र्योवत सम्पति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उना परात्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यब्दी करणः ---इतमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वा का, जो उक्त प्रधि-तिरम के अध्याय 20- ह में परिभाषित हैं, वही अर्थ होता, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

कृषि भूमि खसरा नं० 1103 जो कि मौजा बिरोदा तहसील बुरहानपुर में स्थित है

> विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, भोषाल

तारीख: 16-12-1980

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष्ण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 16 विसम्बर 1980 निदेश सं० ग्राई ए सी/ग्रर्जन/भोपाल/80-81/1811:---ग्रतः, मुझे, विजय माथुर ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो बैरोठी कालोनी, इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, 10-4-1980 को पूर्वों कत सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-14—416GI/80

(1) श्री कल्लू प्रसाद पिता हीरा लाल मकान नं० 28 गोधा कालोनी, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहनदास पिता लच्छोराम नारंग नं० 2 बैराठी कालोनी, इन्दौर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत् सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

प्लाट नं० 181 पर बना हुआ मकान जो कि बैराठी कालोनी इन्दौर में स्थित है।

> विजय माथर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 16 दिसम्बर 1980

प्रस्प आहे. टी. एन. एस.----

आयक्रर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० ग्राई ए सी/प्रर्जन/भोपाल/80-81/1812:---ग्रतः मुझे, विजय माथुर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. रो जिक है

र्तार जिसकी सं० मकना है, तथा जो गांधी मंदिर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारों के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 11~4~1980

का प्रांचित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रुयमान प्रतिफल से, एसे द्रुयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिखत उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के,दायित्व में कभी करने या उत्तसे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स्र) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चोहिए था छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती मालती बाई पित कैलास चन्द्र जैन भाटापारा गोधी मंदिर वार्ड, रायपूर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विषिन बिहारी णुक्ला भाटापारा गांधी मंदिर वार्ड, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी अ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की बामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मकान नं० 25 जो कि गांधी मंदिर वार्ड रायपुर में स्थित है।

> विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (नि**रीक्ष**ण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-12-1980.

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ग्राई ए मी/ग्रर्जन/भोपाल/80-81/1813:--श्रतः मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाप्ट है तथा जो भगवानगंज सागर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सागर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15 श्रप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त संपित्त के उिचत बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हाँ और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयु-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ह—

- (1) श्री णिवलाल पिता कनछे दी लालप टेल कटरा, सागर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पलसुख लाल पिता बाला जी भाई पटेल, निवासी, सागर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिखें कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष्र.

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट खसरा नं० 32/2 व 33/1 व 34/1 जो कि भगवान गंज सागर में स्थित है ।

विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रोज, भोपाल

तारी**ख**: 16-12-1980.

प्रकप भाई । टी । एन । एस । -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 दिसम्बर 1980

निवेश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/80-81/1814---श्रतः मुक्ते, विजय माथुर,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं भकान व भूमि है, तथा जो नंदई राजनांद गांव में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 अप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्श्य से उना प्रनरम विजित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से बुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, भव, उन्त घिनियम की धारा 269-म के अनु-सरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रचीत् :--- (1) श्रीमती मदालसा देवी पति स्वर्गीय श्री नन्दिकशोर लोहिया गंज के पीछे, राजनांद गांव।

(श्रन्तरक)

(2) श्री चम्पालाल पोदार गंज के पीछे राजनांद गांव। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उसत मधि-नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान भूमि, नजूल भूमि, कृषि भूमि खसरा नं० 696 जो कि डोगरगांव रोड़ नंदई राजनांद गांव में स्थित है।

> विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी, (तिरीक्षी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त), अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-12-1980.

प्रकप बाई • ही • एन • एस • —

प्रायक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के घंधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालयः, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 17 विसम्बर, 1980

निदेश सं० श्राई ए सी/प्रर्जन/भोपाल/80-81/1815:--ग्रतः मुझे, विजय माथुर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से श्रधिक भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो मोजा शाहपुर बुरहानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती, प्राधिकारी के कार्यालय, बुरहारनपुर में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 16 भ्राप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमास प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से ग्रधिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: मीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायंकर श्रक्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उन्त प्रविनियम की धारा 269-ग के पनुसरण में, प्रें, प्रकृत ग्रिबिनियम की घारा की 269-व की छपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।--

(1) श्री भास्कर पिता भाव जी पाटिल वापोरा पोस्ट वपोरा तहसील ब्रहान पुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रभाकर पिता भावडू पाटिल नि० दपोरा पोस्ट दपोरा, तहसील बुरहानपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं ० 1114 जो कि शाहपुर तहसील बुरहानपुर में स्थित है।

> विजय माधुर, सक्षम प्राधिकारी, (निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त), म्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-12-1980.

प्ररूप धाई • टी • एम • एस •----

आयकर धिक्षियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर घायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 17 दिसम्बर 1980

निदेश सं० श्राई ए सी/म्रर्जन/भोपाल/80-81/1816---श्रतः मुझे, विजय साथुर,

आवकर मिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'चक्त मिधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीत सभन प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 25,000/- रुपए से मिधिक है,

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गाहपुर बुरहान्द्र में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबज्ञ अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में रिजरट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 16 ग्रेजेल, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित्त बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्र ह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक का से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से तुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रीवित्यम, के श्रित्रीन कर देने के भग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य खास्तियों को जिन्हें नारतीय अय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिवियम, या धन-कर सिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाड्डिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शव, उनत समिनियम की धारा 269-ग के सब्सरण में, में, उनत समिनियम की धारा 269-य की खपधारा (1) के अधीन, निक्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् । --- (1) श्री भास्कर पिता भाव जी पाटिल निवासी देपोरा पोस्ट देपोरा तहसील बुरहानपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बाजीराव पिता भावडू पाटिल निवासी देपोरा पोस्ट देपोरा तहसील, बुरहानपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तिद्वारा, अबोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त श्रिष्ठितयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रस्थाय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 1114, जो कि शाहपुर तहसील बुरहान-पुर में स्थित है।

> विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी, (निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-12-1980.

प्ररूप आई • धी • एत • एम •----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायन धायकर धायुक्त (निरीक्क)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 17 दिसम्बर 1980

निदेश सं० भाई ए सी/श्रर्जन/भोपाल/80-81/1817--श्रतः सुर्से, विजय माधुर,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है); को धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू॰ से प्रधिक है और जिसकी सं॰ प्लाट है, तथा जो मनोरमा गंज इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख 23 ग्रप्नैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रम्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कियत नहीं। किया गया है:—

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय मा किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में मुबिधा के लिए;

खतः अब, उन्त अधिनियम की अश्रा 269-ग के अनुसरण में, में उन्त अधिनियम की घारा 269व की उपकारा (1) के अधीन, निम्निस्थित व्यक्तियों, अवीत् :--- (1) श्री लाला हरी किशन पिता श्री मोकम चन्द द्वारा राधा किशन हरी किशन हरियाणा ध्रायल मिल्स रोग बाग, लखनऊ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती राजरानी उर्फ राम दिथी पति इन्द्र राज गीता भवन के पास, इन्दौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहरूताक्षरी के पान
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रमुसूची

प्लाट नं० 23 जो कि कैलाश पार्क मनोरमा गंज इन्दौर, में स्थित है।

विजय माथुर, सक्षमप्राधिकारी, (निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त), श्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 17 दिसम्बर, 1980.

प्रकप बाई॰ टी॰ एन॰ एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भौपाल

भोपाल, विनांक 17 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ग्राई ए सी/ग्रर्जन/मोपाल/80-81/1818--ग्रतः मुझे, विजय माधुर,

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अशीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिसका उचित्र बाजार मूख्य 25,000/- ६० से भिधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो बी० टी० कालेज रोड़, खंडवा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय खंडवा में रजिरट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4 श्रप्रैल, 1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ब्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से तुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अब, उन्त प्रधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत्:—

- (1) श्री सैयद श्रासीफ हुसैन (2) सैयद श्रारिफ हुसैन, न्यू देहली (3) सैयद खालिद हुसैन, बाम्बे। (श्रन्सरक)
- 2. श्री स्वामी विवेकानन्द ग्रह निर्माण सहकारी समिति खंडना द्वारा श्री एस० के० भगत एडवोकेट, खंडना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रजंन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पढटीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जी उक्त घि नियम, के घडयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस घडवाय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 60 प्लाट नं० 1 में से 10828 वर्ग फुट तथा खसरा नं० 396 में से 84292 वर्ग फुट जो कि बीटी कालेज रोड़ खंडवा में स्थित है।

> विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त(निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

ता**रीख**: 17-12-1980.

प्रूप बाइ. टी. एन. एस. -----

माय्कर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- म(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 दिसम्बर 1980

निवेश सं० श्राई ए सी/श्रर्जन/भोपाल/80-81/1819---श्रतः मुझे, विजय माथुर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो ईदगाह हिन्स, भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यासय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5 श्रप्रैस, 1980.

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित वाजार मृत्य, जमके तरदमान क्षित्रक में, एमें स्ट्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातः—— 15—416 GI/80

- (1) श्रीमती सरला श्रीवास्तव पति श्री एम० पी० श्रीवास्तवरिज रोड़, 23, ईदगाह हिल्स, भोपाल। (श्रन्तरक)
- (2) श्री हरीश कुमार पिता श्री राधा किणन जी 51/ए० ईदगाह हिस्स, भोपाल।

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांद्र भी आक्षेयु:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र मों प्रकाशन की हारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्दिशाषित हु⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

मन्त्रची

्लाट नं ० 22 खसरा नं ० 105 जो कि ईवगाह हिल्स भोपाल में स्थित है।

> विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 17 दिसम्बर, 1980

मोहरः

प्रकप बाई • टी • एन • एत • ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ग्राई ए सी/ग्रर्जन/भीपाल/80-81/1820--ग्रतः मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अजीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उ वित बाजार मूल्य 25,000/- क॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो ईदगाह हिल्स भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबज अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10 श्रील, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पखह प्रतिशत अधिक है और मन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से दृई किसी आप की बाबत, उकत अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य घास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धन्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाण अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

धतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269±ग के धनुसरण में, मैं, उक्त ग्रंथिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रचीत :—

- (1) श्री ए० के० सक्सेना पिता स्वर्गीय श्री पी० सी० सक्सेना, 23 ईदगाह हिल्स, भोपाल।
- (2) श्री हरीस कुमार पिता श्री राधा किशन जी 51/ए, ईदगाह हिल्स, भोपाल।

(श्रन्तरिती)

(ग्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप !--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर मूचना
 की तामीज से 30 दिन की प्रविधि, जो भी भविधि
 बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 विन के भीतर खकत स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :---इसमें प्रश्नुत शब्दों सोर पदों का, को उक्त सिंधितयम के अध्याय 20-क ुमें परिभाषित हैं, वही असं होगा को छस अध्याय में दिया गया है।

अनुतुची

प्लाट नं ० 22 खसरा नं ० 105 जो कि ईवगाह हिस्स भोपाल में स्थित है।

> विजय माधुर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-12-1980.

प्ररूप आई.टी.एन्.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन /भोपाल 80-81/-182—ग्रतः मुझे, विजय माथुर

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उन्वित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम बरबड़ जिला रतलाम में स्थित है) ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय रतलाम में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 2-4-80

को पूर्वाक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का)के के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्निसित् क्यांकित्यों अर्थात् :--

(1) श्री रमेण चन्द पिता मन्साराम राठोड नीम चौक रतलाम

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रामलाल पिता रूपाजी पायीदार गांव बरबङ् परगना व जिला रतलाम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्री से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासुं लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि सर्वे० नं० 167/1 क्षेत्रफल 2-340 है० जो कि गांव बरबड़ रतलाम में स्थित है।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन क्षेत्र, भोपाल

तारीख: 17-12-80

प्ररूप माई० ठी० एन०एस०---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के अधीन सुचना

भारत् स्रकार

कार्यासय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 9 नवम्बर 1980

निदेश सं० 287/80-81—यतः मुझे, झार० थोथाद्रि नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/ रु० से अधिक हैं,

श्रीर जिसकी सं ० मैद्रिज नम्बर 2127 भीर चला नम्बर 166 है, तथा जो मांगोर हिल्ल, बास्को-डा-गामा, गोवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाचक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मार्मुगोन्ना श्रंडर डाक्यू-मेंट नम्बर 164 दिनांक 10-4-80

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अभृत्ः——

- (1) मेसर्स सुवारी रियम एस्टेट कम्पनी (प्रा०) लिमटेड, रुग्रा प्रकान्सी डे प्रक्नुकर्क, पंजिम। (ग्रन्तरक)
- (2) दि गोल्डन हिल्ल भ्रपार्टमट कोग्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, वास्को-डा-गामा, गोवा। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्परित को अर्जन को सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कार्दे भी आक्षेप:--

- (क) इस सुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनसर्ची

गोवा, वास्को-डा-गामा, मांगोर हिल्ल में स्थित 2127 क्वेयर मीटर खुली जगह जिसका मेद्रिज नम्बर है 1692 श्रोर चलता नम्बरहै 166।

> भ्रार० थोथादि, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजैन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 9-9-1980

मोहरः

प्ररूप धाई • डी • एम • एस • -----

आयकर समिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-च (1) के संधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर,दिनांक 9 सिसम्बर 1980

निर्देश सं० 288/8081--- यतः मुझे, श्रार० थोषादि आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/-क से अधिक है

श्रीर जिसकी सं मृतिसिपल नंबर 4-110 (नया), चल्ता नम्बर 417 श्रीर 418 है, जो मकदमपुर, गुलबर्गा में स्थित है (ध्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय गुलबर्गा श्रंडर डाक्युमेंट नम्बर 301 दिनांक 24-4-80

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रशिफल के लिए धन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरक के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उच्त धन्तरण निखित में बाह्तविक छप से किथा नदीं किया गया है ।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; खोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहितयों को जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए भा, भिषाने में सुविधा के किए।

अंतः, अव, उस्त अधिनिष्य की धारा 269-ए के सनुसरण में, में, उस्त धविनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्मसिवित व्यक्तियों, अवित्।---

- (1) श्री भीमराय यलवंतागी का पुत्र (1) शिवलिंगम्पा (2) हरण्णा (3) चिंदानन्द (4) माणिकराथ (5) हनमतराव शिवलिंगप्पा यलवंतागि (6) सिद्प्पा यलवंतिंग का पुत्र श्रम्नतराथ धुतरगाव, तालुक श्रानन्द जिला गुलक्षर्गा। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मनोहरराव काणिनाथराव पंडित मक्दमपुर, गुलबर्गा। (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घर्षा, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्वब्दो कर गः --- ६ पर्ने प्रयुक्त गर्को और पर्यो का, जो उनत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिमाधित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है ।

अनुसूची

मकदमपुर गुलबर्गा में स्थित जगह श्रौर बिल्डिंग सहित जिसका मुनसिपल नम्बर हैं 4-110 (नया) श्रौर चल्तानम्बर है 417 श्रौर 418

> म्रार० थोथादि, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बेंगलुर

तारीखा: 9-9-1980

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्याल्य, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, बेंगलुर

बेंगलूर,दिनांक 13 नवम्बर 1980

निर्वेश सं० 299/8 0-8 1—यतः मुझे आर० तोताब्रि आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं और जिसकी सं० सर्वे नम्बर 1 है तथा जो, डोंगुली, तालुक सातारी

श्रीर जिसकी सं नम्बर 1 है तथा जो, डोंगुली, तालुक सातारी गोवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्क श्रनुसूची में श्रीर पूणं रूप से विजन है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सातारी वाल्गीड गोवा अंडर डाक्युमैन्ट नम्बर 29 में भारतीय रजिस्ट्री-करग श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख अंग्रैल 1680

करे पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्दृह्देय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीन ध--

- (1) श्रीमती रत्नमाला सस्यनारायण रोव उर्फ श्रीमती श्रार० एस० रोव
- (2) लेफ्टिनेन्ट कर्नल कठपति सत्यनारायण रोव उर्फ लेफ्टिनेन्ट कर्नल के०एस० राव, थानेम डोंगुलि तालुक सातारी, गोवा (भ्रन्तरक)
- (2) श्री रिस्टिक सोसाईटी प्रतिनिधि (1) ग्रध्यक्ष श्री हुगां डिसौजा, सोनार विल्ला रैया, सास्सेट गोवा
- (2) सेक्रेटरी श्रीमती नोर्मा झाल्बारिस थाने वाल्पोई गोवा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्तः शब्दों आरे पतों का, जो उक्तः अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अन्स्ची

गोवा के सातारातालुक डोंगुलि ग्राम में स्थित 1488 00 स्केवर मीटर खुला जगह जिसका सर्वे नम्बर 1 है भौर जिसका नाम है "ग्रल्डिया डिनोमिबीडा डोंगुलि।

श्चार० तोताबि सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, बेंगलूर ।

तारीख: 13-11-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

क्षायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर,दिनांक 14 नवम्बर 1980

निदेश सं० सी० ग्रार० 62/26783/80-81/एक्यू-की०---यतः मुझे ग्रार० तोतान्नी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है।

भीर जिसकी सं० भार० एस० सं० 58/4 श्रीर टी० एस० सं० 1575/6 श्रीर छोर सं० 3-31-2653 है, तथा जो कोडियल बैल गांव, कद्री वार्ड, मंगलूर टाऊन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 18-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है धौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कियत महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त ग्रिष्ठ-नियम के ग्राधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रग्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था द्विपाने में सुविधा के किए;

ग्रतः, ग्रम, उमत ग्राधनियम की घारा 269-ग के प्रतृ-सरण में, में, उक्त ग्रिधनियम की धारा 269-व की उपघारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित म्यक्तियों, ग्रथीतु:--

- (1) श्रीमती ब्रालीस माँटे मेरी डेसा विवंगत ब्रलायसियस् एडवर्ड डेसा वेलेंसिया, तीसरी रोड टी०पी० एस् बांद्रा बम्बई जिसका प्रतिनिधि है श्री ब्रलफेन्स पीटर जान श्ररान्ह काफी प्लान्टर, कद्री मंगलूर-2। (अन्तरक)
- (2) श्री श्रीधर बाबूराय किणी बाबूराय किणी का पुत ट्रान्सपोर्ट कन्डक्टर डेसा काम्पोंड पिन्टो लेन, कोडियल बैस, मंगलूर-3

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेय:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ठीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसची

(दस्तावेज सं० 90/80-81 तारीख 18-4-80) घर सम्पत्ति है जिसका सं० है श्रार० एस० सं० 58/4 श्रीर टी० एस० सं० 1575/6 श्रीर डोर सं० 3-31-2653

को डियल बैल गांव कब्री वार्ड, मंगलूर टाऊन, चकबन्दी है। उत्तर में—इसी सर्वे सं० का बाकी जगह दक्षिण में—एस० डी० लेन पूर्व में—एस० डी० लेन पश्चिम में—प्राईवेट रोड

> श्वार० तोताद्वि सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, बंगल्र

तारीख: 14-11-80

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर मिश्रनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज बेंगलूर

बेंगलूर, दिनोक 16 नवम्बर 1980

निदेश सं० सी० श्रार० 62/26961/80-81/एकु०/बी०-यतः मुझे श्रार० तोताङ्गी

आयकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- द० से अधिक है

ष्ट्रौर जिसकी सं० वेकेन्द्र सैट सं० 1 थ्रौर म्यूनिसिपल सं० 2520 है, तथा जो 2 डिविजन तुमकूर में स्थित है (थ्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में थ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय तुमकूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 25-4-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह
प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
कप से किश्वत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिश्चिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिश्चिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः ग्रन, उनत मधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उनत अधिनियम की घारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री देवदासन ग्रहमिनिस्ट्रेटिव ग्रधिकारी कर्नाटक सेन्ट्रल डयोसिस सी०एस० ए० काम्पाउन्ड, बेंगलूर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री (1) महिमय्या दिवंगत चन्नबसप्पा के पुत्र, जमीदार एस० एस० परम, तुमकुर

(2) श्रीमती बसम्मा दिवंगत जी० सिद्द्या की पत्नी गुल्लूर तुमकूर (ता)

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीधनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वही श्रथं होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं०490/80-81 तारीख 25-4-80) खाली जगई सं० 1
म्यूनिसपल सं० 2520
2 डिविजन तुमकूर चकबन्दी है
उत्तर में—सी० एस० ए० वोकेशनल
सेन्टर बिल्डिंग
दक्षिण में—रेलवे स्टेशन रोड
पूर्व में—जगह सं० 2
पश्चिम में—प्रवासी मन्दिर

श्रार० तोताद्वि सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भेंगलूर।

तारीख: 15-11-80

मोहरः

प्र**रू**प आ**र्ड**.टी.एन.एस.------आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, विनांक 14 नवम्बर 1980

निदेश सं० सी० भार० 62/26962/80-81/एकु० बी----यतः मुझे आर० तोतात्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

त्रौर जिसकी सं वेकेन्ट सेंट सं 2 म्युनिसपल सं 2520 है, तथा जो 2 डिविजन सी 0 एस 0 ए० कम्पाउन्ड तुमकुर में स्थित है (श्रौर इस से उपाबज अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय तुमकुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 25-4-1980 को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मृष्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गिर्म प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में; में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) देवदासन एडमिनिस्ट्रेटिव ग्रधिकारी कर्नाटक सेन्ट्रल डयोमेस, सीठ एसठ एठ कम्पाउन्ड बेंगलूर

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री (1) एम० वृषणेन्द्र स्वामी हैंड ग्राफ दी डिपार्टमेंट सिविल उन्जीनियरिंग सिद्गंगा उन्स्टीट्युट ग्राफ देवनालजी, तुमकुर
- (2) फे॰ एम॰ चन्द्रशेखरय्या 16--416G1/80

हेड आफ दी उडिपार्टमेंट आफ इलेक्टीकल इन्जी-नियरिंग शिद्गंगा उन्स्टीटयूट आफ टैंकनालाजी तुमकर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

(दस्तावेज 491/80-81 तारीख 25-4-80) खाली जगह जिसकी सं० है 2।
म्युतिसिपल सं० 2520,
2 डिबिजन,
सी० एस० ए० कम्पाजन्ड, तुमकुर
चक्रबन्दी है:—
उत्तर में—सी० एस० ए० बोकेशनल
संन्टर बिन्डिंग
दक्षिण सं—रेलवे स्टेशन रोड
पूर्व में—जगह सं० 3

स्रार० तोताद्वी सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, बेंगसूर।

नारीख: 14-11-80

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 नवम्बर 1980

निदेश सं० सी० ग्रार० 62/26963/80-81/एकु की०--यतः मुझे ग्रार० तोतान्नी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

भौर जिल्लिको सं० वेकेन्ट सैट सं० 4, म्युनिसपल सं० 2520 है, तथा जो 2 डिविजन सी० एस० ए० कम्पान्ड तुमकुर में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय तुमकुर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख 25-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्निलिखत उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अभितः— (1) श्री देवदासन एडमिनिस्ट्रेटव ग्रधिकारी कर्नाटक सेन्ट्रल डयोसिस सी०एम०ए० कम्पाउन्ड, बेंगलर

(भन्तरक)

(2) श्रीमती सुधा राजशेखर श्रतियासजी० प्रेम सुधा जी० एस० राजशेखर की पन्नी एडवोकेट एस० एस० पुरस, सुमकूर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सपस्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु^ह, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हु^ह।

घनुपूची

(दस्तावेज सं० 492/80-81 तारीख 25-4-80) खाली जगह है जिसका सं० 4, म्युनिसपल सं० 2520, 2 डिविजन तुमकुर चकबन्दी है:---

उत्तर में—सी० एस० ए० बोकेशनल सेन्ट बिल्डिंग दक्षिण में—रेलवे स्टेशन रोड पूर्व में—जगह सं० 3 पश्चिम में—जगह सं० 5

> म्नार० तोतात्री सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर मा**युक्त (निरीक्षण)** श्र**र्जन रेंज, बेंग**लूर ।

तारीख: 14-11-80

प्ररूप आई. टी. एन- एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज बंगलुर

बंगसूर, विनांक 20 नवम्बर 1980

निदेश सं० सी० श्रार० 62/26965/80-81/ए० सिक्यू--यत:मुझे श्राई० तोथाजी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० खुला जगह सं० 3ग्र म्युनिसपल सं० 2520 है, तथा जो दूसरा ढिविजन तुमकूर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय तुमकूर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन सारीख 25-4-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकन मंगति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत से ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीब ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकत का विश्वास निकास कि विश्वास नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त आधि-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे जबने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बंत: बंब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ब्र्धीन, निम्मुलिखित व्यक्तियों, ब्र्धुत्:-- (1) श्री देवदासन, एडमिनिस्ट्रेटिव श्राफीसर कर्नाटक सेस्ट्रल डायघोसिस,सी० एस० ए० कम्पाउन्ड सं० 20, तीसरा कास बेंगलूर 560027।

(भ्रन्तरक)

(2)(1) निर्मेला कुमारस्वामी प्रा० जि० एस० कुमारस्वामी के परनी विद्यानिकेतन सिह्गंगा हायस्कूल एक्सटेन्शन तमकर।

(2) श्री जीं जीं पीं शिवकुमार (3) जीं पीं व्यानन्दा (4) जीं जीं पीं नटराज धने 2 से 4 तक, गांधीनगर तुमकुर के सहवासी है।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आअंप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त सम्दों भीर पदों का, जो हमत ग्रिश्वनियम के भ्रष्टयाय 20-क मे परिभाषित है वहीं ग्रर्थं होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गय है।

मनुसूची

(दस्तावेज 494/80-81 तारीख 25-4-1980) खुली जगह सं० 3, जिसका म्युनिसपल सं० 2520 है तथा जो दूसरा डिविजन तुमकूर में स्थित है। मैजरिंग--721/2 167 1/2

चकवन्वी है :---

पूर्व में — जगह सं० 4
पश्चिम में — जगह सं० 2
उत्तर में — सी० एस० ए० वोकेशनल सेंटर
दक्षिण में — रेलवे स्टेशन रोड ।

भार० तोथाती सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, बेंगलर ।

तारीख: 20-11-1980

मोहरः

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० 🕶

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलर

बेंगलूर, दिनांक 20 नवम्बर 1980

निदेश सं० सी० श्रार० 62/26967/80-81/ए० सिक्यू-बी०---यत- मुझे श्राई० तोषाक्षी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

थौर जिसकी सं खुला जगह सं 7 म्युनिसपल सं 2520 है तथा जो दूसरा डिवजन तुमकूर में स्थित है (थौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में थौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तुमकर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने फ्रे अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के किए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आफ्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री देवदासन एडमिनिस्ट्रेटिव श्राफिसर कर्नाटक सेंन्ट्रल डायगोसिस सी० एस० ए० कम्पाउन्ड सं० 20 तीसरा कास बेंगलूर-560027

(ग्रन्तरक)

(2) श्री (1) अंबली जी० सिट्टालगप्पा दिवंगत गुरुचश्रवसप्पा के पुत्र, जमीनदार (कृषक)

(2) श्री गुब्बी होमहल्ली, गुब्बी तालुक तुमकूर जिला। एच० एम० बसवराजप्पा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी सं सं 45 दिन की अविधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पृषांकत व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्याकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनसुची

(दस्तावज सं० 496/80-81 तारीख 25-4-1980) खुली जगह सं० 7, जिसका म्युनिसपल सं० 2520 है, तथा जो दूसरा डिविजन तुमकूर में स्थित है। मैनेजिंग $74'-3''\times 167$ 1/2।

चकबन्दी है:---

पूर्व---में विद्यानिकेतन स्कूल । पश्चिम---में जगह सं० : ६ । उत्तर---में सी० एस० ए० वोकेणनल सेंन्टर इमारत । दक्षिण---में स्टेशन रोड ।

> ग्रार० तोथात्री सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर <mark>प्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रर्जन रेंज, **बंगलूर** ।

तारीख: 20-11-1980

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के घंधीन मूचना

वारक्ष सरकार

कामलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बेंगलुर

बंगलूर, दिनांक 14 नवम्बर 1980

निदेश सं० सी० ग्रार० 62/26780/80-81/एकु बी०---- यतः मुझे श्रार० तोतात्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इमर्ने इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के सधीन मक्षम पाधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संदित जिसका एषित बाजार मूख्य 25,000/- द० से अधिक है

है से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० एस० सं० 136/38 है, तथा जो मुदनीदम्बर गांव, अलरकाड वार्ड, उडूपी म्युनिसपैलिटी उदपी में स्थित हैं (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण हप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदपी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 14-4-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंशित का के दूर हान प्रतिकृत के लिए अन्तिकृत को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्त का उच्चित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्भ (अन्तरकों) और अन्तरिती , अन्तरितिकों। के बीच ऐसे अन्तरण के विश्व प्रया गया प्रतिकृत का निम्तिविधान अदृश्य में उन्त अत्य के विश्व में वास्तिविक रूप से कथा नहीं एया गया है:—

- (क) अन्तरम से दुई किसी याम का बानन उन्हा अधि-नियम, के अनीन हर किसी एउटक टिसाबिट्य प्रक्रमी करने या उनसे अपने में स्टिस्ट के किए; सीराया
- (ख) एसी कियो आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हे अपरतीय अव्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या खबत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसार पर्व जन्मरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय। या या कर करण आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए

अतः **अव**, एक्त अधिविषय की धारा 269-म के अनु-सरण में, में, उका अधिविषय का व्यक्ति 26 क्ष्म की **प्रवदारा** (1) के अधीन, रिम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थातः - (1) श्रीमती लीला एम० पै० के० ष्ठा० के० महनदास पै० की पत्नी श्रज्जरकाड, उड्पीटाउन,

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रलबन डेनीसडिसोजा सालवाडोर डिसोजा के पुत्र, मिट्टबेट, पेरनाल गांव, उदुपी (ता)।

(ग्रन्सरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध्या तस्त्रंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की प्रविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा;
- (ख) इस मूचना के राधात में प्रकाणन का तारीख से 45 दिन के भीतर उद्य स्थावन संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति शरा, अधोहरताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकतें।

स्वडहीकरण !—इसमे प्रयुक्त गव्दों मीर पद्यों का, जो उनत अप्तिनियम के धड़याय 20-क पे परिभाषित है, वही अर्थ होगा. को उस अध्यान में दिया गया है '

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 83/8081 तारीख 14-4-80) घर सम्पत्ति है जिसका सं० एस० सं० 136/38 मुद्दनीदम्बर गांव, अजजरकाड वार्ड उदूपी मुनिसीपालिटी उदूपी (एस० के०) चकबन्दी हैं:—— उत्तर में—सर्वे सं० 136/37 दक्षिण में—मर्वे सं० 136/39 पूर्व में—सर्वे सं० 136/38 पिष्वम में—पब्तिक रांड

ग्रार० तोतान्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

ता**रीख:** 14-11-1980

मोहरंः

(मन्तरक)

प्रकप माई० टी० एन० एस०-

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जनरें जमंगलूर

मंगलूर, दिनांक 14 नवम्बर 1980

निदेश सं० सी० भार० 62/26782/80-81/एक्यू० बी०---यतः मुझे भार० तोतासी

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 द० से प्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० भ्रार० एस० सं० 98, भ्रौर टी० एस० सं० 74 है, तथा जो भ्रन्तावर गांव, कुडम्बी लेन, कोर्ट वार्ड, मंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय बेंगलूर सिटी में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 18-4-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबस उक्त भ्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिये; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त भिधिनियम, या धनकर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

भतः भव, उन्त भिधिनियम, की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उन्त भिधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के भधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्मात्:— (1) 1. श्रीमती बी० पदमावती
2. श्रीमती के बीमा राव
(3) श्री एस० हरिएचन्द्र राव

कुडुम्बी गार्डन बालमट्ट मंगलूर

- (2) श्रीमती मंजुला एन० वसानी नरेन्द्रकुमार वसानी की पत्नी बोल्ड केन्ट रोड, मंगलूर-1 (झन्तरिती)
- (3) सर्वेश्री (1) विष्वनाय भाचर
 - (2) वेंकटेश प्रभु
 - (3) वेंकटेश पै

ग्रार० एस० सं० 98 ग्रीर टी० एस० सं० 74, ग्रतावर गांव कुडम्बी लेन, मंगलूर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पतित है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (त) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीण से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीन से 30 दिन की प्रविध, वो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बंद्र किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रम्नोहम्ताक्षरी के पान निखित में किए जा सकेंगे।

स्वकाशिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो खक्त मिवित्यम के सम्याय 20-क में परिचालित है, वहीं अर्थ होगा जो उस सम्याम में विधः गया है।

धनुसूची

(वस्तावेज सं० 88/80-81 ता० 18-4-80) घर सम्पत्ति है जिसका सं० ग्रार० एस० सं० 98, ग्रीर टी० एस० सं० 74, ग्रतावर गांव, कुडुम्बी लेन, मंगलूर चकवन्दी है:—

उत्तर में--छानेल वक्षिण में--प्राईवेट प्रापर्टी पूर्व में--प्राईवेट प्रापर्टी और प्यासेज पश्चिम में--छानेल

> धार० तोताली सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर घायुक्त (निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, मंगलूर ।

तारीख: 14-11-80

अश्यकर **संत्रितियन, 1961 (1961 का 43)** की धारा 269-च (1) के बद्यीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, मंगलूर

मंगलूर, दिनांक 14 नवम्बर 1980

निवेश सं ० सी ० धार ० 62/26784/80-81/एक्य ० बी ०---यतः मुझे ब्रार० तोतात्री आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) इसर्ने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ₹0 से अधिक है श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० सं० 444, श्रीर टी० एस० सं० 282 है, तथा जो कोडियल बैल गांव, कम्बला वार्ड में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मंगलूर में रिजस्टीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 24-5-80 को पूर्वोक्त पम्पति के उचित वाबार पूरुय से कम के पृश्यमान प्रति-फल के लिए भन्तरित की गाहे हैं पोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छपित बाजार मृल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रिगत से पिषक है भीर अन्तरक (भ्रम्तरकों) और अन्तरिती (अन्सरितियों) के बीच ऐमें मन्तरण के लिये तय पाया गया

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत खबस अधिनियम के मधीन कर देने के घस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के जिए। और√या

प्रतिकत, निम्नलिखित छद्देश्य से छन्त अन्तरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(च) ऐसी किसी भाष था किसी धन या अन्य आस्तियो को जिन्हें भारतीय घायकर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उपत प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयंजनार्ध अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या निया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविक्षा के लिए ।

अतः अव, उन्त पश्चितियम की घारा 269-म के अनुसरण में, में, उन्त अधितियम, की घारा 269-म की उपचारा (1) के अधीम, निम्नलिखित स्यक्तियों अर्थान :—- (1) श्रीमती प्रेमा घलियास सरोजिमी वेबी बा॰ एस०पी० मट का विधवा नेहरू एवेन्यू कोडियल बैल, मंगलूर

(प्रन्तरक)

(2) श्री एन० रमेश राव एन० सुख्वस भट का पुत्र (चैतन्या स्टोरस) बोल्ड केन्ट रोड, मंगसुर

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के सर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामील से 30 विन की भविध, जो भी
 धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोद्वस्ताकरों के पास सिखित में किए जा सर्वेगे।

स्पष्टीकरण !--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित [है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनृस्ची

(बस्तावेज सं० 91/80-81 तारीख 24-5-80) घर सम्पत्ति है जिसका सं० भार० एस० सं० 444, भीर टी० एस० सं० 282, कोडियल बैल गांव काब्ला वार्ड मंगलूर। घकवन्दी है:—

उत्तर में — आर० एस० सं० 282/ए दक्षिण में — रोड पूर्व में — टी० एस० सं० 443 का जगह पश्चिम में — आर० एस० सं० 282/ए का जगह

> ग्रार० तोतात्री सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मंगलूर ।

तारीख: 14-11-80

प्रकप भाई० डी० एन० एन०----

प्राय हर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-ध (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 14 नवम्बर 1980

निवेश सं० सी० आर०/26787/80-81/एक्यू बी०---यतः मुझे आर० तोतात्री आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० आर० एस० सं० 584/1 और टी० एस० सं० 199-1 है, तथा जो कसबा बाजार विलेज मंगलूर में स्थित है (शीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण हप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

तारीख 30-5-1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भग्तरित की गई है और मुझे यह विभवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ती सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, छसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रश्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐन प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण निश्चिन में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (६) ग्रन्तरण के दूई ितसी माय की बाबत उबत ग्रिधिनियम, 1961 के ग्रधीन कर वेने के ग्रन्तरक के विधित्व में कमी करने या उससे बचने में गुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1961 या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मूबिधा के लिए;

श्रतः अस्य, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात् के---

- (1) (1) श्रीमती तीणा झार० बंगीरा श्रीमती गीलवती की पुत्री, गंतनगर, घटकोपर बम्बई
 - (2) श्रीमती रमा, श्रीमती लीलावती की पुत्री हंपनकट्टा मेन्टर, मंगलूर टाऊन,
 - (3) कुमारी विद्यावती श्रीमती लीलावती की पुत्री (ग्रन्तरक)
- (2) (1) श्री हंपनकट्टा सेन्टरमंगलूर टाऊन,
 - (2) श्री बशीर श्रहमद श्रादम साहिब के बेंटे बोक्बोयतोट्टी, उप्पाला पोस्ट, केरला
 - (3) श्री एम० मुलेमान एस० यू० साहेब के बेटे मारनामी कही मंगलूर टाऊन
 - (4) ए० पी० इटालिया, पी० एन० इटालिया के बेटे लाइट ख्राफ परिसया रेस्टोरेन्ट हंपनकट्टा, मेंगलूर (भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

प्रमुख्यो .

(दस्तावेज सं० 158/80-81 तारीख 30-5-80) घर सम्पत्ति है जिसका श्रार० एस० सं० 584—1 श्रीर टी० एस० सं० 199—1 कस्बा बाजार विलेज, मंगलूर

चकबन्दी है

उत्तर में--प्राईवेट प्यासेज दक्षिण में--उसी सर्वे नम्बर का बाकी जगह पूर्व में--के० एस० राव रोड पण्चिम में--उसी सर्वे नम्बर का बाकी जगह

> श्चार० तोतात्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर <mark>श्रायुक्त (निरीक्</mark>षण) श्रर्जन रेंज, बंगसूर ।

तारीखा: 14-11-80

प्ररूप भाई० टी० एन० एम०----

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्राजीत रीज, वंगलर

बंगलुर, दिनांक 14 नवम्बर 1980

निदेश मं० मी० ग्राट० | 62/26127/79-80/एकप्-बी०~ -यतः मुझे, ग्रार० तोतावी

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इंगके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत रक्षम पाधिकारी की, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है।

ग्रौर जिसकी सं० ग्रारलासल सं० 816-1 वी. ग्रौर टीलासल संल 657-1 वी है, तथा जो कोडियल बैल, मनगड़ वार्ट, मंगलर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मगलर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियमः 1908 (1908 का 16) के अधीन 14~4-1980

को पृथीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमार प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाग करने का कारण है हि यथापूर्वीका अम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य उसके दुण्यमान प्रतिफल से ऐसे दुण्यमान प्रतिफल का पन्द्रहृप्रतिभत से श्रधिक है भौर श्रन्तरक (थन्तरकों) थीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया परिकत, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त ग्रस्तरण लिखिल में बाराविक 🖎 से एथिए नहीं किया गया 🦣 🥌

- (क) अन्तरण में हुई किसी थाए हो बागत, अकत श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिπ; सौर/मा
- ्ख) ऐसी किसी साथ या किसी धन या श्रन्य श्रास्तिको को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या गा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)

के अधीज निम्नलिधित व्यविनसीं, भणीत : -

(1) डा० रमाकान्त एस० महल वालनीय मंगलर-2

(ग्रन्तरक)

(2) श्री (1) यी० गनेण प्रभु, (2) श्रीमती लक्ष्मी पभ, गॉरी मट स्ट्रीट, मंगलूर टाउन

(धानिर्ना)

को यह सूबना नारी करहे पूर्वोका समान्ति के सर्वोत के लिए कार्यवाहियां करता ह ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर युचनाकी तामील से 30 दित की अविद्या, मी भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूतना के राजपत्र में पकाणन की तारीख से 4,5 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के लिखिन में किए जा सकेंगे।

साठटो हरण: --उसमें प्रपुक्त णक्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस श्रष्टपाय में दिया गया है।

ग्रनसमी

(दस्तावेज सं० 1196/80-81 दिनांक 14-4-80) जगह मं० भ्रार० एम० मं० 816—1वी ग्रीर टी० एम० मं० 657—1वी, कोडियल वैल गांव, मन्नग्डु वार्ड, मंगलर चकबर्न्दा है :---

उत्तर में--सर्वे लेन, और म्युनिसीपल रोड दक्षिण में--इसी सर्वे मं० की बाकी जगह पुर्व में---इसी सर्वे सं० की बाकी जगह पश्चिम में---टी० एस० सं० 656-2 के गर्वे लेन

> श्रार० तातावी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलरा

नारीख: 14-11-1980

मीहर :

17---416Gf/80

प्रह्म ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस----

श्रायक्तर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारी 269-व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) श्रजीन रोज, बींगलर

बेंगलूर, दिनांक 18 नवम्बर 1980

निदेश मं० मी० ग्रार० 62/26753/80-81/ए० सिक्यू०/बी०--यतः मुझे, ग्रार० तोनाझी आगरुर प्रिश्तिचण्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है ग्रीर जिसकी मं० 46. है, तथा जो प्रेमिनेड रोड सिविल स्टेशन बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय णिवाजीनगर श्रेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नारीख 24-4-1980

कि प्रधान तीराख 24-4-1980 को पूर्वोक्त सम्मित को उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अग्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (ह) प्रनारण में हुई किनी ग्राय की बावन उक्त ग्रांजि नियम के ग्रंधीत हर देते के ग्रन्तर ह के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृबिधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्न अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेजनार्थ सन्तरिती ब्रारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, (1) श्री अब्दुल रणीद श्री मोहम्मद यूसुफ के पूत्र मंश 94/2, इनफंट्री रोड, बेंगल्र

(ग्रन्तरक्)

(2) (1) श्री श्रो० मैयद मुलैमान दिवंगत श्री मैयद उस्मान के पुत्र, (2) श्रीमती अन्वरी वेगम, श्री श्रो० मैयद मुलैमान के पत्नी, दोनों मं० 38, स्टांडगे रोड िट्यल स्टेशन, वेंगलूर के निवासी हैं।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचन सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपब्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस श्रष्टवाय में विया गया है।

श्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 261/80-81 तारीख 24-4-1980) प्रिमौसिस जिसका सं० 46. (पुराना सं० 1-व०) तथा जो प्रीमिनेड रोड, सिविल स्टेणन बेंगलूर में स्थित है, मैं जरिंग 1955 स्कायर मीटर और तथा स्ट्रक्चर्स उसके उपर है। चक्रबन्दी:——

पूर्व में---वंडर्स संपत्ति का पूर्व भाग ।
पश्चिम में---प्रोसिनंड रोड ।
उत्तर में---वंडर्स रोड 15' चौड़ा लीडिंग ट्रुप्रोमिनेड रोड
से पूर्व भाग ।
दक्षिण में---सं० 47, प्रोमिनेड रोड ।

ग्रार० तोथावी, मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर ।

नारीख: 18-11-1980

मोहरः

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

आयकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज बेंगलुर

बेंगलूर, दिनांक 26 नवम्बर 1980 निदेश मं० मी० ग्रार० 62/26964/80-81/एकु० /बी० -—यत: मुझे ग्रार० तोतावी

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह त्रिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी मं० वैकेंट मैट मं० 5 ग्रीर म्यूनिसिपल सं० 2520 II डिविजन तुमकूर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रतुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय तुमकूर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रशीन 25-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रीक्षक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की वाबत, उक्त श्राध-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269मा के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269मा की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत :--- (1) श्री एस० जी० देवदासन एडमिनिस्ट्रेटिब श्रधिकारी कर्नाटका सेंट्रल डयोसिस, सं० 20, 11 कास, गी०एस० ए० कम्पाउन्ड, बगलुर-560027

(भ्रन्तर्क)

 (2) श्री एन० ग्रार० श्रीरामय्या डोट्टी एन० रंगथ्या णेट्टी का पुत्र,
 1 मेन रोड, विनायक नगर नुमक्र

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

पक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकतें।

स्यव्हीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, को उक्त ग्राधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

(दस्तावेज सं० 493/80-81 तारीख 25-4-1980) वेकेंट मैंट सं० 5, म्युनिसियल सं० 2520, II डिविजन, तुमहूर।

चक्रबन्दी:---

उत्तर में--र्गा० एग० ए० वोकेशनल सेंटर बिलडिय दक्षिण में--रेलवे स्टेशन रोड पूर्व में--सैट गं० 6 पश्चिम में--सैट गं० 4

> श्रार० तोतास्ती सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बेंगलूर ।

नार्गाख: 26-11-80

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

आध्यम्**र मधिनियम, 1961 (19**61 का 44) की धारा 2**69-ष(1)** के मधीन नूचना

मारत भर∗ार

सहायकः स्रायकर स्रायक्त (निर्राक्षण) स्रजन रेज, बेंगलूर

र्बगलूर, दिनांदः २६ नवम्बर । १८०

निदेश सं० सार० - 62/26966/80-81/एव् / बी० --पत. भुझे सार० तीतावी

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 25,000/- ६० स अधिक है

ग्रीर जिसके(में० वेरिट सं० 5. ग्रीर म्युनिस्पिल सं० 2520 II डिविजन तुमारू में स्थित है (ग्रीर इससे एए।बद्ध ग्रतुमुत्ती में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है). रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रीप्रकारी के कार्यालय तुमकर में रिजस्ट्रीकरण ग्रीप्रिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीचीन 25-4-1980

को पूर्वाकत सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफात के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनक दृश्यमान प्रतिफलसे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्वद् प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रनारिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मा वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (१) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबल, उन्तर प्राप्त-नियम के ग्रधीन कर दल के प्रस्तरक के दावित्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; १८९/वा
- (व) ऐसी किसा प्राय या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, ळिपान म सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के श्रनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री एउ० जी० देवदासन
 एट्टिमिनिस्ट्रेंटिव स्रिधकारी
 कर्नाटका सेट्टल डियोसिंग
 सं० 20/III क्रांस सी० एगॅ० ए० काम्मा उन्हें, बेगल्ट 560027

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० बी० पदमराज्ञ्या
 बोम्माडोट्टी नग पृत,
 11) मेन रोइ. विरायक नगर, त्मक्र ।

(ग्रन्तरिनी)

को पह सूत्रत। जारी करके पूर्वोस्त सम्पत्ति के धर्मन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उत्त बम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाकाप :--

- (क) इस पूत्रना के राजपन में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की प्रविध या तत्सबंधी क्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में स्वाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति हारा;
- (ख) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य क्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखिश में किए आ सकेंगे।

स्पब्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, आ उक्त आधि-ियम के अवध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दरतावेज सं० 495/80-81 तारीख 25-4-80) वेकेंट मेंट सं० ७ स्युनिसिपल सं० 2520, Π डिविजन तुमक् τ

चक्रयन्दी **है** :

जनर मे—सी० एस० ए० बोकेणनल सेटर बिलाडिंग दक्षिण मे—रेलवे स्टेणन रोड पूर्व मे—सैट सं० 7 पश्चिम में—सैट सं० 5

> ग्रार० तोतात्री, मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंनरेज, बेंगलूर ।

नारीख: 26-11-80

माहर :

प्ररूप ग्राई॰ टी० एन० एम०— ————— श्रायकर ग्रिशिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिशीन सूचना

भारत सरकार

नगयितय, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, बेंगल्

वेगलुर, दिनांक 18 दिसम्बर 1980

निदेश में० भी० श्राप्त 82/26695/80-81/ए० सिक्य० बी०---यत मजे, प्रार० योथावी म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इत्त प्रशाद 'उहा प्रतिनिष्म' एहा गया है), की धारा 269-ध ह प्रयोग । जार प्राधिहारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मन्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/~ रुपय कार जिसकी गं० | 2203/50-व | (नया गं० | द-23/प्र) हे, तथा जो स्य बांप बाजार, देवराज मोहरूला, मैसर में स्थित है (ग्राट इसमें उपावड़ अनुमुची में ग्रार पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ही-कर्ता अधिकारों के नायलिय भैसर में राजस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ऋषीन नारीखा 23-4-1980 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफत के निए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विष्ता। हरने हा कारण है कि वयापूर्वोक्त समाति का उचित बाजार मूल्प, उसक दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है घीर अन्तराः (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण क लिए तत्र पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्तरम लिखा में बास्तविक रूप से कथित किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविधा का लिए; परि/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुमरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थातुः--

(1) श्रोमती एम० विजयकुमार्गा (2) एम० एन० मुमादेवो (3) एम० एन० पद्मीना (4) एम० एन० विनाजकुमार (5) एम० एन० हर्षक, श्र० नं० 4 श्रीर 5 मैनमें वै० गार्डीयन भदर श्रीमर्ता एम० विजयकुमार्गा, सब डोर सं० 2203/50, नया सं० डा० 23/1, न्यू बांबू बाजार, देवराज मोहत्ला, मैसुर में रहते हैं।

(ग्रन्तरक्)

(2) (1) श्री स्नारं एसं० चेन्नणा (2) स्नारं एसं० राजणेक्दर (३) स्नारं एसं० चित्रक्यीरणा पाटेनर मैं० भारत इन्डर्स्ट्रीस, न्यू बांबू बाजार, देवराज भीडल्या, मैसूर में है।

(यस्वरिती)

की यह सूचना जारी करके पृत्रीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे.

स्पर्याकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सुरु 208/80-81 तार्नीख 23-4-1980)

खुला जगह जिसका म्यानिसिपल सं० 2203/50-ब. नया सं० इ-23/घ्र. तथा जो त्य बांव बाजार, देवराज मोहल्ला, मैसूर में स्थित है, मैजिरंग 1059.09 स्कायर मीटर्स।

चकवन्दी है :---

पूर्व में--मैं० न्यृ वावृ बाजार रोष्ट । पश्चिम में---प्राईवेट सम्पत्ति ।

दक्षिण में — श्री श्रीर० एस० चेन्न पा ग्रीर भारत इन्डस्ट्रीस के सम्पत्ति ।

उत्तर में--श्री एच रामय्या के सम्पत्ति ।

श्चार० श्रोधादी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेज, बेंगलर

तारीख: 18-12-1980

प्रक्रम माई० टी० एन० एन०------

आयकर प्र**धिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा **269-च (**1) के प्रधीन सुचना

यारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर सायुक्त (निरीखण)

अर्जन रेज, बेंगल्र

बेगलूर, दिनांक । ११ दिसम्बर, 1980

निदेश सं० मी० ग्रार० 62/26697/80-81/ए० सिक्यू० बी----यतः मुझे ग्रार० थोथार्ता

आयकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका चित्त बाजार मूस्ब 25,000/- रुपए से अधिक है

न्नीर जिसकी गं० 4512 हे तथा जो मेंट मेरीस रोड. एव० न्नार० मोहल्ला. मैंसूर में स्थित है (ब्रॉर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मैंसूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये पन्नरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (मन्तरकों) भीर भानी रेती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किया सरका बाबल उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देन वे अन्तरक के दायिख में कमा करने यह उना बचने वे सुविधा के निए; बोर/स
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 1))या उ≅त अधिनियम या घन-कर पिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुसिक्षा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त घिविनयम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्पक्तियों, अथौत :--- (1) श्री एम० मुनील दत्त.
 डा० वाई० एम० देवदाथा के पृत
 दाथा क्लीनिक चिक्कबल्लापुर मे रहते हैं।

(ग्रन्तरक)

(३) श्रामती जवाहर मृत्थाना श्री मृतसूर झहमद खान के पत्नी, सं० 4512, सेट मेरीस रोड, एन० ग्रार० मोहत्ला, मैसूर मे रहते हैं।

(ग्रन्तरिती)

को यद्व सुवन। जारी कर्क पूर्वान्त सम्पन्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि वाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक किसी जन्म क्यक्ति द्वारा, बधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पड्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों सीर पदों का, जो उन्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी अर्थ होगा, जो उम प्रध्याय में दिया गया है

भ्रनुभुचो

(दस्तावेज 270/80-81 तारीख 29-4-1980) घर सम्पत्ति जिसका सं० 4512, मेजरिंग 2 1/2 स्केयर्स इमारत श्रार 930, 25 स्केयर्स मीटर्स सैंट एरिया, तथा जो सेट मेरीस रोड, एन० ग्रार० मोहल्ला, मैसूर में स्थित है। चक्रबस्टी है।

पूर्व में--सेंट मेरीग रोड।
पण्चिम में--कान्सर्वन्मी लेत।
उत्तर में--कान्गर्वन्मी लेत।
दक्षिण मे--घर सं० 4511/1

श्रार० थोथाती सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलुर

वरिष्यः: 19-12-1980

त्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर प्रक्रितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रोज. बेंगलूर वेंगलर, दिनांक 20 दिसम्बर 1980

निदेश सं० सी० आए०-62/26719/80-81/एसिक्यू०/बी---यनः मुझे, आए० थोथाबी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिवियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धिवीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति जिसका उवित बाजार मूस्य 25,000/~ ६० में अधिक है

र्म्यार जिसकी गं० मैंट सं० 3058/म्र है, तथा जो बनणंकरी, 2 स्टेज, बंगलूर में स्थित हैं (धौर इससे उपात्रह भ्रनुस्ची में भ्रौरपूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रीधकारी के कार्यालय जयनगर बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-4-1980

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण िलिखत में वास्तिवक क्ष्म में किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

क्षतः श्रव, उनत ग्राधिनियम की बारा 269-ग के श्रनुसरक में, में, उनत ग्राधिनियम की धारा 269-व की उपश्रारा (1) के अधीन निक्मिशिखित व्यक्तियों, अवितः— (1) श्री पी० मी० ध्रानंद श्री पी० निश्चम्वामी के पुत्र, मं० 219, बालाजो रोड, त्यागराजनगर, बंगलूर-28 मे रहते हैं।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एन० सुग्रमनियन, श्री बीठ नटराजेन के पृत्त, सं० 6. देलमा, 261ए०, सेंट्रेल एवेन्यू, चेबर, बम्बई-71 में रहते हैं।

(यन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अबिध या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकों।

स्वष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भवि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्थ होगा, जो उस सम्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 233/80-81 तारीख 16-4-190) रेसिडेन्सीयल कार्नर सैंट जिसका मं० 3058/ए० तथा जो बनशंकरी, 2 स्टेज, बंगलूर में स्थित है, ग्रीर मेजरिंग 479, 46 स्केयर मीटर्स।

उत्तर में—सैंट सं० 3059। दक्षिण में—रोड। पूर्व में—सैंट सं० 3057। पश्चिम में—रोड।

> आर० थोथाबी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

नारीख: 20-12-1980

मोहर:

चकवन्दी है :---

प्ररूप आई°० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, बेंगलूर

बेगलुर, दिनांक 9 दिसम्बर 1980

निदेश में ० | 62/27856/80-81/एक्यू०/बी०---यनः, म्झे. ग्रार० नोताबी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त आंधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000. -रा. से अधिक है

प्रीर जिसकी मं० टी० एग० गं० 71-1 प्रीर धार० एग० मं० 449/1 प्रीर डोर गं० 13-13-1522 प्रीर 1522 ए है तथा जो के० एम० रावरीड, कमबा वाजार गांव, मार्केम बाई, मंगलूर में स्थित है (धार इससे उपावह ध्रतमूची में प्रीर पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय मंगलूर में राजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय मंगलूर में राजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय मंगलूर में राजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय गंगलूर में राजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के ग्रिधिकारी के ग्रिधिकारी वारीख 14-8-1980

को प्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, एसे देश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वारिय से उक्त अन्तरण लिम्नित में वास्तियक कर में की थत नहीं किया गया है.——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें दचने में सुविचा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मृतिथा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ को उपधारा (।) के अधीन, निम्निक्षित व्यक्तियों सभितिः—

- (1) (1) मध्य लारेन्स गोन्सालवेस, स्टराक रोड, फालसीर भंगल्य।
- (2) राब्फ स्टीफन गोन्सालवेस बिन्दीय को ग्रापरेटिब सोसाईटी लिमिटेड 19-बी. ब्लाक,]] पर्लोर हिल रोड. बोडा बम्बई-50
- (3) स्टानीस्लाम प्यार्ट्राक गोन्सालवेस 23, रोगे विविद्या 48 कलेर रोड, वैक्ल्ला बम्बई-8
- (4) श्रामवालक्ष एडमंड, श्रलायमियस गोन्पाल्वेस, के एयर राव रोड, मंगल्र।
- (5) माड गोन्सालवेस, दिवंगन नरबरट जे० गोन्।ाल्वेस का विश्वता पत्नी : के० एस० राव रोड, मंगलूर
- (6) कलारेन्स निकालास गोन्सालवेस, बीर्वाबाई हेरेस. स्पेन्स लेन, बैकुला बस्बई ।
- (7) लारेन्चे ए०एम० लीबी में 19, सेवियर लेखाउट वेगलर-47
- (8) द्रेम्सी बाष्टीस्ट् जोचीम लीखो की पुत्ती संर 10-जे. श्रम्थायी रोड.]][कास बेंगल्र-12
- (9) जीसफ लीबी ट्रैल मरचेन्ट 'मार्यातिकेतन' VIII फ्लीर, फ्लाट - सं० 7 मक्षगांव, बम्बर्ड-10
- (10) फ्लॉस्सी ए० एम० फरनाई/स जोचीम, लोबी की पूर्वी 31, क्रोंक श्रीक लेन श्रक्षलस्टीन सरे, इस्मलैंन्ड
- (11) ऐरीप मेनेजेसदिवंगत जोचीम लोबों की पुत्री लोबों लेन कड़ीमंगलूर-2
- (12) फिलिप धंतोनी ग्रेगरी कारवाली
- (13) तामस फ्रांत्सीस जोसेफ कारवालों फिलिए ए० जी० कारवालो चा पृत्र
- (14) श्रीमती सांतीया फिलोमिना डिसोजा फिलिए ए० जी० कारवालो को प्ती सं० 12 से 13 तक सं० 13-बी, पैकाफट गाईन रोड नंगमवाकम सदास 6 में रहने वाले
- (15) ग्रारतर ए० एम० पिन्टो गिलवरट पिन्टो का पत म० 44, प्रसन्त 29/51 नेसबीट रोड मझगांव भागर्र

- (16) श्रीमती ग्रोस, रसकीना दिवगत गिलबरट पिन्टो की पुत्री विकटरी कोट, मंगलाद्वेवी रोड मंगलूर-1
- (17) श्रीमती मरिलन रीगो गिलबरट पिन्टो की बुक्री बेन्दूर बेल के पास, मंगलूर
- (18) हैरबरट एम० सी० नरोहा सं० 16 पिकाडील्ली फ्लाटस क्लेर रोड बेक्ल्ला, बम्बई-8
- (19) श्रीमती रोवी एम०ए० रीगो शिक्षक सं० 543 विस्ला मोहिन्दर टी० पी०एस० III, XIII रोष्ठ, खार, बम्बई-
- (20) मेरी टी० म्रार० मेनेजस सं० 3 माडरन फ्लाटस, 128 बोडे हाउस, रोड कोलाबा बम्बई-5
- (21) टेरेन्स हेच नरोन्हा इकसीकुटीव श्राडमस फारम-कुटिकल प्राईवेट लिमिटेड VI फ्लोर, प्रसन्न, जैसबिट रोड, मजगांव बम्बई-10 में रहने वाला
- (22) इवोन ई० टी नरोन्हा मरिमन मेनशन श्रनेक्स-1, सेन्द्रल श्रविन्यु, चेन्थर बम्बई
- (23) श्रीमती इवा मेरी नरोन्हा ए-16, पिकाडिल्ली फ्लाटस क्लेर रोड, बैकुल्ला, बम्बई
- (24) श्रीमती इंडना कोले स्टेनोग्राफर सं० एस० 402, ग्रविन्यू-7, ग्रेटर कैलाण,सं० 1 नयी बिल्ली-48.
- (25) फ्रांकलिन कारवलो फिलिप कारवलो का पुत्र, यू० एस० ए० में रहने वाला इसके प्रतिनिधि है ग्रासवालड इ० ए० गोन्सालवेस (क्रम स० 4)
- (26) विन्स्टन कारवोल फिलिप कारवलो कापुत्त, यू०एस०ए० में रहने वाला प्रतिनिधि है ग्रासवालड इ० ए० गोन्मालवेस (क्रम सं० 4)
- (27) टेरेन्स हेनरी नरोन्हा सं 42 प्रसन्न VI फ्लोर, नेसबिट रोड मजगांव, बम्बर्ड
- (28) इरवीन ए० एन गोन्सालवेस, मेनेजर, मरचेन्टाइल बैंक लिमिटेड, सं० 31 बी० बी० डी० बाग, कलकत्ता।
- (29) ईवा मेरी नरोन्हा 'ग्लामर' 14/2 चैतन्या सोसाईटी, नजीवन, श्रहमदाबाद 14

(30) इडड्डा मेरी डिसोजा शिक्षक, कोडियल बैल, मंगलूर

अन्तरक

(2) "नवरत्ना" " डोटल ग्रीर शापिंग काम्पलेक्स, रिजस्टर्ड ग्राफिस है, के० एस० राव रोड मंगलूर में, ग्रीर रेप्रसेंटेटिव है इसका पारटनर श्री एम० रवीन्द्र शोट दिवंगत एस० एस० शोट का पुत्र, गांक्षीनगर, मंगलूर-3

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

(दस्तावेज 565/80-81 तारीख 14-8-80)

घर सम्पत्ति है जिसका सं० है टी० एस० सं० 21/1 श्रीर श्रार० एस० सं० 449/1 श्रीर डोर सं० 13-13-1522 और 1522-ए के० एस० राव रोड कसवा बाजार गांव मार्केट वार्ड मंगलूर।

> श्राप् तोतात्री सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) श्रजन र्रेज बेंगलुर ।

सारीख: 9-12-1980

मोहर:

18-416GI/80

संघ लोक सेवा श्रायोग

नोटिस

भारतीय श्रर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी मेवा परीक्षा 1981 सं० एफ० 12/4/80 प० I (ख)

नई दिल्ली, दिनांक 17 जनवरी 1981

भारत के राजपत्न दिनांक 17 जनवरी 1981 में गृह मंत्रालय (कार्मिक तथा प्रणासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के प्रनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाग्रों के ग्रेड-IV में भर्ती के लिए संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा अगरतला, ग्रहमदाबाद, एंजल, इलाहाबाद, बंगलोर, भोपाल, बुम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैयराबाद, इम्फाल, ईटानगर, जयपुर, जम्मु, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटियाला, पटना, पोर्ट ब्लेयर, शिलांग, श्रीनगर तथा त्रिबेन्द्रम में 30 जून, 1981 से सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी:—
श्रायोग, यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा

श्रायोग, यिव चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारंभ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश के लिए स्वीकृत उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान का स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा, (देखिए अनुबन्ध-I का पैरा-11)।

- 2 इस परीक्षा के परिणाम के श्राधार पर जिन दो सेवाश्रों के लिए भर्त्ती की जानी है उनके नाम तथा इन दोनों सेवाश्रों के ग्रेंड-IV में रिक्तियों की श्रनुमानित संख्या इस प्रकार :---
- (i) भारतीय ग्रर्थ सेवा
- 40 (इनमें श्रनुसूचित जातियों के उम्मीद-वारों के लिए श्रारक्षित 6 रिक्तियां तथा श्रनु-सूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए 4 श्रारक्षित रिक्तियां सम्मलित हैं।)
- (ii) भारतीय सांख्यिकी सेवा 40 (इनमें अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए श्रारक्षित 6 रिक्तियां तथा श्रनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए 3 श्रारक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।

उपर्युक्त रिक्ति-संख्या में परिवर्तन हो सकता है ।

3. उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित सेवाभ्रों में से किसी एक अथवा दोनों के लिए परीक्षा में प्रवेण पाने के लिए श्रावेदन कर सकता है। एक बार श्रावेदन-पत्न भेजे जाने के बाद सामान्यतः किसी प्रकार के परिवर्तन की श्रनुमित नहीं दी जाएगी।

यदि कोई उम्मीदवार दोनों सेवाश्रों के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता है तो भी उसे एक ही श्रावेदन-पत्न भेजने की श्रावश्यकता है । नीचे पैरा 6 में उल्लिखित शुल्क भी उसे केवल एक ही बार देना होगा। उस प्रत्येक सेवा के लिए अलग-श्रलग नहीं जिसके लिए वह श्रावेदन कर रहा है।

ध्यान दें:— उसे केवल उसी सेवा/उन्हीं सेवाश्रों के लिए उम्मीदवार माना जाएगा जिसके/जिनके लिए वह श्रावेदन करेगा। दोनों सेवाश्रों के लिए श्रावेदन करने वाले उम्मीदवार को अपने आवेदन-पन्न में सेवाओं के संबंध में अपना वरीयता-क्रम स्पस्ट रूप से बताना चाहिए ताकि योग्यता क्रम में उसके स्थान को ध्यान में रखते हुए, नियुक्ति करते समय उसकी वरीयता पर भली भांति विचार किया जा सके।

जिन सेवाभ्रों के लिए उम्मीदवार विचार किए जाने के इच्छुक थे उन सेवाभ्रों के लिए उनके ब्राप्त दर्शाए गए वरीयता कम में परिवर्तन से संबंद्ध किसी भी श्रानुरोध को तब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक ऐसा श्रनुरोध लिखिन परीक्षा के परिणांमों की "रोजगार समाचार" में प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिन के भीतर संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता ।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित श्रावेदन-प्रपन्न पर सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग, घौलपुर हाउस, नई दिल्ली (110011) को धावेदन करना चाहिए। निर्धारित श्रावेदन-प्रपन्न तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्व विवरण दो रुपये देकर श्रायोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली (110011) को मनीश्रार्डर द्वारा या मचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल श्रार्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीश्रार्डर/पोटल श्रार्डर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्न श्रायोग के काउन्टर पर नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट: - उम्मीदवार को चेतावनी दी जाती है कि वे ग्रपने ग्रावेदन-पत्न भारतीय ग्रर्थसेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा, 1981 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपन्न में ही प्रस्तुत करें। भारतीय ग्रर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा, 1981 के लिए निर्धारित ग्रावेदन पत्नों से इतर प्रपत्नों पर प्रस्तुत श्रावेदन-पत्नों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन पत्न आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई विल्ली-110011 को 16 मार्च 1981 (30 मार्च 1981) से पहले की किसी तारीख से विदेशों में तथा श्रंडमान एवं निको-वार द्वीप समह, लक्षद्वीप, श्रसम, मेघालय, श्ररूणाचल प्रदेश,

मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, स्निपुरा, सिक्किम तथा जम्मू श्रौर कथ्मीर के लद्दाख डिवीजन में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 16 मार्च 1981) तक या उससे पहले डाक बारा श्रवथ्य भिजवा दिया जाए या स्वयं श्रायोग के काउंटर पर श्राकर जमा करा दिया जाए । निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी श्रावेदन-पत्न पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या प्रंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, ग्रसम, मेघालय, ग्रहणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, विपुरा, सिक्किम और जम्मू एवं कण्मीर के लहाख डिबीजन में रहने वाले उम्मीदवारों से श्रायोग यिव चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 16 मार्च 1981 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या ग्रंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह, लक्षद्वीप, ग्रसम, मेघालय, ग्रहणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, व्रिपुरा, सिक्किम और जम्मू वं कश्मीर के लहाख डिबीजन में रह रहा था।

नोट:—जो उम्मीदिवार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले आवेदन की प्रस्तुति हेतु अतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हें आवेदन पत्न के संगत कालम में अपने पत्तों में अतिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात् असम, मेधालय, जम्मू तथा कण्मीर राज्य का लद्दाख क्षेत्र) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए भ्रावेदन-पद्म के साथ श्रायोग को रु 48.00 (श्रनुसूचित जातियों श्रीर भ्रनुसूचित जन जातियों के मामले में रु० 12.00) का शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग को नई विल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल श्रार्डर या सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग को स्टेट बैंक ग्राफ इंडिया की नई दिल्ली स्थित मुख्य शाखा पर देय स्टेट बैंक ग्राफ इंडिया की नई दिल्ली भिशाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक डाफ्ट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च ब्रायुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा ब्रायोग परीक्षा णुल्क" के लेखाणीर्ष में जमा हो जाए ब्रौर ब्रावेदन-पत्र के साथ उसकी रसीद लगाकर भेजनी चाहिए।

जिन श्रावेदन-पत्नों में यह श्रपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एक दम श्रस्वीकार कर दिया जाएगा । यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो नीचे के पैराग़ाफ 7 के श्रन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

7. भ्रायोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क में छट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की श्रवधि में भुतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से भारत श्राया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्याविति मूलतः भारतीय व्यक्ति है श्रीर, 1 जून, 1963 को या उस के बाद भारत श्राया है या वह श्रीलंका से वास्तविक रूप में प्रत्यावितित मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो श्रक्तूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझोता के श्रन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत श्राया है या श्राने वाला है श्रीर निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु जिसे ग्रायोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो उसे रु० 30.00 (ग्रनुसूचित जातियों ग्रौर ग्रनु-सूचित जन जातियों के मामले में रु० 8.00) की राशि वापिस कर दी जाएगी। किन्तु यदि नियम 6 के नीचे नोट- में की शतों के ग्रनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि वह ग्रईच परीक्षा में ग्रसफल रहा है ग्रथवा वह उपर्युक्त नोट के उपवन्धों की ग्रपेक्षाग्रों ग्रन्यथा पाजन नहीं कर सकेगा तो वह शुल्क वापसी का हकवार नहीं होगा।

उपर्युक्त उपबंधित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में भ्रायोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जायेगा श्रौर न ही शुल्क को किसी भ्रन्य परीक्षा या चयन के लिए भ्रारक्षित रखा जा सकेगा।

9. उम्मीदवार को श्रपना श्रावेदन-पन्न प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से संबंद्ध उसके किसी भी श्रनुरोध को किसी भी परिस्थित में स्वीकार नही किया जाएगा।

10. जैसा कि परीक्षा नियमावली के परिशिष्ट-I में उल्लिखित परीक्षा योजना में निर्दिष्ट किया गया है, कुछ विषियों के प्रश्न-पत्नों में वस्तुपरक प्रश्न पूछे जाएंगे । नमूने के प्रश्न सिहत वस्तुपरक परीक्षण सम्बन्धी ब्योरों के लिए कुपया "उम्मीदवार सूचना विवरणिका" के श्रनुबन्ध II का श्रवलोकन करें।

विनय झा उप-सचिव

ग्रनुबंध--[

उम्मीदवारों का श्रनुदेश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे श्रावेदन-प्रपत्न भरते से पहले नोटिस श्रीर नियमावर्ली को ध्यान से पढ़कर यह देख लें कि वेपरीक्षा में बैठने के पान्न हैं या नहीं । निर्धारित गर्तों में छूट नहीं दी जा सकती।

प्रावेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के परा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक की जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक हो अन्तिम रूप से पुन लेना चाहिए। उम्मीदबारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परि-वर्तन से संबंद्ध श्रनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा । किन्तु जब कोई उम्मीदबार श्रपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु श्रपने श्रायेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग को इस बात का पूरा श्रौचित्य बताते हुए एक पत्न रजिस्टर्ड डाक से श्रवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है । ऐसे श्रनुरोधों पर गुणवत्ता के श्राधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 30 मई, 1981 के बाद प्राप्त श्रनुरोधों को किसी भी स्थित में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को भ्रावेदन-प्रपक्ष तथा पावती कार्ड भ्रपने हाथ से ही भरने चाहिएं। सभी प्रविष्टियां/उत्तर शब्दों में होनीं/होने चाहिए, रेखा या बिन्दु भ्रादि के द्वारा नहीं। भ्रधूरा या गलत भरा हुगा भ्रावेदन-पन्न रह किया जा सकता है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि ध्रायोग द्वारा ध्रावेदन-पन्न में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पन्न आदि स्त्रीकार नहीं किया जाएगा। इसलिए उन्हें ध्रावेदन-पन्न सही रूप में भरने के लिए विशेष सावधानी गरतनी चाहिए।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों यां सकारी ध्रौद्योगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के ध्रम्य संगठनों में हों या गैर सरकारी संस्थाध्यों में नियुक्त हों, ध्रपने ध्रावेदन-पल ध्रायोग को सीधे भेजने चाहिए । ध्रगर किसी उम्मीदवार ने ध्रपना ध्रावेदन-पल श्रायोग के द्वारा भेजा हों ध्रौर वह संघ लोक सेवा ध्रायोग में देर से पहुंचे हों तो उस ध्रावेदन-पल पर विचचार नहीं किया जाए भले ही वह नियोक्ता को ध्राखिरी तारीख से पहले प्रस्तुत किया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौंकरी में श्राकिस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इस स्थायी या श्रस्थायी हैसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं उन्हें यह परिवचन (अंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से श्रपने कार्यालय विभाग के श्रध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए श्रावेदन किया है।

- उम्मीदवार को श्रपने श्रावेदन-पत्न के साथ निम्नलिखित प्रलेख श्रवश्य भेजने चाहिएं:——
 - (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए गए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैक ड्राफ्ट प्रथवा शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्नों की श्रिभप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नोटिस का पैरा 6 श्रौर 7 नीचे पैरा 6)।
 - (ii) स्रायु के प्रमाण-पत्न की स्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिर्लिप ।
 - (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्न की म्रभिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिर्लिप ।

- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट ग्राकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटों की धो एक जेसी प्रतियां।
- (v) जहां लागू हों वहां श्रनुस्चित जाति/श्रनुस्चित जन जाति का होने के दावें के समर्थन में प्रभाण-पत्न की श्रमि प्रमाणित प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
- (vi) जहां लागू हों वहां भ्रायु में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पन्न की श्रिभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।
- (vii) उपस्थिति पत्नक (भ्रावेदन-पत्न के साथ संलग्न) विधिवत भरा हुआ है।
- (viii) लगभग 11.5 सें० मी०×27.5 सें० मी० ग्राकार के दो बिना टिकट लगे लिफाफे, जिन पर ग्रापका पता लिखा हो

नोट:--- उम्भीदवारों को भ्रापने भावेदन-पत्नों के साथ उपर्युक्त (v) भीर (ii) , (iii) उल्लिखित प्रमाण-पन्नों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी है जो सरकार के किसी राजपत्नित प्रधिकारी द्वारा श्रभिप्रमाणित हो श्रथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों । जो उम्मीदवार लिखित के परिणाम के श्राधार पर व्यक्तिगत परीक्षण के लिए साक्षात्कार हेतु ग्रर्हता प्राप्त कर लेते हैं। उन्हें उपर्युक्त प्रमाण-पत्न मूल रूप में प्रस्तुत करने होंगे लिखित परीक्षा के परिणाम संभवतः, ग्रक्तूबर, 1981 में घोषित किए जाएंगे उन्हें भ्रपने मूल प्रमाण-पन्न सांक्षातकार के समय प्रस्तुत कराने के लिए तैयार रखने चाहिए । जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी भीर उनका भागे विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

मद (i), से (iv) तक में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे तक दिए गए हैं और मद (V), (vi) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा, 4 श्रीर 5 में दिए गए हैं:—-

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए गए भारतीय पोस्टल आर्डर:—

प्रस्येक पोस्टल भार्डर श्रनिवार्यंत : रेखांकित किया जाएं तथा उस पर "सचिव संघ लोक सेवाआयोग" को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय लिखा जाना चाहिए।

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल श्रार्डर किसी भी स्थिति में स्त्रीकार नहीं किया जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे पोस्टल ग्रार्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे। सभी पोस्टल श्राडरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर श्रौर जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को श्रवण्य ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल ग्रार्डर न तो रेखांकित किए गए हो श्रार न ही सचिव संघ लोक सेवा श्रायोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय किए गए हो, उन्हें भेजना सूरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शहक के लिए रेखांकित बैक ड्राफ्ट:---

बैंक ष्ट्राफ्ट स्टेट बैंक स्नाफ इंडिया की किसी शाखा से लिया जाना चाहिए और सचिव, मंघ लोक सेवा स्नायोग को स्टेट बैंक स्नाफ इंडिया मुख्य शाखा, नई दिल्ली में देय होना चाहिए तथा विधिवत रेखांकित होना चाहिए।

किसी श्रन्य बैंक के नाम देय किए गए बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जाएंगे। विरुपित या कटे-फटें बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(ii) श्रायु का प्रमाण-पत्न :— श्रायोग जन्म की वह तारीख स्त्रीकार करना है जो में द्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यानय छोड़ने के प्रमाणपत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा में द्रिकुलेशन के समकक्ष गाने गए प्रमाणपत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा भें द्रिकुलेशन के समकक्ष गाने गए प्रमाणपत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित में द्रिकुलेटों के रिजस्टर में दर्ज की गई हो श्रीर वह उद्धरग विश्वविद्यालय के समुचित प्राक्षिकारी द्वारा प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण कर चुका है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाणात्र की श्रीभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुन कर सकता है।

ग्रायु के सम्बन्ध में कोई श्रन्थ दस्तावेज जैसे जन्मकुंडलीं, शपथपत्न, नगर निगम से सेवा श्राभिलेख से प्राप्त जन्म सम्बन्धी उद्धरण, तथा श्रन्य ऐसे ही प्रगाण स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

श्रनुदेशों के इस भाग में श्राए हुई मैंट्रिकुलेशन/ उच्चतर मध्यमिक परीक्षा प्रमाणपत्र¹⁷ वाक्यांश के श्रन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाणपत्न सम्मिलित हैं।

कभी कभी मैदिकुलेणन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न में जन्म की तारीख नहीं होती या श्रायु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे सामलों में उम्मीदवारों को मैदिकुलेणन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न की श्रिभिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि के श्रितिरक्त उस संस्था के हेडमास्टर/प्रिभिप्त से तिए गए प्रमाणपत्न की एक श्रिभ्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उपने मैदिकुलेणन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्न में उस संस्था के दाखिला रिजस्टर में दर्ज की गई उत्तकी जन्म की तारीख या वास्तविक श्रायु लिखी होती चाहिए। उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि श्रावेदन पत्र के साथ इन श्रमुदेणों में यथा निर्धारित श्रायु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया हो श्रावेदन पत्र श्रस्वीकार किया जा सकता है।

टिप्पणी I – जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्न हो, उसे केवल प्रायु से सम्बद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अभिप्रमा- णित/प्रमाणित प्रतिलिपि भजनी चाहिए।

टियणी II—-उम्मीदवार यह ध्यान में रखे कि ग्रायोग उम्मीद-वार की जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि श्रावेदन पत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मैदि-कुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्न या समकक्ष परीक्षा के प्रमाणपत्न में दर्ज है श्रोर इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी श्रनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा श्रोर न उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी III—उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा

किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख

एक बर घोषित कर देने और श्रायोग द्वारा उसे

श्रपने श्रभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद

में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमित

नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण:—उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पत्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रवण्य भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पाम है। भेजा गया प्रमाण-पत्न उस प्राधिकारी (अर्थात विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हों। यदि ऐसे प्रमाणपत्न की प्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजनी का कारण श्रवश्य बताना चाहिए अरेर श्रपेक्षित योग्यता से संबंद्ध अपने दावे के समर्थन में किसी श्रन्य प्रमाण-पत्न की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए श्रायोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवना के श्राधार पर विचार करेगा। किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

यदि किसी उम्मीदवार द्वारा प्रपनी शैक्षिक योग्यताश्रों के समर्थन में प्रस्तुत डिग्री परीक्षा उन्तीणं करने से संबंद्ध विश्वविद्यालय के प्रमाण-पत्र की ग्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में परीक्षा के विषय नहीं दिये गए हों, तो उसे विश्वविद्यालय प्रमाण-पत्र की ग्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त, प्रिंसपल/विभागाध्यक्ष से लिए गए इस ग्राण्य के प्रमाण-पत्र की एक ग्रभिप्रमाणित/प्रशिणित प्रतिलिपि ध्रवण्य मेजनी चाहिए कि उसने नियम 6 में निर्धारित किसी एक विषय या एक से श्रिधक विषयों में अर्हेक परीक्षा उत्तीणं की है।

नोट :--- यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात हो जाता है पर श्रभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश श्रपने के लिए श्रावेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की श्रहंक परीक्षा में बैठना चाहता है वह भी श्रावेदन कर सकता है। यदि ऐसे उम्मीदवार श्रन्य शर्ते पूरी करते हों तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा परन्तु परीक्षा में बैठने को यह अनुमति अनंतिम मानी जाएगी और यदि वे श्रहंक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 30 सितम्बर, 1981, तक प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

(iv) फोटो दो प्रतियां:— उम्मीदवार को भ्रपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी०%7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां भ्रवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति भ्रावेदन-पत्न के पहले पृष्ट पर और दूसरी प्रति उपस्थित पत्नक में निर्धारित स्थान पर चिपका दोनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति पर उम्मीदवार को सामने की श्रोर स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें:—-उम्मीदवार को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्न के साथ उपर पैरा 3(ii) 3,(iii) और 3 (iv) में उल्लिखित प्रलेखों में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पत्न प्रस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने , का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर से रहसे हों, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या नीचे उल्लिखित किसी अन्य अधिकारी से जिससे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पन्न जारी करने के लिए सअभ अधिकारी के रूप में पद नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पन्न लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणिन प्रतिलिपि प्रस्तुन करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पन्न उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी णिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आम तौर पर रहता है।

भारत सरकार के घ्रधीन पदों पर नियुक्ति के लिए भावेदन करने वाले श्रनृसूचित जाति श्रौर श्रनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्न का फार्म:

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*
————सुपुत्र/सुपुत्री*श्री ————
—————————————————————————————————————
जिला/मण्डल*
संघ *राज्य क्षेत

संतिजान (प्रनुस्चित जानियां) ग्रादेण, 1950*।

संविधान (श्रनुसूचित जन जातिया), श्रादेश 1950*।

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र), आदेश, 1951*।

संविधान (श्रनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) श्रादेश, 1951*।

[अनुमूचित जातियां श्रोर श्रनुमूचित जन जातियां सूची (श्राणोधन) श्रादेण, 1956, बभ्बई पुनगर्ठन श्रिधिनयम, 1960, पंजाबी पुनगर्ठन श्रिधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य श्रिधिनयम, 1970 श्रोर उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनगर्ठन), श्रिधिनयम, 1971 और अनुसूचित जातियां तथा श्रनुसूचित जन जातियां श्रादेण संणोधित श्रिधिनियम, 1976 द्वारा यथा संणोधित] ।

मंत्रिधान (जम्मू श्रीर काश्मीर) श्रनुसूचित जातियां श्रादेश, 1956 * ।

मंविधान (ग्रंडमान ग्रौर निकोबार द्वीप समूह) ग्रनु-स्चित जन जातियां श्रादेण, 1959* ग्रौर ग्रनुसूचित जातियां ग्रौर ग्रनुसूचित जन जातियां श्रादेण (संशोधन) ग्रिधिनियम, 1976 द्वारा यथासंशोधित*।

संविधान (दादरा भ्रौर नगर हवेली) भ्रनुसूचित जातियां भ्रादेश, 1962* ।

संविधान (दादरा श्रीर नगर हिवेली) श्रनुस्चित जन जातियां श्रादेश 1962* ।

संविधान (पांडिचेरी) ग्रनुसूचित जातियां श्रादेश, 1964*।

संविधान (श्रनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) श्रादेश, 1967* ।

मंविधान (गोना, दमन श्रीर दियु) श्रनुसूचित जातियां श्रादेश 1968* ।

संविधान (गोवा, दमन श्रीर दियु) श्रनुसूचित जन जातियां श्रादेश 1968* ।

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियां श्रादेण, 1970*।

मंत्रिधान (सिक्किम) श्रनुसूचित जाति श्रादेश, 1978* संविधान (सिक्किम) श्रनुसूचित जन जाति श्रादेश, 1980*।

•	कुमारी*
	राज्य/ मं रहते/
	हस्ताक्षर
	**पदनाम———————
	(कार्यालय की मोहर सहित)
स्थान	ad jumi torr long
तारीख	
	राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र

*जो शब्द लाग, न हो उन्हे ६ पया काट दें।

टिप्पणी:--यहां प्रयुक्त ''ग्राम तौर से रहते/रहती हैं'' कःदों का ग्रर्थ वही होगा जो ''रिप्रौजेंटेशन ग्राफ दि पीपुल एक्ट, 1950''कीधारा 20 में है।

**जाति/जनजाति प्रमाण पत्र जारी करने के लिये सक्षम अधिकारी।

- (i) जिला मैजिस्ट्रेट/ग्रतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/कलक्टर/ डिप्टी-कमिक्नर/एडीग्रनल डिप्टी कमिक्नर/डिप्टी कलैक्टर/प्रथम श्रेणी का (स्टाईपेंडरी/सिटी मैजिस्ट्रेट/ 'सब-डिबीजनल मैजिस्ट्रेट/तारुलुक मैजिस्ट्रेट/एडजी-क्यूटिव/एक्सट्रा ग्रसिटेंट कमिक्नर।
 - †(प्रथम श्रेणी के स्टाईपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ब्रोहदेकानहीं)।
- (ii) चीफ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसी-डेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रेसीडसी मजिस्ट्रेट।
- (iii) रेवेन्यू प्रफसर जिसका श्रोहदा तहसीलक्षार से कम न हो।
- (iv) उस इलाके का सब-खिबीजनल श्रफसर जहां उम्मीदवार ग्रीर/या उसका परिवार श्राम तीर से रहता हो ।
- (v) ऐडमिनिस्ट्रेटर ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेबलपमेंट श्रफसर, (लक्षक्षीप)।
- 5. (i) नियम 5(ख) (ii) या 5(ख) (iii) के म्रंतर्गत निर्धारित म्रायु सीमा में छूट का वावा करने वाल भीर या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के भ्रमीन शुरुक से छूट का वादा करने वाले भतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (म्रम बंगलादेश) से विस्था- पित व्यक्ति को निम्नलिखिल प्राधिकारियों के कि ए मिराणित प्रमाणित प्रमाणित प्रमाणित प्रतिनिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए

कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से छाया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है श्रीर 1 जनवरी, 1964 श्रीर 25 मार्च, 1971 के बीच की अबिध के धौरान प्रव्रजन कर भारत आया है।

- (1) इंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों ग्रथवा विभिन्न राज्यों में स्थित राहत शिविरों के कैम्प कर्मा-डेंट।
- (2) उस क्षेत्र का जिला मजिस्ट्रेट, जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
- (3) श्रपने-श्रपने जिलों में शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी श्रितिरक्त जिला में जिस्ट्रेट।
- (4) स्वयं प्रभारित सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल श्रफसर।
- (5) उप-गरणार्थी-पुनर्वास-भ्रायुक्त, पश्चिम अंगाल/ निदेशक (पुनर्वास), कलकत्ता ।
- (ii) नियम (ख) (iv) अथवा 5(ख) (v) के अंत-गंत निर्धारित श्रायु में छूट का दावा करने वाले श्रीर्/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के प्रधीन गुल्क से छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावितित या प्रत्यावितित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीगंका में भारत के उच्च श्रायुवत के कार्यालय से लिए गए इस ग्राग्य के प्रमाण पन्न की एक श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो श्रक्तूबर, 1964, के भारत-श्रीलंका समझौते के प्रधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत ग्राया है या ग्राने वाला है ।
- (iii) नियम 5(ख) (vi) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावित्त भारत मलक व्यक्ति को फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैं जिस्ट्रेंट से लिए गए प्रमाणपत्न की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावित्त व्यक्ति भीर वियतनाम से जुलाई 1975 से पहल भारत नहीं आया है।
- (iv) नियम 5(ख)) (vii) प्रथवा 5(ख) (viii) के अन्तर्गत निर्धारित श्रायु सीमा में छूट का दावा करने वाले श्रीर/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के श्रधीन शुल्क से छूट का दावा करने वाले बर्मी से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदुतावास, रंगून, द्वारा विए गए पहिचान प्रमाण-पत्न की एक श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत श्राया है, श्रथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैं जिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्न की श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखनलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से श्राया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है श्रोर 1 जून 1963 को या उसके बाद भारत श्राया है।

(v) नियम 5(ख) (ix) ग्रथवा 5(ख) (x) के अन्त-गंत श्रायुसीमा में छूट चाहने वाले ऐसे छम्मीद्यार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुन्ना है महानिदेशक, पुनःस्थापना, रक्षा मंत्रालय, से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस आशय का एक प्रमाणपत्न लेकर उसकी एक श्रभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिप प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा कार्य करते हुए विदेशी शत्र देश के साथ संघर्ष में भ्रथवा श्रशांति-ग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुन्ना ग्रौर परिणाम स्वस्य निर्भुवत हुन्ना।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तृत किए जाने वाले प्रमाण-पन्न का
फार्म :
प्रमाणित किया जाता कि यूनिट——के रैंक नं०————————————————————————————————————
क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए स्रौर उस विकलां- गता के परिणाम-स्वरूप निर्मुक्त हुए
पदनाम
दिनांक

*जो गब्द ल(गू न हो उसे ऋपया काट दें ।

(vi) नियम 5 (ख) (xi) प्रथवा 5 (ख) (xii) के ग्रन्तर्गन ग्रायु स:मा में छूट नाहने जाल उम्सीदवारों को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करने हुए विकलांग हुन्ना है महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित कार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्न की एक श्रीभ-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिप यह विखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करने हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुन्ना और परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुन्ना।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाणपत

का फाम

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट—के रैंक नं०————सीमा सुरक्षा बल म कार्यं करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्थरूप निर्मृक्त हुए ।

ह्स्ताक्षर
पदनाम
तारीख

(vii) नियम 5(ख)() के प्रस्तर्गत ग्रायु में छूट चाहने वाले कीनिया उगांडा, तथा संयुक्त गणराज्य तंजनिया से प्रवजन कर ग्राए हुए या जाम्बिया, मलावी, जेरे तथा इथियोपिया से प्रयावित्त हुए उम्मोदवार को उस क्षेत्र के जिला मिजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पन्न की एक श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिथिपि यह दिखलाने के थिए प्रस्तुतन करनी जाहिए कि बह बास्तव उपर्युक्त देशों से प्रव्रजन कर स्राया है।

- 6. जो उम्मीदवार पैरा 5(i), (ii) श्रॉर (iv) में से किसी भी वर्ग से संबद्ध है तथा नोटिस के पैरा 7 के श्रनुसार गुल्क में छूट का दावा करता है, उसको विसी जिला श्रधिकारी या सरकार के राज्यितित श्रधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य सं, यह दिखलाने के लिए कि वह निर्धारित गुल्क देने की स्थिति में नहीं है, इस अध्यय का एक प्रमाणपत लेकर उसकी श्रिभप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुन करनी होगी।
- 7. जिस व्यक्ति के लिए पावता प्रमाणपत ग्रावण्यक हो उसे श्रमने लिए श्रमीण्टपात्रता प्रमाणपत जारी करने के लिए भारत सरकार के गृह मंत्रालय (वार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) को ग्रावेदन करना चाहिए।
- 8. उम्मादवारों को चेताधनः दं जातं है कि वे श्रावेदन-एत भरते समय कोई श्रृठा ब्यीरा न दें श्रथवा विसी महत्वपूर्ण मुचना को न छिपाए ।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे श्रपने द्वारा प्रस्तुन किए गए किसी प्रलेख श्रथवा उसको प्रति की विसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक वरे न उसमें परिवर्तन करें श्रीर न कोई फेरनदल करें ग्रीर न ही कोई कोई फेरबदल किए गए/झूठे प्रलेख प्रस्तुत करें । यह ऐसे दो या इससे श्रधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई प्रशृद्धि श्रथवा विसंगति है तो विसंगति के संबंध में स्वष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

- 9. भ्रावेदन-पत्न देर से प्रस्तुत तिए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तक स्वीकार नहीं किया जाएगा कि श्रावेदन-प्रपत्न की श्रमुक तारीख को भेषा गया था। श्रावेदन-पत्न का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि श्रावेदन-प्रपत्न पाने बाला परीक्षा में बैटने का पात्र हो गया है।
- 10. यदि उक्त पर्दक्षा सं संबद्ध श्रावेदन-पत्नों की प्राप्ति की श्राखिरो तारीख सं एक महीने के भीतर उम्मीदवार को श्रपने श्रावेदन-पत्न की पावर्त की सृचना न मिले तो उसे पावती सुचना प्राप्त वारने के लिए श्रायोग सं तत्काल संपर्क करना चाहिए।
- 11. इस परंक्षा के श्रद्धिक उम्मीदियार की उसके आविदन-पत्न के परिणाम की सूचना यथाशीध्र है दी जाएगी। किन्सु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सुचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने के तार्र क से एवं महीने पहले तक उम्मीदिवार की श्रपने आविदन-पत्न के परिणाम के बारे में संघ लोक संवा आयोग से कोई भूचना न मिले को परिणाम की जानकारी के विष्यू उसे आयोग से तत्वाल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदलार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।
- 12. जित पुस्तिकाओं नियमावर्तः तथा पिछर्तः पांच परीक्षाओं के प्रश्न-पत्नों का व्यौरा सम्मिलित होता है उनकी

बिकी प्रकाशन नियंत्रक सिविल लाइन्स, दिल्ल - 110054 के द्वारा की जाती है भीर उन्हें वहां से मेल श्रार्डर श्रथवा नयद भुगतान द्वारा सीध प्राप्त विया जा सकता है । उन्हें (i) किताब महल, रिवोलो सिनेमा के सामने एम्पोरिया बिल्डिंग, "सी" ब्लाक, बाबा खड़ग सिह मार्ग, नई दिल्ली-110001 (ii) प्रकाशन शाखा का बिकी काउंटर, उद्योग भवन नई दिल्ली-110001 श्रौर (iii) गवनैमेंट श्राफ इंडिया बुक डिपो, 8, के० एम० राय रोड, कलकत्ता-700001 सं भी केवल नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है । ये पुस्तिकायें विभिन्न मुफरिल नगरों में भारत सं सरकार के प्रकाशन एजेंडों से भी प्राप्त की जा सकती है।

13. ग्रावेदन-पत्नों से संबद्ध पल्रव्ययहार :—ग्रावेदन-पत्नों से संबद्ध सभी पत्न ग्रादि सचिव, संघ लोक सेवा ग्रायोग, धौलपुर हाउस, णाहजहां रोड, नई दिल्ल-110011 को भेज जाए तथा उनमें नीचे लिखा ब्यौरा ग्रानिवार्य रूप से दिया जाए:—

- (i) परोक्षाकानाम
- (ii) परीक्षा का महीना भ्रौर वर्ष
- (iii) उम्मीदवार का रोल नम्बर श्रथवा जन्म की तारीख यदि रोल नम्बर, सूचित नहीं किया गया है।
- (iv) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े श्रक्षरों में)
- (v) म्रावेदनपत्नों में दिया गया पत्न व्यवहार का पता

ह्यान दें :--(i)जिन पत्नों भादि में यह ब्यौरा नहीं होगा, संभवतः उन पर ह्यान नहीं दिया जाएगा ।

विशेष ध्यान:—(ii) यदि किसी उम्मीदवार सं कोई पत्न/
प्रेषण परीक्षा हो चुकने के बाद प्राप्त होता है तथा उसमें उसका पूरा नाम व अनुक्रमांक नहीं है तो इस पर ध्यान न देते हुए कोई कार्रवाई नहीं को जाएगी।

14. पते में परिवर्तनः उप्मीदवार को इस बात की व्यव-स्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेषन-पत्न में उिल्लिखित पते पर भेजे गए पत्न आदि आवश्यक होने पर, उसकी बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सुचना, उपर्युक्त पैरा 18 में उिल्लिखित ब्यौरे के साथ, यथाशीध्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ब्यान वेने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है। किन्तु इस विषय में वह कोई

श्रनुबंध II

संघ लोक सेवा ग्रायोग उम्मीदवारों को सृचनार्थ विवरणिका

क. वस्तुपूरक परीक्षण

भ्राप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं उसको ''वस्तुपूरक' परीक्षण'' कहा जाता है। इस प्रकार के परीक्षण में भ्रापको 19—41 GI/80

उत्तर फैलाकर लिखने नहीं होंगे। प्रश्येक प्रश्न (जिसको झागे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कई संभाव्य उत्तर दिए जाते हैं। उनने से प्रश्येक के लिए एक उत्तर (जिसको झागे प्रश्येत कहा जाएगा) भ्रापको चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य ग्रापको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण श्रापको कोई हानि न हो।

ख. परीक्षण का स्वरूप

प्रश्न पत्न "परीक्षण पुस्तिका के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में कम संख्या 1," 2, 3 · · · · के कम से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे a, b, c, कम में संभावित प्रत्युत्तर लिखे होंगे। ग्रापका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सही या यदि एक से श्रिधिक प्रत्युत्तर सही हैं तो उनमें से सर्वोत्तम प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। (श्रंत में दिए गए नमूने के प्रश्नांश देख लें)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांश के लिए ग्रापको एक ही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा यदि ग्राप एक से ग्रिधिक चुन लेते हैं तो ग्रापका उत्तर गलत माना जाएगा।

ग. उत्तर वेने की विधि

उत्तर देने के लिए ग्रापको ग्रलग से एक उत्तर पत्नक परीक्षा भवन में दिया जाएगा। ग्रापको ग्रपने उत्तर इस उत्तर पत्नक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्नक को छोड़कर ग्रन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर जांचे नहीं जायेंगे।

उत्तर पक्षक (नियमायली के ग्रन्त में प्रति संलग्न)। में प्रश्नांशों की संख्याएं 1 से 200 तक चार खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांशों के सामने a, c, d, e, कम में प्रत्युत्तर छपे होंगे। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पर लेने ग्रीर यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सहीया सर्वोत्तम है, आपको उस प्रत्युत्तर के श्रक्षर को दर्शाने वाले ग्रायत को पेंसिल, से काला बनाकर उसे ग्रंकित कर देना है, जैसा कि संलग्न उत्तर पत्नक नमूने पर दिखाया गया है। उत्तर पत्नक के श्रायात को काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

cen den cen cen cen.

ten den cen cen cen.

इसलिए यह जरूरी है कि

- प्रश्नांशों के उत्तरों के लिए केवल प्रष्ठी किस्म की एच० बी० पेंसिल (पेंसिलें) ही लाएं भ्रौर उन्हीं का प्रयोग करें।
- 2. अगर श्रापको गलत निमान लगाया है, तो उसे पूर मिटाकर फिर से सहो उत्तर का निमान लगा हैं। इसके लिए ग्राप श्रपने साथ एक रबड़ भी लाएं।

3. उत्तर पस्नक का उपयोग करते समय कोई ऐसी असाबधानी न हो जिससे वह खराब हो आए या उसमें मोड ब सलबट भ्रादि पड जाएं भ्रौर वह टेड़ा हो जाए।

घ. कुछ महत्वपूर्ण विनियम

- ग्रापको परीक्षा श्रारम्भ करने के लिए निर्धारित समय सं बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा श्रीर पहुंचने ही श्रपना स्थान ग्रहण करना होगा।
- परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- परीक्षा णुरू होने के बाद 45 मिनट तक किमी को परीक्षा भवन छोड़ने की श्रन्मति नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक पर्यवेक्षक को सौंप दें। ग्रापको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा-भवन से बाहर ले जाने की श्रनुमित नहीं है। इन नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ा दंड दिया जाएगा।
- 5. उत्तर पत्नक पर नियत स्थान पर परीक्षा/परीक्षणका नाम, श्रपना रोल नम्बर, केन्द्र, विषय, परीक्षण की तारीख और परीक्षण पुस्तिका की ऋम संख्या स्थाही से साफ-साफ लिखें। उत्तर पत्नक पर श्राप नहीं भी श्रपना नाम न लिखें।
- 6. परीक्षण-पुस्तिका में दिए गए सभी भ्रनुदेश भ्रापको माव-धानी से पढ़ने हैं। इन अनुदेशों का सबधानी से पालन न करने से श्रापको नम्बर कम ही जाएंगे। श्रगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध है, तो उस प्रथनांश के लिए श्रापको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के दिए गए श्रनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को श्रारंभ या समाप्त करने को कह दें तो उनके श्रनुदेशों का नत्काल पालन करें।
- 7. ग्राप ग्रपना प्रवेश प्रमाण पत्न साथ लाएं। ग्रापको ग्रपने साथ एक एच० बी० पेंसिल, एक रबड़, एक पेंमिल गार्पनर ग्रौर नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। ग्रापको सलाह दी जाती है कि ग्राप ग्रपने साथ एक क्लिप बोर्ड या हार्ड बोर्ड या कार्ड बोर्ड लाएं जिस पर ग्रुष्ठ लिखा न हो। ग्रापको परोक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का टुकड़ा, पैमाना या ग्रारेखण उपकरण, नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। मांगने पर कच्चे काम के लिए ग्रापको एक ग्रलग कागज दिया जाएगा। ग्राप कच्चा काम ग्रुष्ट करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, ग्रपना रोल नम्बर ग्रौर तारीख लिखें ग्रौर परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे ग्रपने उत्तर पत्रक के माथ पर्यवेक्षक को वापस कर दें।

ङ विशेष ग्रनुदेश

जब आप परीक्षा भवन में श्रपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्नक मिलेगा । उत्तर पत्नक पर अपेक्षित सूचना अपनी कालम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। परीक्षण-पुस्तिका मिलने पर तुरन्त आप 'देख लें' कि उस पर पुस्तिका को गंख्या लिखी हुई है। अन्यथा उसे बदलवा हों। जब यह हो जाए तब आपको उत्तर पत्रक के संबद्ध खाने में अपनी परीक्षण पृस्तिका की कम संख्या लिखनी होगी। श्रापको परीक्षण-पृस्तिका तब तक खोजने की अनुमति नहीं है जब तक पर्यवेक्षक ऐसा करने के लिए नकहें।

च. कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य श्रापकी गति की श्रपेक्षा शुद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि श्राप श्रपने समय का, दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साथ श्राप जितनी जल्दी श्रागे बढ़ सकते हैं बढ़ें पर लापरवाही न हो। श्रीर श्राप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं देपाते हों तो चिता न करें। श्रापको जो प्रश्न श्रन्यन्त कठिन मालूम पड़े उम पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की श्रीर बढ़ें श्रीर उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रण्नों के श्रंक समान होंगे। सभी प्रण्नों के उत्तर दें। श्रापके द्वारा श्रंकित सही प्रत्यक्तरों की संख्या के श्राधार पर ही श्रापको श्रंक दिए जाएंगे। गलत उत्तरों के लिये श्रंक नहीं काटे जायेंगे।

छ. परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बंद करने को कहें भ्राप लिखना बंद करवें। श्राप श्रपनें स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरी-क्षक आपके पास आकर भ्रापसे सभी भ्रावश्यक वस्तुऐं न ले जाएं और श्रापको 'हाल' छोड़ने की भ्रनुमति न दें। श्रापको परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पवक परीक्षा भवन से बाहर ले जानें की श्रनुमित नहीं हैं।

नम्ने के प्रश्न

- मौर्य वंश के पतन के लिए निम्नलिखित कारणों में से कौन-सा उत्तरदायी नहीं है।
 - (a) अशोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमजोर थे।
 - (b) प्रशोक के बाद साम्राज्य का विभाजन हुन्ना ।
 - (c) उत्तरी सीमा पर प्रभावणाली मुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई ।
 - (d) श्रशोकोत्तरयुग में आर्थिक रिक्तताथी।
- 2. संसदीय स्वस्प की सरकार में
 - (a) विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
 - (b) विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी हैं।
 - (c) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
 - (d) न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है ।
 - (e) कार्यपालिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- 3. पाठणाला के छात्र के लिए पाठ्येतर कार्यकलाप का मुख्य प्रयोजन
 - (a) विकास की सुविधा प्रदान करना है।

- (b) अनुशासन की समस्याओं की रोकथाम है।
- (c) नियत कक्षा-कार्य से राहत देना है।
- (d) शिक्षा के कार्यक्रम में विकल्प देना है।
- 4. सूर्य के सबसे निकट ग्रह है:
- (a) शुक
- (c) बृहस्पति
- (b) मंगल
- (d) ধুত্ত
- 5. बन और बाढ़ के पारस्परिक संबंध को निम्नलिखित में से कौनसा विवरण स्पष्ट करता है ?

- (a) पेड़ पौधे जितने म्रधिक होते हैं मिट्टी का क्षरण, उतना मधिक होता है जिससे बाढ़ होती है।
- (b) पेड़ पौधे जितन कम होते हैं, निदयां उननी ही गाद से भरी होती हैं जिससे बाढ़ होती है।
- (c) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, नवियां उतनी ही कम गाद से भरी होती हैं, जिससे बाढ़ रोकी जाती है।
- (d) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं उतनी हो धोमी गति से बर्फ पिचल जाती है जिससे बाह रोको जाती है।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 4th December 1980

No. A.12019/1/80-Admn.H.—The Secretary, Union Public Service Commission nereby appoints the following permanent Research Assistants (Hindi) or this office to officiale on an ad-noc basis as Junior Research Officer (Hindi) for the period from 1-12-80 to 28-2-81, or until further orders, whichever is earlier.

- 1. Smt. Sudha Bhargava
- 2. Shri J. N. S. Tyagi

The 9th December 1980

No. A.12019/1/80-Admn.II.—In partial modification of Union Public Service Commission Notification of even number dated 4th December, 1980, Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following permanent Research Assistants (Hindi) in the office of Union Public Service Commission to officiate as Junior Research Officer (Hindi) on regular basis on transfer on deputation for a period of three years with effect from 4-12-80 or till the formation of the Central Secretariat Official Language Service, whichever is earlier:—

- 1, Smt. Sudha Bhargava
- 2. Shri J. N. S. Tyagi

P. S. RANA Section Officer for Secretary Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & AR CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 23rd December 1980

No. 5-150/66/Ad.V.—Consequent on the expiry of his term of deputation, the services of Shri S. J. K. Drvid, Dy. Supdt, of Police, Central Bureau of Investigation, Hyderabad Branch were placed back at the disposal of the Government of Andhra Pradesh with effect from 1-12-1980 (FN) after expiry of 105 days Earned Leave/Commuted leave from 18-8-80 to 30-11-80.

Q. L. GROVER Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110022, the 24th December 1980

No. O.II-1524/80-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Balvinder Singh Sareen as General Duty officer Grade-II (Dy. S.P./Coy. Comdr.) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from 10-12-80 (FN) subject to his being medically fit.

S. C. VIDYARTHI Deputy Director (Estt.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I WEST BENGAL

Calcutta-700001, the 22nd December 1980

Office Order (Admn. Series) No. Admn. I/1038-XVII/258.— The Accountant General-I, West Bengal has been pleased to appoint on ad-hoc and provisional basis Sri Arun Kanti Dutta permanent Section Officer to officiate as Accounts Officer in temporary and officiating capacity with effect from 12-12-1980 FN or the date on which he actually takes over hereafter as Accounts Officer in the office of the A.G-II, West Bengal, until further orders.

The Accountant General-I, West Bengal has also been pleased to grant Sri Panchanan Das, permanent Section Officer

on deputation to the office of the F.A. & C.A.O., F.B. Project, Farakka, the protorma promotion as Accounts Officer on au-noc and provisional basis in the scale of ks. 840-1200/- in temporary and officiating capacity with effect from the date on which his immediate junior viz. Sri Arun Kanti Dutta takes over charge as Accounts Officer in the office of the A.G-II, West Bengal and until further orders. All the conditions precedent to the grant of promotion under the "Next Below Rule" stand futilised in this case and the Accountant General-I, has been pleased to declare the post held by Sri Das, on deputation, to be outside the ordinary line of service under the Second Proviso to FR 30(1).

It should be clearly understood that the aforesaid promotions in the cadre of Accounts Officers are purely provisional during the pendency of the Rule in Calcutta High Court case and will be subject to the final decision of the court case filed against the Union of India and others under C.R. case No. 14818(W) of 1979.

SUDHA RAJAGOPALAN Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE DGOF HQRS CIVIL SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700069, the 6th November 1980

CORRIGENDUM

No. 25/80/A/E-1(NG).—The following amendment is made to this office Gazette Notification No. 19/80/A/E-1(NG), dated 21-8-80 regarding promotion of Shri Debabrata Roy, Pmt. Assistant as A.S.O. (Ad-hoc):

For: 'In an existing vacancy'

Read: 'Against an existing vacancy of T.S.O.'

D. P. CHAKRAVARTI ADGOF/Admin. for Director General, Ordnance Factorics

Calcutta, the 20th December, 1980

No. 6/80A/M.—The President is pleased to amend the draft Gazette Notification No. 6/79/A/M dated 30-6-79; sunder:—

Delete: Allentrics in respect of Dr.K.B. Das Gupta and Dr. (Kum.) K. Subaiya against Sl. Nos. 10 & 13 respectively.

2. The President is also pleased o appoint the following Asstt. Medical Officers as Offg. Senior Medical Officers in Ordnance Factories Health Service with effect from the dates mentioned against each until further orders:—

SI. Name No.	Posted at	Date
(1) Dr. M. M. Roy .	. Ordnance Factory, Ambajhari	17-9-80
(2) Dr. K.B. Das Gupta	Ordnance Factory, Kanpur.	17-9 - 80
	O. P. BAHL, Mem	ber/Personnel

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi-11011, the 22nd December 1980

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 1/2/80-Admn.(G)/6873.—The President is pleased to appoint Shri Shankar Chand, an officer of the Section Officer's Grade of the CSS and Controller of Imports and Exports to officiate in Grade I of that service and as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in this Office purely on ad-hoc and temporary basis for the period from 6th September, 1980 to 29th October, 1980.

No. 6/762/65-Admn.(G)/6884.— On attaining the age of superannuation Shri R. S. Dhanawat, officiating Controller in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Central Licensing Area, New Delhi has been parmitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 30th November, 1980.

J. P. SHARMA Dy. Chief Controller of Imports and Exports For Chief Controller of Imports and Exports

DEPARTMENT OF TEXTILES OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 23rd December 1980

No. CER/3/80.—In exercise of the powers conferred on me by clause 22 of the Cotton Textiles (Controller) Order, 1948, I hereby make the following turther amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/3/69, dated the 19th September, 1969, namey:—

In item (f) of sub-paragraph (2) of paragraph I of the said notification, for the words, figure and letter, "paragraph IIID below", the words, figures, letter and brackets, "paragraph IID and clause (5) to paragraph IV below" shall be substituted.

M. MADURAL NAYAGAM Additional Textile Commissioner

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 24th December 1980

No. 12/737/72-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri B. N. Sampathkumaran Assistant Director (Gr. 1) (Electrical), Small Industries Service Institute, Bangalore as Deputy Director (Electrical) at Small Industries Service Institute, Ahmedabad with effect from the forenoon of 20th November, 1980 until further orders.

M. P. GUPTA Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

New Delhi, the 24th December 1980

No. A-6/247(231)/59.—Shri K. C. Chatterjee, officiating Dy. Director of Inspection (Met.) in the office of the Director of Inspection (Met.), Burnpur retired from service on 30-11-80 (AN) on attaining the age of superannuation (58 years).

M. G. MENON
Dy. Director (Admn.)
For Director General of Supplies & Disposals

New Delhi, the 18th December 1980

No. A-6/247/(337)/62.—The President is pleased to appoint Shri E. Ummerkutty, Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the Ernakulam sub-office under the office of Director of Inspection, Madras to officiate on ad-hoc basis as Inspection officer (Engg.) in the same office with effect from the forenoon of 27-11-1980 and until further orders.

(Admn. Section A-1)

The 22nd December 1980

No. A-1/42(41)/IV.—The President is pleased to appoint Shri R. C. Malik, Dy. Director, substantively to the grade of Assistant Director (Grade I) (Grade III of the Indian Supply Service, Group 'A') with effect from 31-1-1969.

P. D. SETH Deputy Director (Administration)

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 22nd December 1980

No. 4(28)80-SL.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Rajesh Reddy as Programme Executive, All India Radio, Juliundur in a temporary capacity with effect from 29-11-80 and until further orders.

II. C. JAYAL Deputy Director of Administration for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 24th December 1980

No. 6-20/80-DC.—The Director General of Health Services hereby appoints Dr. (Mrs.) Gopa Ghosh, as an Associate Pharmacognocist in the Central Drugs Laboratory, Calcutta, with effect from the torenoon of the 1st December, 1980, until further orders.

S. S. GOTHOSKAR Drugs Controller (India)

New Delhi, the 23rd December 1980

No. A.12026/6/80-Admn.l.—The President is pleased to appoint Miss M. Mala Ram, Assistant Nursing Superintendent, Lady Hardinge Medical College & Smt. S. K. Hospital, New Delhi, to the post of Nursing Superintendent at the same Hospital, with effect from the forenoon of the 21st September, 1980, on ad-hoc basis and until further orders.

The 27th December 1980

No. A-38012/3/80(HQ)Admn.I.—On attaining the age of superannuation Shri P. C. Kapur, Deputy Director General (Stores), Directorate General of Health Services, New Delhi, retired from Government service on the afternoon of the 31st October, 1980.

S. L. KUTHIALA Deputy Director Administration (O&M)

New Delhi, the 29th December 1980

No. A.35014/1/78-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri C. D. Ganapathy to the post of Labour Welfare Officer, Government Medical Store Depot Madras with effect from the forenoon of 26th September, 1980, until further orders.

SHIV DAYAL Deputy Director Administration (Stores)

KRISHI MANTRALAYA

(KRISHI AUR SAHAKARITA VIBHAG) VISTAR NIDESHALAYA

New Dehi, the 20th December 1980

No. F.2-1/79-Estt.(1).—The ad-hoc appointment of Shri O. P. Gupta in the post of Assistant Editor (Hindi) is further extended with effect from 7-12-80 to 6-6-81 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

K. K. SHARMA Director Administration

NATIONAL SUGAR INSTITUTE

(DEPARTMEN'T OF FOOD)

Kanpur, the 26th December 1980

No. A-19012/33/70-Estt.—Shri I. S. Juneja holding the post of Junior Technical Officer (ST) is permitted to retire vountarily from the post of Junior Technical Officer (S.T.) with effect from 21-12-1980.

Shri I. S. Juneja relinquished the charge of Junior Technical Officer (ST) on the forenoon of 22nd December, 1980.

N. A. RAMAIAH, Director

DEPARTMENT OF ATOMIC FNERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 24th December 1980

No. PPED/3(283)/76-Adm.—Dirfector, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri P. Vasu, a permanent Upper Division Clerk of BARC and officiating Accountant in this Division as Assistant Accounts Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of October 16. 1980 until further orders vice Shri S. R. R. Rao, Assistant Accounts Officer promoted as Accounts Officer-II.

B. V. THATTE Administrative Officer

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

NAPP Township, the 22nd December 1980

No. NAPP/Adm./4(5)/80/S/16837.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri Om Prakash, a permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk to officiate as Assistant Personnel Officer on out-how basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-F.B-40-960/- in the Narora Atomic Power Project from December 15, 1980 to January 17, 1981, vice Shri Prem Prakash, Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

K. V. SETHUMADHAVAN Senior Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCASE & STORES MADRAS REGIONAL PURCHASE UNIT

Madras-600006, the 8th December 1980

No. MRPU/200(15)/80-ADM.—The Director, Directorate of Purchase and Stores appoints Shri V. Sripatha Rao, a Permanent Storekeeper to officiate as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an ad-hoc basis in the Madras Atomic Power Project Stores of the same Directorate with effect from April 28, 1980 FN to August 30, 1980 AN.

S. RANGACHARY Senior Purchase Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 23rd December 1980

No. AMD-1/6/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Vivek Kumar Jain as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of December 15, 1980 until further orders.

M. S. RAO Sr. Administrative & Accounts Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 23rd December 1980

No. A. 32013/5/80-EC—The President is pleased to appoint the following efficers to the grade of Dy. Director/Controller of Communication on ad-hoc basis for a period of six menths

with effect from the date indicated against each and to post them to the station indicated against each:—

S. Name & designa-	Present station of posting.	Station to which posted	Date of taking over charge.
1. Shri R.S. Ajmani, Asstt. Director of Communication	DGCA (HQ)	DGCA (HQ)	26-11-80 (AN)
2. Siri P.K. Singhal, Senior Communication Officer	Acro. Communca- tion, New Delhi	Sta-Aero, Com- i munication Stn. Bombay	27-11-80 (FN)

R. N. DAS

Assistant Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 9th December 1980

No. A-32013/5/80-EA.—Shri K. V. P. Iyengar, Senior Aerodrome Officer, Madras Airport, retired from Government service on the 30-9-80 AN on attaining the age of superannuation

The 16th December 1980

No. A-32013/5/80-EA.—Shri S. S. Iyenger, Senior Air Safety Officer, Hyderabad Airport, retired from Government Service on the 31-10-80 AN on attaining the age of superannuation.

The 24th December 1980

No. A.32013/11/80-EI.—The President is pleased to appoint Shri R. S. Goela, Deputy Director Communication as Director Communication at Bombay Airport on ad-hoc basis for a period of 6 months with effect from 10-12-1980 (F.N.) or till the regular appointment is made whichever is earlier.

S. GUPTA
Dy. Director of Administration

New Delhi, the 20th December 1980

No. A.38015/2/80-ES.—Shri C. L. Sharma, Store Officer (Group 'B' post) in the office of the Regional Director, Delhi Region, Safdarjung Airport, New Delhi relinquished charge of his duties in the afternoon of the 30th November, 1980 on attaining the age of superannuation.

The 22nd December 1980

No. A.32014/2/80-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri B. P. Narayan, Communication Assistant, Aeronautical Communication Station, Madras to the grade of Assistant Communication Officer on ad-hocbasis with effect from 27-1-80 (FN) and to post him at the same station.

The 23rd December 1980

No. A. 31011/1/78-EC—The President is pleased to appoint the undermentioned four officers in substantive capacity in the grade of Communication Officers in the Civil Aviation Department with effect from 1-7-78:—

S. Name No,	Station of posting.	
1. Shri J.C. Das	Aeronautical Communication Station Calcutta.	
2. Shri D.V.S. Dahiya	Aeronautical Communication Station Agartalla.	
3. Shri B.M. Barari	Regional Controller of Communication Calcutta Airport, Calcutta.	
4. Shri Umesh Kumar	Aeronautical Communication Station Safdarjung Airport, New Delhi.	

R. N. DAS
Assistant Director of Administration

radio esta se de la compario della

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARIMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the Matter of Companies Act, 1956 and T.C.C. Appliances (Hyderabad) Private Limited

(Pursuant to Sec. 445(2) of Companies Act, 1956) Hyderabad, the 20th December 1980

No. 1489/Liqn.—By an order dated the Twenty second day of June One thousand nine hundred and seventy nine, in Company Petition No. 4 of 1978 of the High Court of Judicature, Andhra Pradesh at Hyderabad, it has been ordered to wind up T.C.C. Apliances (Hyderabad) Private Limited.

V. S. RAJU Registrar of Companies Andhra Pradesh

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 16th December 1980

No. F.48-Ad(AT)/80.—Shri Ram Dularay, of the Superintendent (Grade-I) in the Armed Forces Medical Stores Depot, Lucknow, U.P. is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Chandigarh Bench, Chandigarh in a temporary capacity with effect from the forenoon of 26th November, 1980 in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- until further orders. He will be on probation for two years with effect from the 26th November, 1980.

T. D. SUGLA President

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ΛCT, 1961 (42 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1980

Ref. No. AR-I/4386/3/80-81.—Whereas, I, SUDHAKAR VARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 288 of Mandvi Division situated at Kazi Syed Street

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 2-4-1980 Document No. 3002/72/Bom

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: ---

- (1) 1. Shri Manechchand Madhavil Gandhi
 - Shri Panachand Madhavji Gandhi
 Shri Dhirajlal Maneckchand Gandhi

 - Shri Vrajlal Maneckchand Gandhi Shri Kantilal Maneckchand Gandhi
 - Shri Javantilal Maneckchand Gandhi
 - Shri Indravadam Abhechand Gandhi

 - 8. Shri Jitendra Vrajlal Gandhi 9. Shri Anantrai Dhirajlal Gandhi 10. Shri Dineshchandra Abhechand Gandhi
 - 11. Shri Kirtikumar Maneckehand Gandhi 12. Shri Jayendre Vrajlal Gandhi
 - 13. Shri Vikrama Abhechand Gandhi
 - 14. Shri Rajendra Abhechand Gandhi

(Transferor)

(2) Supari Bhavan Premises Co-op. Housing Society

(Transferee)

- (3) 1. M/s. Amichand Jivraj & Sons.2. M/s. Kesurdas Popatlal & Bros.

 - 3. M/s. Gandhi Sons.
 - M/s. Ebrahim Joosab & Sons.
 - Dayashanker Devshankar & Co.

 - Syndicate Bank Mr. H. V. Mehta & Mrs. H. J. Parekh.
 - M/s. Manganlal Anoopchand & Co.
 Mr. V. Arjoon

 - 10. M/s. Santosh Corporation
 - Mrs. Vimla N. Sheth & Mrs. Manjula B. Sheth
 Mr. Madanmohan Redheshyam.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 3002/72/Bom and as registered on 2-4-1980 with the Sub-Registrar, Bombay.

> SUDHAKAR VARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Bombay.

Date: 2-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (42 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1980

Ref. No. AR-I/4385-2/80-81.---Whereas, I, SUDHAKAR VARMA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 674 (pt) of Malabar and situated at Cumballa Hill

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-4-1980 Documnt No. 2433/72/Bom

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-20 | 416GI/80

(1) 1. Jehangir H. Cama Kaikhushru H. Cama
 Mrs. Ruby J. Cama

4. Mrs. Shirin N, Jamshedji

(Now known as A. D. Shirin J. Jeejeebhoy)

5. Khurshedchar M. Khan 6. Lady Jinoo H. Jehangir 7. Mrs. Aloo K. Cama

(Transferors)

- (2) Mount Unique Co-op. Housing Society Ltd. (Transferee)
- (3) Members of the Society. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menaling as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2433/72/Bom and as restered on 2-4-1980 with the Sub-Registrar, Bombay.

> SUDHAKAR VARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 2-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (42 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FIFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1980

Ref. No. AR-I/4394-11/80-81.—Whereas, I, SUDHAKAR VARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Plot No. 102 Backbay Reclamation Scheme situated at Colaba

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 18-4-1980 Document No. 3009/72/D(Bom)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Nandkishore Lalbhai Mehta.

(Transferor)

(2) 'Iris' Co-op. Housing Society Limited.

(Transferce)

(3) Members.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the days from the service of notice on the respective Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined is Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 3009/72/D (Bom) and as registered on 18-4-1980 with the Sub-Registrar Bombay.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 2-12-1980

Seal

677

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1980

Ref. No. AR-I/4398-1/80-8-.—Whereas, I, SUDHAKAR VARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe the the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 3, C.S. No. 243 (pt) of Malabar and Cumballa Hill Division situated at Wilderness Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 25-1980 Document No. 3481/71/Bom

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Madhusudan Jamnadas Ladiwalla.
 - 2. Shri Kewal K. Sablani Ahas S. K. Kewal.
 - 3. Shri Sunder H. Shivdasani.

(Transferors)

(2) Capri Co-op. Housing Society Ltd.

(Transferee)

(3) Members of the Society.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedulc as mentioned in the Registered Deed No. 3481/71/Bom and as registered on 25-4-1980 with the Sub-registrar, Bombay.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquision Range-I, Bombay.

Date: 2-12-1980

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1980

Ref. No. AR-II/2973-8/Apr. 80.—Whereas, I, SANTOSH DATTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 322 (Pt.) S. No. 324 H. No. 1 (Pt) S. No. 326(A) H. No. 1 (Pt.) situated at Pal Hills, Bandra (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bandra on 16-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Joseph P. D'sa C/o Jaswil Construction Co. (Transferor)
- (2) Virgo Co-op. Housing Society Ltd.

(Transferee)

- (3) 1. Shri Alex Silva
 - 2. Shri Mridula Surendra Desai
 - 3. Smt. Kanta Esni Sabharwal
 - 4. Shri Tahir Husai
 - Smt. (Dr.) Pamela Francis
 - Shri Adam F. Laljee
 - Shri Rajkumar Barjatya
 - 8. Shri Ambross Lesilie Athaido
 - Smt. Usha Khosla

 - 10. Smt. Sita Kayship 11. Shri Ram Chander Sabharwal
 - Smt. Artamis a Lobo Smt. Alice Pinto 12.

 - Shri Peter Brumo Fernandes
 - 15. Dr. K. L. Syaga 16. Smt. S. B. Parekh

 - Shri Dirgo John D'Sa
 - Smt. Gian Kaur Darashan Singh
 - 19. Smt. Anis Ashar Ali
 - 20. Smt. F. Mendonsa
 - 21. Smt. A. D'Costa
 - 22. Shri N. H. Khan
 - 23. Shri Bagar Husain
 - Nominal Members 24. Smt. L. A. Athaide
 - 25. Shri Alan Lucian

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered deed No. 2084/79 with the Joint Sub-Registrar IV, Bandra (Bombay) on 16-4-1980.

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 2-12-1980

(1) Vimla Trust

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Balkrishna Pen Pvt. Ltd.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1980

Ref. No. AR-III/1821-6/80-81 (AP. 357).—Whereas, I SANTOSH DATTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to at the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 62, C.S. No. 123 (Mogra) situated at Gundavli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bembay on 3-4-1980 Document No. 491/80

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tux Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 491/ 1980 and as registered on 3/4/1980 with the Sub-registrar, Bombay.

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III,

Date: 12-12-80

(1) Shri Vinod Balaji Rao

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jogeshwari Jeevan Co-op. Housing Society Limited. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1980

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. AR-IJI/1836/17/13/80-81 (AP. 356).--Whereas,

I, SANTOSH DATTA
being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. CTS No. 112, 112/1, 112/2 &112/3 situated at Ismalia (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer et Bombay on 1-4-1980 Document No. 145/1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 145/1980 and as registered on 1-4-1980 with the Sub-registrar, Bombay.

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-12-80

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASS'TT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1980

Ref. No. AR-1/4389-6/80-81.—Whereas, I, SANTOSH DATTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. C.S. No. 229 & 228 of Malabar and Cumbala Hill Division situaed at Napean Sca Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 7/4/1980 Document No. 3987/71 Bombay for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Harllal Ravilal Shah & Others,

(Transferor)

(2) Nav Shantinagar Co operative Housing Society Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 3987/71/Bom and as registered on 7/4/1980 with the Sub-registrar, Bombay.

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombey.

Date: 12-12-80

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1980

Rof. No. AR-I/4397-14/80-81.—Whereas, I. SANTOSH DATTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. No. 267 (pt) of Malabar and Cumballa Hill Division situated at Ridge Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 15/4/1980 Document No. 309/80 Bombay for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said. Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

(1) Mrs. Krishna Premnath Malhotra

(Transferor)

(2) Shri Kantilal C. Kothari, Dinesh I, Waghani. (Transferee)

(3) Shri Himmatsingh Nhapasana, Mrs. B. J. Batliwala, F.K.F. Nariman.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 309/80 Bom. and as registered on 5/4/1980 with the Sub-registrar, Bombay.

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay.

Date: 12-12-80

Seal;

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 30th October 1980

Ref. No. P.R. No. 1019 Acq. 23-II/60-81.—Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 329 Wd. No. 13, R.S. No. 52 situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 18-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

21-416GI/80

 Shri Dhirajial Khetsibhai Shah, Minor Shrenik Dhirajial, Mahidharpura, Vania Sheri, Surat

(Transferor)

(2) Shri Pursottambhai Tulsibhai Patel; Amizarna Arogyanagar, Athwa Lines, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Athwa, Nondh No. 329, Ward No. 13, Surat duly registered at Surat on 18-4-1980.

MANGI LA1.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 30-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 27th November 1980

Ref. No. P.R. No. 1026 Acq. 23-II/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 1956, Hanuman Pole, Soni Falia, situated at Ward No. 10. Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 1-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly started in the said instrument

of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the cancealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Vasantlal Motilal Reshamwala,

Hardeo Court, Tardeo Road,

Bombay.

(Transferor)

 1. Shri Ratilal Valjibhai Patel, Khopatia Chakla, Surat.
 2. Kantilal Valjibhai Patel,

Khopatia Chakla, Surat.
3. Pravinchandra Valiibhai Patel.
Khopatia Chakla, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 1956, Hanuman Pole, Soni Falia, Wd. No. 10, Surat duly registered at Surat on 1-4-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 28-11-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, 28th November 1980

Ref. No. P.R. No. 1027 Acq, 23-II/80-81.—Whereas I, MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

Survey No. 23, Anjana Flat, Navchetan Society, situated at Opp. R.T.O., Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 10-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsand exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tav under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or pay moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the usid Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Narsinbhai Muljibhai Patel, Navchetan Society R.T.O., Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Rasilaben Labhubhai Patel, Dena Smruti Apartments, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publicatios of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 23, Anjan Flat, Navchetan Society, Opp. R.T.O. Office, Surat.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 27-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 29th November 1980

Ref. No. P.R. No. 1028 Acq. 23-II/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 1936-A (Paiki) New Majura Gate, Wd. No. 2 situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 17-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Nandiben Binabhai Bhagwandas,
 2. Jeliben Bhallalbhai,
 Mali Falia, Shetrapal,
 Sagrampura, Surat.

(Transferor)

(2) Sări Balaji Organizer, Pandal Street, Nanavat, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 1936-A (Paiki) New Majura Gate, Ward No. 2, Surat duly registered on 17-4-1980.

MANGI LAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 29-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF TH INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-H.
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 2nd December 1980

Ref. No. P.R. No. 1029 Acq.23-II/80-81.—Whereas, I, MANGLIAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ond bearing Final Plot No. 293-3. T. No. 2, 3, 4, Vastadevdi Road, Katargam

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 2-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate-proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Devendra Natverlal Jariwala; Shri Ojas Natverlal Jariwala; Ushaben Natverlal Jariwala; Lataben Natverlal Jariwala; Pravinaben Natverlal Jariwala; Sugandhiben Natverlal Jariwala Khangad Sheri, Begampura, Surat.

(Transferor

(2) I. Samay Jayvadan Jariwala, 2. Anjana Sunjay Jariwala; 3. Piyush Champaklal Jariwala; 4. Krishna Gopal Champaklal Jariwala; 5. Asha Piyush Jariwala; 6. Devyani Krishna Gopal Jariwala; 7. Padmaben Champaklal Jariwala; 8. Niranjana Jayvadan Jariwala; 9. Satish Jayvadan Jariwala; Mahidharpara. Vanja Sheri, Surut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined ni Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Final Plot No. 297.3, Tika No. 2, 3, 4 Vasta Devdi Road, Katargam, duly registered on 2-4-1980.

MANGI LAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Abmedabad.

Date: 2-12-1980

FORM ITNS----

(1) Shri Champakbhai Manubhai: 10/21, Chouta Bazar, Surat,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF

(2) Shri Hasmukhlal Ratilal: Navapura, Karva Road, Surat, Urmil Kamal Kapoor. Begampura, Nawabi Wadi, Surat.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,II, AHMEDABAD-380 009

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

Ahmedabad-380009, the 2nd December 1980

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. P.R. No. 1030 Acq.23-II/80-81.-Whereas, I, MANGI LAL.

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Umra S. No. 40/1 paiki land situated at Umra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred undr the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at

instrument of transfer with the object af :-

Surat on 1-4-1980 for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparenet consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

- EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of he ransferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Umra S. No. 40/1, duly registered on 1-4-1980 at Surat.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

MANGI LAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 2-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 2nd December 1980

Ref. No. P.R. No. 1031 Acg. 23-II/19-7/80-81,—Whereas, I. MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty, having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 1516-A-3 Wd. No. 1, situated at Khalifa Mahollo, Nanpura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 1-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:---

(1) 1. Pramodchandra Natverlal Modi; Kadarsha Nal, Nanpura, Surat. 2. Jyotsna Pramodchandra Modi; Kadarsha Nal, Nanpura, Surat.

 Minor Zakirhussein Mohmad Hussein; 7/723,
 Gopipura, Surat. 2. Minor Nazirhussein Mohmad Hussain; 7/723,
 Gopipura, Surat. 3. Guardian Guardian
 7/723, Gopi-Mohmad Hussein Karim Mohamad; pura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 1516-A-3, Wd. No. 1, Mohollo, Nanpura, Surat duly registered on 1-4-1980.

> MANGI LAL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedahad

Date: 2-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,II,

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 25th November 1980

Ref. No. P.R. No. 1032 Acq.23-II/74/80-81.--Whereas, I, MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

H. No. 489 & 489/1 City S. No. 4156, situated at Nutan Coop. Society, Navsari

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 14-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: nad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Prabhakar Balvantrai Karkare; 2. Lilaben Balvantrai Karkare; 3. Sumanben Balvantrai Karkare; 4 Shakuntalaben Balvantrai Karkare; Karelibag, Gondhinggar Colony Baroda

(Transferor)

(2) 1. Shri Arvindbhai Nathubhai Gandhi; 2. Jyotiben Kanubhai Gandhi; Ashabaug, Navseri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing City S. No. 4156 H. No. 489, and 489/1 duly registered on 14-4-1980 at Navsari.

MANGI LAL.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 25th November 1980

Scal

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 2nd December 1980

Ref. No. P.R. No. 1033 Acq.23-II/19-7/80-81.--Whereas, I. MANGI LAL.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to bekieve that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nanpura Market No. 2664-paiki 2664-B-1 & A-2 situated at Ward No. 1, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 2-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-2-416GI/80

(1) Shri Hafej Mohmad Daud, Nanpura Market, Surat. (Transferor)

(2) Smt. Afganbegam Saiyed Pyare Saheb; Taiyabali Mohollo, Zampa Bazar, Surat. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Office Gazette.

EXPLANATION: -- The etrms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nanpura market No. 2664-Paiki 2664-B-1 & A-2, Wd. No. 1, Surat duly registered on 2-4-1980.

> MANGI LAL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 2-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 2nd December 1980

Ref. No. P.R. No. 1034 Acq.23-II/80-81.--Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 1-528/8, Nanpura, Block No. 2 situated at Opp. High School, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 1-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kishorbhai Chhanabhai Patel as self Maniben Chhanabhai being guardian of minor Mehulkumar Kishorbhai Patel; Village: Dunger, Taluka; Kamrej.
 Lallubhai Nathubhai Patel; Bij—Taluka Bardoli.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh chandra Shamrathmal Shah; 1/528/8, Block No. 8, Opp. High School, Nanpura, Surat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 1/528/8 situated at Nanpura, Opp. High School, Surat duly registered on 1-4-1980.

MANGI LAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 2-12-1980

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 6th December 1980

Ref. No. P.R. No. 1035 Acq.23-II/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 43-B, 2611/B, 21612/A situated at Chauta Bridge, Main Road, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 17-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for hie acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Mangalgauri Wd/of Bhagwandas Chunilal; Kot Safil Road, Surat. (Transferor)
- Shri Faramroj Navrajaji Variawala; Kothar, Tal, Kamrej.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Nondh No. 43-B, 2611/B and 2612/A Chouta Bridge, Main Road, Surat duly registered on 17-4-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 6-12-1980

FORMS ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 6th December 1980

Ref. No. P.R. No. 1036 Acq.23-II/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as he 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 378 Plot No. 709 situated at Vallabh Vidyanagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 24-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Prabhudas Umedbhai Patel, Talod, Prantij Taluka, Sabarkantha (Dist).

(Transferor)

(2) Shri Kalakant Chhotabhai Patel, Behind Valasan Panchayat Office, Anand Taluka.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Vallabh Vidyanagar C.S. No. 278, Plot No. 709 and as fully described as per sale deed No. 1243 registered in the office of Sub-Registrar, Anand on 24-4-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 6-12-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 6th December 1980

Ref. No. P.R. No. 1037 Acq.23-II/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Plot No. 27 of Arunoday Society, situated at Alkapuri,

Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 15-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohanbhai Bapubhai, Karta of Mohanbhai Bapubhai (HUF), 27, Arunoday Society, Alkapuri, Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Bipinchandrabhai Manibhai Patel, 7, Krishnakuni Society, Alkapuri, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Plot No. 27 of Arunoday Society and as fully described as per sale deed No. 2887 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda on 15-4-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 6-12-1980

Floor), Rekha No. 2, Ridge Road, Bombay-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Vidyaben Rajnikant Gajjar; Shradha Nivas, Block No. 14 (Third Floor), Kasturba Road, Kan-divali West, Bombay.

(1) Shri Ratilal Trikamlal Shah; Flat No. 13 (Third

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,II,

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 6th December 1980

Ref. No. P.R. No. 1038 Acq.23-II/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 303, Sector No. 22 situated at Gandhinagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 28-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moreys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Plot No. 303 in Sector No. 22, of Gandhinagar Township and as fully described as per sale deed No. 707 registered in the office of sub-registrar, Gandhinagar on 28-4-1980.

> MANGI LAL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 6-12-1980

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 6th December 1980

Ref. No. P.R. No. 1039 Acq.23-II/80-81.—Whereas, I, MANG1 LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 81 and 145 situated at Maje Petalpur, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 19-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Tulsidas V. Patel; Through: Its Partners; Patel House, Bombay-7.

 (Transferor)
- (2) Shri Rokadnathnagar Coop. Housing Society Ltd. President: Ratifal Manifal Manifal Patel; 6-B, Jayanand Society, Alkapuri, Baroda. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazettee.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 81 and 14-5, Moje Jetalpur as fully described as per sale-deed bearing No. 2510 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda on 19-4-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 6-12-1980

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Mohmed Sharif Ibrahimbhai; Behind Polson Dairy, Polson Road, Anand.

(Transferor)

(2) Shri Ajimuddin Samsuddin Malek; Anand Kasba, Anand.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,II,

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 6th December 1980

Ref. No. P.R. No. 1040 Acq.23-II/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

T.P.S. No. 1, situated at Anand

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Anand on 14-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated near Polson Dairy in the area covered under T.P.S. No. 1, Anand and as fully described as per sale deed No. 1110 registered in the office of Subregistrar, Anand on 14-4-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 6-12-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II,

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 11th December 1980

Ref. No. P.R. No. 1269 Acq.23-I/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Dhebar Road, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 24-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
23—416GI/80

Muktaben Jagjivan Dave;
 Shri Shashikant Jagjivan Dave;
 Shri Pravinbhai Jagjivan Dave;
 Jyostaben Jagjivan Dave;
 Madhuben Jagjivan Dave;
 Legal heirs of the deceased, Jagjivan Naranji Dave;
 Rajputpara Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Smt. Shantaben Prabhudas Ganatra; Shri Harsukhraj Prabhudas Ganatra; Shri Anil kumar Prabhudas Ganatra; Shri Bharatkumar Prabhudas Ganatra; 7/9, Milpara. Virani Blocks, Rajkot.

(Transferec)

(3) 1. Shiv Transport 2. Shreyad Agency; 3. Shri Rumniklal Maganlal; 4. National Engg. Co. 5. Dineshbhai Popatbhai. Dhebar Road, Rajkot. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

A building standing on land admeasuring 106.8.72 sq. yds. situated at Dhebar Road, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 2536 dated 24-4-80.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 6-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II.

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 11th December 1980

Ref. No. P.R. No. 1270 Acq.23-I/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25-000/- and bearing No.

Near Nirmala Convent School Road, situated at Nirmala Convent School Road, Kalavad Road, Rajkot

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Sudhir Development Co. Mangalam, 27, Prahalad Plot, Prahalad Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Suryakant B. Nathwani; "Manglam", 27, Prahalad Plot, Prahalad Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plots of land admeasuring 211.35 sq. mts. 250.84 sq. mts. 250.84 sq. mts. and 295.45 sq. mts. situated on Nirmala Convent School Road, Kalavad Road, Rojkot as described in respective sale-deeds duly registered by registering Officer, Rajkot vide Regn. No. 1804, Nil 1806, 1808 received during F. N. ending 15-4-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 11-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, 2ND, FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 10th December 1980

Ref. No. P.R. No. 1272Acq.23_I/80-8-.--Whereas, I, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Open land on Kasturba Road, situated near Usha Talkies, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer

at Rajkot on 3-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or oher assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M1s. Sudhaben Jaswantlal; M/68, Housing Board, Opp. Mahila College, Rajkot.

(Transferor)

(2) Mrs. Rajkunvarba B. Chadasama; C/o Usha Talkies, Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act.

shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 160 sq yds. situated near Usha Talkies, Kasturba Rond, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 1728 dated 3-4-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 10-12-1980

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

2ND, FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 10th December 1980

Ref. No. P.R. No. 1271Acq.23-I/80-81.—Whereas, I. MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Open land on Kasturba Road, situated at near Usha Talkies, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 3-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Mrs. Sudhaben Jaswantlal; M/68, Housing Board, Opp. Mahila College, Rajkot.

(Transferor)

(2) Mrs. Rajkunvarba B. Chadasama; C/o Usha Talkies, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 160 sq yds. situated near Usha Talkies, Kasturba Road, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 1728 dated 3-4-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 10-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,I

2ND, FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASIIRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 10th December 1980

Ref. No. P.R. No. 1273Acq.23-I/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Nutan Nagar Industrial Area Plot No. 15 situated at Mahuva (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mahuva on 1-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Parekh Laldas Pratapray; Gharadi Chawk, Mahuya.

(Transferor)

(2) Mophuja Asgarali Chhatadiya; Pirzada Chawk, Mahuva.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot admeasuring 3296.23.22 sq. mts. bearing Plot No. 15 situated at Nutannagar Industrial Area, Mahuva and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 730 dated 1-4-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 10-12-1980

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IJ

2ND, FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 9th December 1980

Ref. No. P.R. No. 1274Acq.23-1/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 10/2 situated at Jetpur

(and more fully described in the schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jetpur on 22-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mansukh Bhanubhal Desal; Bawawala Para, Jetpur.

(Transferor)

 Shri Rasiklal Jethulal Parekh; Kepad Bazar, Jetpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land admeasuring 2 Acre bearing S. No. 10/2 situated at Jetpur and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 320 dated 22-4-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 9-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri Bhana Jina Desai; Bawawala Para, Jetpur.

(Transferor)

(2) Shri Rasiklal Jethalal Parckh; Shri Babulal Jethabhai Parckh; Kapad Bazar, Jetpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

2ND, FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 9th December 1980

Ref. No. P.R. No. 1275Acq.23-I/80-81.—Whereas, I, MANGI I.AL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 10/2 situated at Jetpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jetpur on 22-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land admeasuring 2 Acre Gunatha 20, bearing S. No. 10/2 situated at Jetpur and as full described in the sale-deed registered vide Regn. No. 321/22-4-1980.

MANGI LAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 9-12-1980

Seal

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND, FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 9th December 1980

Ref. No. P.R. No. 1276 Acq.23-1/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 20 situated at Jetpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jetnur on 22-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesnid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bhikhu Bhana Desai, Basawala Para, Jetpur.

(Transferor)

(2) Shri Rasiklal Jethalal Parekh; Shri Babulal Ukabhai; Kapad Bazar, Jetpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land admeasuring Acre 2 Guntha 14 bearing S. No. 10/2, situated at Jetpur and as fully described in the sale-deed registered vide Rcgn. No. 323 dated 22-4-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad,

Date: 9-12-1980

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
2ND, FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 9th December 1980

Ref. No. P.R. No. 1277 Acq.23-I/80-81,---Whoreas, I, MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1012 situated at Jetpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officen at Jetpur on 22-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:——24—416GI/80

(1) Diwaliben Bhanubhai Desai, Bawawala Para, Jetpur.

(Transferor)

(2) Shri Rasiklal Jethalal Parekh; Shri Babulal Ukabhai; Kapad Bazar, Jetpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land admeasuring 2 Acre 20 Guntha bearing S. No. 10/2, situated at Jetpur and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 322 dt. 22-4-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 9-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND, FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 15th December 1980

Ref. No. P.R. No. 1041 Acq.23-II/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

Nondh No. 2793 H No. 2, Navsari Bazar, situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 2-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Partners of B. B. Corporation:
 Babhubhai Jasbhai Patel,
 Gopipura, Kazi Medan, Surat.
 Jagdishkumar Revabhai Patel,

Sagadiavad, Gopipura, Surat.

(Transferor)

(2) President, Vijaykumar Dhirubhai Desai, C/o Kartik Apartments Coop. Housing Society, Gopipura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Dhabawala Gali, Navsari Bazar, Nondh No. 2793, Wd. No. 2, Surat duly registered on 29-4-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date: 15-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND, FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 9th December 1980

Ref. No. P.R. No. 1042Acq.23-11/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Nondh No. 1436-1-B-2, adjacent to Kalyan Apartment situated at Nanpura, Wd. No. 1, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 23-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Thakorbhai Prabhubhai Mehta;
 Shri Vasabhai Prabhubhai Mehta;
 Mahaprabhu Kudampally Society Road,
 Timaliavad, Nanpura, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Tayo Builders; Kalyan Apartments, Timaliavad, Nanpura, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 1431-1-B-2, adjacent to Kalyan Apartments, Nanpura, Surat duly registered on 23-4-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date: 16-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 17th December 1980

Ref. No. P.R. No. 1278Acq.23-I/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 281 paiki situated at Ghodasar, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 21-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property a aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Shri Vinayak Ratilal Patel self and Karta of HUF.
 2. Shri Pradhumanya Vinayak Patel through;
 P. A. Holder Shri Shrish Vinayak,
 Both at Navavas, Danapith,
 Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Anand Co-op. Housing Society Ltd., through; Chairman: Shri Ghanshyam Tulsibhai Patel; C/o Shri Ishwarsingh Jagatsingh, No. 35, Anant Society Behind Lal Mills, Gomtipur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 281 paiki admeasuring 770.33 4-44.84 sq. yds. situated at Ghodasar, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 7189/21-4-1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 17-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 17th December 1980

Ref. No. P.R. No. 1279Acq.23-1/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S No. 281 paiki situated at Ghodasar, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 21-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shrì Shirish Ratilal biruself and as a Karta of family;
 - 2. Shri Sunal Shirish;
 - Shri Mayur Shirish;
 All at Danapith, Navawas,
 Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Anand Co-op. Housing Society Ltd., through:

Chairman: Shii Ghanshyam Tulsibhai Patel; C/o Shri Ishwarsingh Jagatsingh, No. 35, Anant Society Behind Lal Mills, Gomtipur, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 281 paikl admeasuring 770.33 + 44.84 sq. yds. situated at Ghodasar, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 7189/21-4-1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 17-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 17th December 1980

Ref. P.R. No. No. 1280Acq.23-I/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 281 paiki situated at Ghodasar, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 21-4-1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ard/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Jagdish Ratilal Patel self and as a karta of HUF.
 Minor Pradip Jagdish through his guardian Shri Virendra Jagdish,
 Both at Kankaria, Chinubhai Colony,
 Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Anand Co-op. Housing Society Ltd., through: Chairman: Shri Ghanshyam Tulsibhai Patel; C/o Shri Ishwarsingh Jagatsingh, No. 35, Anant Society Behind Lal Mills, Gomtipur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 281 palki admeasuring 770.33 + 44.84 sq. yds. situated at Ghodasar, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 7186/21-4-1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 17-12-1980

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 17th December 1980

Ref. No. P.R. No. 1281Acq.23-I/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 281 paiki situated at Ghodasar, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 21-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Jayantilal Ratilal Patel self and Karta of HUF.

 Minor Samir Hemil Jayantilal through his guardian Jayantilal; Both at Navavas, Danapith, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Anand Co-op. Housing Society Ltd., through: Chairman: Shri Ghanshyam Tulsibhai Patel; C/o Shri Ishwarsingh Jagatsingh, No. 35, Anant Society Behind Lal Mills, Gomtipur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 281 paiki admeasuring 770.33 + 44.84 sq. yds. situated at Ghodasar, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 7187/21-4-1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 17-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 17th December 1980

Ref. No. P.R. No. 1282/Acq.23-I/80-81.—Whereas, I. MANGI LAL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 281 paiki situated at Ghodasar, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 21-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesair exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of he said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Kirit Ratilal Patel—Self & as a Karta of HUF.
 Ahmedabad.
 - Minor Hetal through his guardian Shri Kirit Ratilal Patel; Ahmedabad,

(Transferor)

(2) Anand Co-op. Housing Society Ltd., through: Chairman: Shri Ghanshyam Tulsibhai Patel; C/o Shri Ishwarsingh Jagatsingh, No. 35, Anant Society Behind Lal Mills, Gomtipur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 281 paiki admeasuring 770.33 + 44.84 sq. yds. situated at Ghodasar, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 7188/21-4-1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 17-12-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedahad-380 009, the 17th December 1980

Ref. No. P.R. No. 1283 Acq. 23-1/80-81.-Whereas, I, MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 281 paiki,

situated at Ghodasar, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 21-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-25—416GI/80

(1) 1. Shri Suryakantbhai Muljibhai Patel, self and as a Karta of family.

 Paresh Suryakant &
 Parul Suryakant, All at Navavas, Danapith, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Anand Co-op. Housing Society Ltd., through: Chairman: Shri Ghanshyam Tulsibhai Patel; s/o Shri Iswarsingh Jagatsingh, No. 35, Anant Society, Behind Lal Mills, Gomtipur, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 281 paiki admeasuring 1540 sq. vds. + 89.68 sq. yds. situated at Ghodasar, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No. 7181/21-4-80 i.e. property as fully described therein.

> MANGI LAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 17-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th December 1980

Ref. No. P.R. No. 1284 Acq. 23-I/80-81.--Whereas 1, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 281 paiki,

situated at Ghodasar, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 21-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Harish Muljibhai Patel, through: Power of Attorney Holder: Shri Suryakant Muljibhai, 819, Navawas, Danapith, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Anand Co-op. Housing Society Ltd., Shri Ghanshvam Tulsibhai Patel; C/o Shri Iswarsingh Jagatsingh, No. 35, Anant Society, Behind Lal Mills, Gomtipur, Ahmedabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 281 paiki admeasuring 1540 sq. yds. +89.68 sq. yds. situated at Ghodasarbad, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No. 7183/21-4-80 i.e. property as fully described therein.

> MANGI LAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 17-12-1980 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th December 1980

Ref. No. P.R. No. 1285 Acq. 23-1/80-81.—Whereas I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 281 paiki,

situated at Ghodasar, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 21-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

 Shri Jashbhal Muljibhai Patel, through: P. A. Holder, Shri Suryakant Muljibhai, Navavas Danapity, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Anand Co-op. Housing Society Ltd., through: Chairman: Shri Ghanshyam Tulsibhai Patel; C/o Shri Iswarsingh Jagatsingh. No. 35, Anant Society, Behind Lal Mills, Gomtipur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 281 paiki admeasuring 1540.61 sq. yds.+89.67 sq. yds. situated at Ghodasar Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No. 7183/21-4-80 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th December 1980

Ref. No. P.R. No. 1286 Acq. 23-I/80/81,---Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 281 paiki,

situated at Ghodasar, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 21-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shardaben Ratilal, Navawas, Danapity, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Anand Co-op. Housing Society Ltd., through: Chairman: Shri Ghanshyam Tulsibhai Patel; C/o Shri Iswarsingh Jagatsingh. No. 35, Anant Society, Behind Lal Mills, Gomtipur, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ac, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 281 paiki admeasuring 770.33 sq. yds. +44.84 sq. yds. situated at Ghodasar, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No. 7184/21-4-80 i.e. property as fully, described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 17-12-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 24th November 1980

Ref. No. ΔSR/80-81/244.—Whereas I, ΔNAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000,- and bearing No. one property situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Girdhari Lal s/o Bishakhi Ram, r/o Hall Bazar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Prem Singh s/o Sh. Dalpat Singh, and Swai Singh s/o Prem Singh, r/o House No. 2310, Bagh Ramanand, Amritsar.

(Transferces)

(3) As per S. No. 2 above and tenant(s) if any.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property, situated in Bagh Ramanand, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 9 dated 1-4-1980 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, chanderpuri tylor road, Amritsar

Date: 24-11-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, the 27th November 1980

Ref. No. ASR/80-81/245.—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property, situated at

(and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferr to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Welth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Chiman Lal 8/o Sh. Mukund Lal and Roshan Lal 8/o Nand Lal, r/o Sabji Mandi, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Gurmej Kaur wd/o Sh. Bhan Singb, r/o Ram Bagh Gate. 1072/I now House No. 1330/1285/409, oppst Gurdwara Tandon Nagar, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any. [Person in occupation of the property]
- (4) Any other.

 [Person whom the undersigned know to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being No. 1330/1785 & 407 in Tandon Nagar Batala Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 423 dated 10-4-80 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, chanderpuri tylor road, Amritsar

Date: 27-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/246.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land situated at

(and more fully described in the Schedule nnnexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesnid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Amir Chand s/o Sh. Charan Dass, r/o Nimak Mandi, Kucha Gandawala, Amritaar.

(Transferor)

(2) Sh. Ashok Kumar s/o Sardari Lal. employee in Bank of India Branch, Golden Temple Road. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any. [Person in occupation of the property]
- (4) Any other.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- Use terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE .

One plot of land measuring 420 sq. yds. situated on Jail Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 55/I, dated 5-4-1980 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 3, chanderpuri tylor road, Amritsar

Date: 4-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/247.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One property, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Gurprit Singh s/o Amar Singh, Rani Ka Bagh ASR, through Amarprit Singh s/o Amar Singh, r/o S-157 Greater Kailash-I, New Delhi Mukhtar aam.
- (2) Sh. Surjit Singh s/o Kirpal Singh, r/o Shop No. 2390/6, Bazar Papranwala, Amritsar.

(Transferec)

(Transferors)

- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One kothi No. 9 khasra No. 523/I & 548/I khata No. 39 jamabandi year 1970-71, situated in Rani Ka Bagh, Amritsar (1/3 share & area 278 sq. mtrs) as mentioned in the sale deed No. 263/I dated 23-4-1980 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS,
CompetentAuthority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, chanderpuri tylor road, Amritsar

Date: 4-12-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ΛCQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/248.—Whereas I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on April. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27, of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

26-416GI/80

(1) Sh. Amarprit Singh s/o Amar Singh, r/o S-157, Greater Kailash I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Abnash Singh s/o Surjit Singh, r/o shop No. 2390/6 Bazar Papran, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
- [Person in occupation of the property] (4) Any other.

[Person whom the undersigned know to be interested in the property]

Objectious, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One kothi No. 9 khasra No. 523/I & 548/I & khasra No. 395 (1/3rd share & area 278 sq. mtrs.). situated in Rani Ka Bagh. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 265/I dated 28-4-1980 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range.
3, chanderpuri tylor road. Amritsar

Date: 4-12-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE. AMRITSAR

Amritsar, the 4th December 1980

No. ASR /80-81 /249.--Whereas f. ANAND Ref. SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 25.000/- and bearing No.

One plot of land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

SR GSP in April, 1980

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :-

(1) Sh. Muni Lal s/o Gian Chand, r/o Inside Main Bazar. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Smt. Yash Rani w/o Sh. Sat Pal, s/o Gian Chand. r/o Gurdaspur.

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if anv. Sh. Sondhi Ram @ Rs. 25/- p.m.

 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other.

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the propertyl

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

One plot of land measuring (1067 sq. yds), situated on Trimo Road, Gurdaspur as mentioned in the sale deed No. 246/dated 11-4-1980 of the Registering Authority, Trimo Gurdaspur,

> ANAND SINGH, IRS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Chanderpuri Taylor Road, Amritsar

Date: 4-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE. AMRITSAR

Amritsar, the 4th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/250.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-libe property, having a fair market value exceeding

Rs. 25.000/- and bearing No.

One property at Gurdaspur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR GSP in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Gurdaspur Roller Flour Mills. through Kamlesh Kumar etc. r/o Gurdaspur.

(Transferor)

(2) M/s. Ram Parkash Shiv Kumar, G. T. Road, Mandi Gurdaspur.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
Mayor Food Corporation of India,
Gurdaspur.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections. if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property consisting of godown, situated in Mandi Gurdaspur, as mentioned in the sale deed No. 402/dated 21-4-1980 of the Registering Authority, Gurdaspur.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Taylor Road, Amritsar

Date: 4-12-1980

Scal:

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THEINCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRIISAR

Amritsar, the 4th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/251.—Wherens I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. One plot of land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsur in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dr. Khushi Ram s/o
 Sh. Jai Chand,
 Narinder Kumar & Susheel Kumar, Ss/o
 Dr. Khushi Ram,
 O 14, Jail Road,
 Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Ravi Kumar s/o Sh. Chuni Lal, 1/o Ktr. Dulo, Amrisar.

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

One plot of land Khasra No. 98, situated at Iail Road, Amritsar (measuring 202 sq. mtrs.) as mentioned in the sale deed No. 95/I dated 7-4-1980 of the Registering Authority, Amritsar.

NAND SINGH, IRS.
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range,
3. chanderpuri tylor road, Amritsar

Date: 24-12-1980

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Ameitsar, the 4th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/252,--Whereas I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One plot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsat in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Gian Kaur wd/o S. Jagjit Singh, r/o Gandhi Nagur, Jammu.

(Transferor)

(2) S. Balbir Singh of M/s. Sewa Singh & Sons, Lawrance Road, Amritsar, and S. Amarjit Singh s/o S. Sewa Singh, r/o Katra Bhai Sant Singh, Amritsar.

(Transferees)

- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -'The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot No. 44, situated in Shastri Nagar (scheme No. 62) as mentioned in the sale deed No. 47/1 dated 3-4-1980 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH. IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, chanderpuri tylor road, Amritsar

Date: 4-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. AMRITSAR

Amritsar, the 4th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/253,—Whereas I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing One plot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer ISR Amritsar in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Darshan Kumar s/o Sh. Piara Lal, 166 Shastri Nagar. Lawrance Road. Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh Ashwani Kumar s/o Sh. Sardari Lal, Shakuntala Devi w/o Sardari Lal r/o H. No, 131 Gopal Nagar, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No 2 above and tenant(s) if any.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land, situated on Jail Road (measuring 420 sq. vds). Amritsar as mentioned in the sale deed No. 58/I dated 5-4-1980 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
3, chanderpuri tvlor road. Amritsar

Date: 4-12-1980

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX. ACQUISITION RANGE. AMRITSAR

Amritsar, he 8th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/255. --Whereas I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One residential house

(and more fully described in the Schedule (annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Raj Noth Kishan Mohan, Janki Nuth, Kamal Kishote and Jagdish Chand, ss/o Kanaya Lal, r/o Katra Aluwalia, Kucha Sita Ram, Amrusar.

(Transferor)

(2) Sint. Saroj Koehhar w/o Viiay Kumar, Varsha Koehhar w/o Vinod Kumar, and Pushpa Koehhar w/o Vimal Kumar, r/o House No. 1014/H 1077 & 1869/H-24, Ktr. Aluwalla, Kucha Sita Ram, Amritsar

(Fransferce)

- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

INPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One residential House No. 1014/II 1077 & 1869/II-24 Ktr. Aluwalia. Kucha Sita Ram, as mentioned in the sale deed No. 108 dated 8-4-80 of the Registering Authority. Amritsar,

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
3, chanderpuri tylor road, Amritsar

Date: 8-12-1980

ΓORM ITNS-- - - (1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPLCTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th November 1980

Ref. No. ASR/80-81/254.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One plot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amrit in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay fax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Kartar Singh s/o Harbans Singh, r/o Chawal Mandi, Ameitsar.

('Transferor)

(2) Kulwant Rai s/o Sh. Amolak Ram, r/o Bhikhiwind, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHLDULE

Plot No. 307, situated on Shiwala Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 99/1 dated 8-4-1980 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assit, Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
3, chanderpuri tylor road, Amritsar

Date: 29-11-1980

Seal .

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, he 8th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/256.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shops

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons. namely:—
27—416GI/80

(1) Bhai Tara Chand Saraf Trust (of Peshawar), New Delhi, through Sh. Swinder Singh & Dr. Ram Singh Trustees, r/o Chawal Mandi, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Raghu Nath Dass Sethi, s/o Sh. Lal Chand Sethi, r/o Bazar Majith Mandi, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

M/s. Sham Sunder Rajinder Kumar,

M/s. Sham Sunder & Son.

M/s. Ayudhia Nath Surinder Nath &

Prem Ashram School.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other:

[Person whom the undersigned know to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three shops No. 2608 to 2610/6, situated in Majith Mandi, Amritsar Bazar Gujran as mentioned in the sale deed No. 228/I dated 22-4-1980 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRSCompetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, chanderpuri tylor road, Amritsar

Date: 8-12-1980

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/263.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason ot believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Satwant Kaur d/o Mahajan Singh, through General attorney S. Annop Singh, s/o Kartar Singh, r/o House No. 4546 Akhara Kallahoo, Amritsar.
- (2) Sh. B. L. Takiar s/o Ganpat Rai, r/o H. No. 4769 Sultanwind Road,

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
- [Person in occupation of the property]
 (4) Any other.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land Khasra No. 534-535, Plot No. 8-9-10 min situated in Kapur Nagar urban Sultanwind Road, as mentioned in the sale deed No. 244/I dated 23-4-1980 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
3, chanderpuri tylor road, Amritan

Date: 15-12-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/264.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R. Amritser

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Pashwinder Singh s/o Joginder Singh, Chowk Lachhmansar Amritsar, through Mohinder Singh s/o Ghasita Singh, Najampura, Teh. Amritsar mukhtar-a-am. (Transferors)
- (2) Sh. Bodh Raj s/o Mala Ram, & Mala Ram s/o Lachhman Dass, & Mohan Lal s/o Sh. Jiwan Lal, Ganpat Ram s/o Harji Ram, s/o Ladhu Ram, r/o Kot Mahan Singh, Tarn Taran Road, Amritsar.

(Transferees)

- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. khasra No. 1118-1119 measuring 335.50 sq. mtrs, situated in Bahadur Nagar Sultanwind urban, Tarn Taran Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 256/I dated 23-4-1980 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, 3, chanderpuri tylor road, Amritsar

Date: 15-12-1980

Seel:

NOTICE UNDER SECTION 26D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th December 1980

ASR /80-81 /265 .- Whereas ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 35K-16M Khata/Khatauni No. 8/17, 18, 19 at V. Kotli Sur Singh,

situated at Kotli Sur Singh, Tehsil Patti, Distt. Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patti in 24th April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- Smt. Avtar Kaur wd/o Amar Singh,
 V. & P.O. Sur Singh,
 Tehsil Patti, Distt. Amritsar.
- (Transferor) (2) Shri Anoop Singh, Harbachan Singh, ss/o Desha Singh, r/o Sur Singh, Tehsil Patti.

- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any. (Transferces)
- [Person in occupation of the property] (4) Any other,

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expression used herein as are defiend in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 71-72 marlas of 1/2 35 kanals 16 marlas khata/khatoni No. 8/17, 18, 19 (Kisam Nehri) at village Kotl; Sur Singh Tehsil Patti as mentioned in the regd. deed No. 941 dated 24-4-80 of the Registering Authority, Patti.

> ANAND SINGH, IRS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. 3, chanderpuri tylor road. Amritsar

Date: 15-12-1980

FORM ITNS----

(1) Chairman, Improvement Trust, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Khanna, Sh. Narinder Kumar Khanna S/o Sh. Jai Gopul Khanna R/o Green Avenue, Amritsar.

(2) Sh. Jai Gopal Khanna S/o Shri Ram Rakha Mal

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/266.—Wheraes I, ANAND SINGH, RS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 486, 486/I area 800 Sq. yds. situated a Green Avenue, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Amritsar on 8th April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (3) As at S, No. 2 and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person nterested in the property.

 [Person(s) in occupation of the property]

 be interested in the property)
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latr;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 486, 486/I on a plot measuring 800 sq. yds, in Green Avenue. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 96/I dated 8-4-1980 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 3-Chanderpuri.
Tayor Road, Amritsar.

Date: 15-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/267.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Kothi No. 361A measuring 325 sq. yds. situated at Green Avenue, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar City, in 17th April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeshald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—-

- (1) Shri Radhey Sham s/o Gopal Dass R/o 361A Green Avenue, Amritsar.
- (2) Shri S. Sukha Singh s/o Harnam Singh R/o Amritsar, 361 Green Avenue.
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
 (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 361 A an a plot measuring 325 sq. yds. in Green Avenue, Amritsar as mentioned in the Regd. No. 165/I dated 17-4-1980 of the Registering Authority, Amritsar City.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Amritsar
3-Chanderpuri, Taylor Road,
Amritsar.

Date: 15-12-1980

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/268.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. Khasra No. 327 min measuring 300 yds at Kapoor Castle situated at Kapoor Castle, Islamabad Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City, on 17-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Hans Raj s/o Sh. Shambhu Nath Kapoor R/o Connaught Circus No. 64H, New Delhi, (Transferor)
- (2) Smt. Rita Kapoor S/o Sh. Anoop Kapoor, R/o Islamabad, Phatak No. 22, Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any. Smt. Rita Kapoor w/o Anoop Kapoor.

 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property,

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plot No. Khasra No. 327 min measuring 300 sq. yds. at Kapoor Castle, Islamabad, Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 180/I dated 17-4-1980 of the Registering Authority, Amritsar City.

ANAND SINGH IRS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Amritsar.

3- Chanderpuri, Taylor Road, Amritsar.

Date: 15-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/269.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing Plot No. 3

Khasra No. 1118-1119 min measuring 333.50 sq. mts. situated at Guru Teg Bahadur Nagar, Sultanwind Urban, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritsar on 5th April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Jeet Kaur w/o Ghasita Singh Nizampura Tehsil & Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh s/o Sardool Singh, Gurdev Nagar, Tarn Taran Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any, if any, [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3 Khasra No. 1118-1119 min area 333.50 sq. mts. at Guru Teg Bahadur Nagar, Sultanwind Urban, Amritser as mentioned in the sale deed No. 52/1 dated 5-4-80 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsur.
3-Chanderuri, Taylor Road, Amritsan

Date: 15-12-1980

Seal;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/270.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land 35K-16M (Nehri) Khata/Khatauni situated at 8/17, 18 19 Village Kotli Sur Singh Teh. Pattì

(and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Potti on 24th April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferr to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Welth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely:—28—416GI/80

 Smt. Aytar Kaur wd/o Amar Singh R/o Sur Singh P.O. Sur Singh Tehsil Patti, Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Boota Singh, Malook Singh, R'o Sur Singh Teh. Patti, Distt, Amritsar.

(Transferee)

(3) A_S at Sr. No. 2 and tenant(s) if any. if any.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land 71 kanals, 12 marias, 1/2 share 35 kanals 16 marias khisa/khatauni No. 8/17, 18, 19 at village Kotli Sur Singh (Nehri) as montioned in the Regd. Deed No. 442 dated 24-4-80 of the Registering Authority, Patti.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar,
3-Chanderpuri, Taylor Road, Amritsar

Date: 15-12-1980

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/271.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 12 khasra No. 1119 min area 337.50 sq. mts, situated at Guru Teg Bahadur Nagar, Sultanwind Urban, Amritsar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in 5th April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) S. Mohinder Singh s/o Gurdit Singh, R/o Nizampura Tehsil & Distt. Amritsar. (Transferor)
- (2) S. Karam Singh s/o Malla Singh Gurdev Nagar, Amritsar and Tajinder Singh, Davinder Singh, Karkhana Bazar, Sultanwind Road, Amritsar.

(Transforees)

- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any,
 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 12 khasra No. 1119 in measuring 337.50 sq mts. at Guru Teg Bahadur Nagar, Sultanwind Urban, Amritsar as mentioned in the sale deed 140. 51/I dated 5-4-80 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsur,
3-Chanderuri, Taylor Road, Agriffent

Date: 15-12-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR
Amritsar, the 15th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/272.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot of land situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

SR Amritsar on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mohinder Singh s/o Ghasita Singh R/o Nizampura Teh. & Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Anwantkar w/o Avtar Singh, R/o Depak Gali No. 5, Kot Baba Dip Singh, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person interested in the property.

 [P'erson(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publicatios of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 9 khasra No. 1118-1119 min situated in Guru Teg Bahadur Nagar Tarn Taran Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 169/I dated 17-4-80 of the registering authority.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsan
3-Chanderuri, Taylor Road, Amritsan

Date: 15-12-1980

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/273.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot area 500 sq. yds. situated at

Hund off Sultanwind Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Amritsar on 7th Aril 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the suid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S. Ganga Singh s/o Devi Ditta and Khairati Lal s/o Hari Ram and Vijay Kumar s/o Baldev Raj, Amritsar.

(Transferor)

(2) Suresh Kumari s/o Satish Kumar Amritsar.

(Transferee ;

- (3) As at Sr. No. 2 mentioned overleaf and tenant(s) if any.

 [Paragraphy] in accumulation of the Property.
 - [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot measuring 500 sq. yds. khasra No. 928/95 at Hund off Sultanwind Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 207 dated 7-4-80 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 15-12-1980

FORM NO. I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/274.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing No.

Khasra No. 656 min tatuated at S. No. 62, Shastri Nagar, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on April 1980

for an apparent considuation which is less than the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in, pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Joginder Pal, Janak Raj, Prem Parkash, Raman Kumar, Harish Kumar ss/o Sh. Dwarka Dass R/o 118- Race Course Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shii Faqir Chand s/o Shri Hans Raj, R/o Chobal Tehsil Taran Taran.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any. to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 314 sq. yds. bearing Khasra No. 656 Min. situated in Scheme No. 62, Shastri Nagar, Amritsar, as mentioned in Sale Deed No. 286/I, dated 25-4-80 of the registering authority, Amritsar city.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.
3-Chanderpuri, Taylor Road, Amritsar

Date: 15-12-1980

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/275.---Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Khasra No. 656 situated at scheme No. 62, Shastri Nagar, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Joginder Pal, Janak Raj, Prem Parkash, Raman Kumar, Harish Kumar ss/o Sh. Dwarka Dass R/o 118- Race Course Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shti Jeet Singh s/o Hannam Singh, R/o Sarar Pura, Sultanwind, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.

 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meeting as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plet of lend measuring 366 sq. yds. bearing Khasra No. 656 Min. situated in Scheme No. 62, Shastri Nagar, Amritsar, as mentioned in Deed No. 285/1, dated 25-4-80 of the registering authority, Amritsar city.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Amritsar.
3-Chanderpuri, Taylor Road, Amritsar

Date: 15-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACOUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/276.--Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Khasra No. 675 situated at Scheme No. 62

Shastri Nagar, Amritsar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR. Amritsar City on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(2) Shri Bhola Nath s/o Shri Daval Singh Resident of Batala.

(2) Smt. Satwant Kaur w/o Shri Narinder Singh, and Smt. Vidya Vati w/o Shri Sohan Lal, Ram Bagh, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at Sr No. 2 and tenant(s) if any, [Person(s) in occuation of the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 425 Sq. Yds. bearing Khasra No. 675 situated in scheme No. 62, Shastri Hagar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 222 dated 21-4-1980 of the Registering Authority, Amritsar City.

ANAND SINGH IRS Competent Authority Inspecting assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar. 3-Chanderpuri, Taylor Road, Amritsar

Date: 15-12-1980

mentali suga promoto di se e especi sobi della propiosa menta e propiosa e especial del especial del especial Mangani e de sua especial della propiosa della completa di disconormia e propiosa della especial della especial

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/277.--Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot of land Khasra No. 851 min area 437.50 sq. mts. situated at Taran Taran Road, Sultanwind urban, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in 5th April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kishan Lal s/o Om Parkash Katra Bhagia, Amritsar.

(Transferor)

(2) Ujogar Singh s/o Gurdial Singh Chowk B. by Sahib, Gali Punjab Singh, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 mentioned overleaf and tenant(s) if any.

 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the occursition of the said property may be made in wiffing to the undereigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, that have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land Khasra No. 851 min measuring 437.50 sq mts. situated Tarn Taran Road, Sultanwind urban, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 61/I dated 5-4-80 of the Registering Authority, Amritsar City.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.
3-Chanderpuri, Taylor Road, Amritsar

Date: 15-12-1980

FORM J.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th December 1980

Rcf. No. ASR/80-81/278.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinofter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing I and measuring 38 kanals 12 marks in village Hundal (Nehri) situated at Village Hundal Tehsil Patti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Patti in 5 April, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following poisons, namely:—
29—416GI/80

 Sat. Paramjit Kaur, Viro d/o Smt. Budho, W/o Santokh Singh, R/o V. Hundal Tehsil Patti Now at Bhandal, Tehsil Patti Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Snit, Kashmir Kaur w/o Ajit Singh and Ajit Singh s/o Kartar Singh, R/o V. Basarke Tehsil Patti, Distt. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 mentioned overleaf and tenant(s) if any.

 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

 [Person(s) in occupation of the Property]

 to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 38 kanals 12 marlas (Nehri) in village Hundal as mentioned in the Registered Deed No. 141 dated 5-4-80 of the Registering Authority, Patti.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar,
3-Chanderpuri, Tayor Road, Amritsar

Date: 15-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961(43 OF 1961)

 District Courts Employees Cooperative House Building Society Ltd. Amritsar through S. Nirmal Singh S/o S. Jhanda Singh, R/o 29-Golden Avenue, Amritsar.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/279.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.

bring the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot o. 103 area 266.7 sq. mts. minjumla Kh. o. 1695 and 1699 situated at Golden Avenue, Head Water Works Road, Amritsar

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on 18th April, 1980

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) S. Gurdev Singh s/o Harnam Singh, R/o 103 Golden Avenuc, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 mentioned overleaf and tenant(s) if any.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid ersons with a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 103 area 266.7 sq. mts. min jumla khasra No. 1695, 1699 at Golden Avenue, Head Water Works Road, Amritsar Urban as mentioned in the sale deed No. 182/I dated 18-4-80 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.
3-Chanderpuri, Taylor Road, Amritsar

Date: 15-12-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/280,—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot of land No. 264A area 850.20 sq. yds, situated at East Mohan Nagar, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in 18th April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Amritsar Improvement Trust, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Pritam Singh s/o S. Gurdit Singh, Shri Amarjit Singh s/o S. Pritam Singh, 264A, East Mohan Nagar, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at Sr. No. 2 mentioned overleaf and (enant/s) if any.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land East Mohan Nagar (area 850.20 sq. yds.) situated in East Mohan Nagar, Appritsar as mentioned in the sale deed No.196 dated 18-4-80 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.
3-Chanderpuri, Taylor Road, Amritsar

Date: 15-12-1980

Scul:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/257.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

Property No. 2, situated at East Mohan Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR, Amritsar on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason, to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income ausing from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shi Parma Nand Sharma S/o Shri Radha Kishan Sharma, East Mohan Nagar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Ram Parkash, Ram Murti, Sohan Lul Ss/o Shri Des Raj, East Mohan Nagar, No. 2, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 mentioned overleaf and tenant(s) if any.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building No. 2, East Mohan Nagar, Amritsar us mentioned in sale deed No. 273/I dated 25-4-80 of the registered authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsan
3-Chandelpuri, Taylor Road, Amritsan

Date: 9-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPICTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/258.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 14, situated at Jail Road, Amritaar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR, Amritsar on April 1980

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason of believe that the fair market value of the projectly as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Λct, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Dr. Khushi Ram s/o Shri Jai Chand, Krishna Mehra w/o Shri Khushi Ram Mehra and Shushil Kumar and N. K. Mehra Ss/o Shri Khushi Ram Mehra, Jail Road, Amritsar.

(Transferor)

(1) Shri Deepak Kumar s/o Shri Chuni Lal, Katra Dulo, Amristar.

(Transferee)

be interested in the property)

- (3) As at Sr. No. 2 mentioned overleaf and tenant(s) if any.

 [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other.
 [Person(s) whom the undersigned knows to

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 250 Sq. yds. No. 14, Jail Road, Amritsar as mentioned in sale deed No. 199 dated 18-4-80 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar
3-Chanderpuri, Taylor Road, Amritsar

Date: 10-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/259.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Kothi No. 5 Area 822 sq. mts.), situated at Court Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in th office of the Registering Officer at

at Amritsar City on 17th April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitatin the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Ramesh Kumar Barch S/o Sh. L. Barch, Shama Mehra D/o Sh. L. Barch W/o Sh. Sushil Kumar Mehra, Smt. Binni Barch Wd/o Sh. L. Barch R/o Court Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Wanti D. o Sawan Singh Wd/o Sh. Om Parkash, Smt. Surinder Dhawan w/o Sh. Raj Kumar R/o Kt, Sher Singh, Amritsar. (Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. J. Sh. Harbhajan Singh, E.E. Pb. State Elect. Board, 2. Sh. Thomas,

Ganhaya Singh
 Sh. Mulakh Raj,
 Sh. Ram Nidhi,

6. Sh. Raj Kumar. 7. Sh. Girdhari Lal,

8. Sh. Kapoor, and 9. Sh. Raju

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Offifficial Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 5 measuring 822 sq. mts. in Court Road, Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 159 dated 17-4-1980 of the Registering Authority, Amritsar.

> ANAND SINGH, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 3-Chanderpuri, Taylor Road, Amritsar

Date: 10-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th December 1980

Ref. No. TT/80-81/260.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land 41 K-10M (Nohri) situated at Jarmasatpur Tehsil T. T.

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Tarn Taran on 1st April 1980

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Harnam Kaur Wd/o Amar Singh R/o Jarmasatpur 'Tehsil Tarn Taran.

(Transferor)

(2) Shri S. Maan Singh Mohinder Singh Ss/o Ram Singh, R/o Jarmasatpur Tehsil Tarn Taran.

(Transfereo)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 41 K-10M (Nehri) Khata No. 139/392 in Jaramsatpur Tehsil Tarn Taran Distt. Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 22 dated 1-4-1980 of the Registering Authotity, Tarn Taran.

ANAND SINGH, IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
3-Chanderpuri Taylor Road, Amritsar

Date: 10-12-1980

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/261.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land 28 K-9M (Nehri) situated at Chusalwar Teh. Patti (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patti on 5th April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. Dharam Singh S/o Mangal Singh R/o Chusalwar Tehsil Patti.

(Transferor)

(2) Shri S. Jaswant Singh Kulwant Singh Lakhwinder Singh Gurdip Singh \$2/0 Gopal Singh R/o Chusalwar Tehsil Patti.

(Transferce)

(3) As at Sr. No. 2 mentioned overleaf and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 28 kanals 9 marlas (Nehri) Kila No. 33 5-8

9/2 12/1 12/2 19 22 3-9 4-0 7-16, 7-16 in Chusalwar tehsil Patti as mentioned the Regd. Deed No. 138 dated 5-4-1980 of the Registering Authority Patti,

ANAND SINGH IRS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 3-Chanderpuri Taylor Road, Amritsar

Date: 10-12-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th December 1980

Ref. No. TT/80-81/262.—Whereas 1, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land 33 K-14M situated at V. Lokha Teh. Tarn Taran (and more fully, described in the Schedule unnexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Tarn Taran on 17th April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri S. Shamir Singh S/o Chattar Singh R/o Village Nathupur Tehsil Tarn Taran.

(Transferor)

(2) Shri S. Pal Singh Geja Singh Tarlok Singh Bhaja Singh Ss/o S. Karnail Singh, Kehar Singh S/o Ujagar Singh R/o Village Lohka Tehsil Tarn Taran.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 mentioned overleaf and tenant(s) if any.
 - (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 33 kanals 14 marlas Khata No. 757/1425 /1426 /1427 /1428 /1429 /1430 /1431 /1432 /1434 /1435 (Nehri) in Village Lohka Tehsil Tarn Taran as mentioned in the Regd. Deed No. 574 dated 17-4-1980 of the Registering Authority Tarn Taran.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
3-Chanderpuri Taylor Road, Amritsar

Date: 10-12-1980

Seal:

30-416GI/80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th December 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1796,—Whereas I, VIJAY MATHUR.

Being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House No. 95, situated at Tilak Path, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on 3-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Manoharlal S/o Shri Kishorilal Gajar R/o House No. 186, Jai Road, Indore.

(Transferor)

(2) (1) G. C. Gupta S/o Shri Chotelalji Gupta,
(2) Smt. Sunder Bai W/o Shri G. C. Gupta,
House No. 9, Tilak Path, Indore.

(Transferce)

- (3) (1) Shri Dhalumal Trilochand

 - (2) Jamnadas Trilochand(3) Mohandas & Patel

95, Tilak Path, Indore.
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 95, situated at Tilak Path, Indore.

VIJAY MATHUR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Date: 5-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P. Bhopal, the 16th December 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1797.—Whereas I, VIJAY MATHUR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 956 (Double Storeyed) situated at Khatiwala Tank, St. No. 4, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 2-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhagat Singh S/o Shri Bhola Singh, R/o House No. 956, Khatiwala Tank, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Dhanpatsingh Chabra, S/o Shri Balvantsingh Chabra, R/o House No. 45, Patel Marg, Dhar.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed house No. 956, situated at Khatiwala Tank, Street No. 4. Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 5-12-1980

(1) Smt. Hiralbai Vishwadhan Rasoolmal, 163, Palsikar Colony, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Lajwantibai W/o Shri Ramchandraji, 163, Palsikar Colony, Indore.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th December 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1798.—Whereas I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Municipal House No. 163, situated at Palsikar Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 7-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 163, situated at Palsikar Colony, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 5-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Smt. Rajbai W/o Shri Tejrajji Gandhi (ii) Babulal (iii) Ratanlal (iv) Smt. Sampatbai (v) Tejrajji, R/o Porvadakavas, Ratlam.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th December 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1799.—Whereas 1, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 31/83 situated at Bajaj Khana, Ratlam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 19-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(2) Smt. Hajjani Fijjabai, W/o Shri Abbas Bhai, R/o Bohara Bakkhal, Ratlam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 31/83, situated at Bajaj Khana, Ratlam.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 5-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th December 1980

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/80-81/1800.—Whereas 1, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. House No. 31/83 situated at Bazar Khana, Ratlam, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ratlam on 16-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Baji Bai W/o Tej Rajji Gandhi
 (2) Babulal S/o Tej Bajji,
 (3) Ratanlal,
 (4) Smt. Sampat Bai,
 (v) Tejrnjji R/o Porvadakavas, Ratlam.
 (Transferor)
- (2) Smt. Hajjani Fijjabai W/o Shri Abbas Bhai, R/o Bohara Bakkal, Ratlam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 31/83, situated at Bajaj Khana, Ratlam.

VIJAY MATHUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 5-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 16th December 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1801,—Whereas I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House situated at Motia Park, Bhopal

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bhopal on 3-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to ay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 (1) Shri Jamal Mohd. S/o Jalal Mohd (2) Sharafat Jahan Begum (3) Lathafath Jahan (4) Sharaf Jahan D/o Jalal (5) Jafar Ali S/o Shri Azad Ali, Motia Park, Old Sabji Market, Ibrahimpura, Sultania Road, hopal.

(Transferor)

(2) Shri Mohd. Aziz S/o Shri Kale Khan R/o Ibranimpura, Near Kabit Wali Masjid, Bhopal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Motia Park, Bhopal.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 16-12-1980

FORM I.T.N.S .--

 Smt. Dhan Goari W/o Dharamsi Bhai Rathod, R/o Fafadih, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 16th December 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1802.—Whereas I, VIJAY MATHUR.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Block No. 77, Plot No. 2/112, H. No. 5/237 to 238 situated at Modhapura, Raipur

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Raipur on 22-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason ot believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Sheoji Bhao S/o Jairam Bhai Rathod, Fafadih, Raipur. (Transferee)

(3) (1) Shri Shyamlal Jagatmal (2) Puranlal Viroomal
 (3) Rawaldas Tharomal, Modhapara, Raipur.
 [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old police lines, Jairam Talkies Chowk, Fairpur Block No. 77, Plot No. 2/112, area 1740 sq. ft. and rental house No. 5/237 to 238 at Modahapura, Raipur,

VIJAY MATHUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 16-12-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 16th December 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1803.—Whereas I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Block No. 77, plot No. 2/114, H. No. 5/242 to 245 situated at Modahapara, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 22-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

31—416GI/80

(1) Shri Onil Kumar Rathod, S/o Dharmsi Bhai Rathod, R/o Fafdiah, Raipur.

(Transferor)

(2) Smt. Ambaben W/o Sheoji Bhai Rathod, R/o Fafdiah, Raipur.

(Transferee)

(3) (1) Shri Murlidhar Sharma (2) Tahar Bhai Bachu Bhai, Modhapara, Raipur. [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old police line, Jairam Talkies Chowk, Raipur, Nazul land Block No. 77, plot No. 2/114, area 2276 sq. ft. House No. 5/242 to 245 situated at Modahapara, Raipur.

VIIAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 16-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 16th December 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1804.—Whereas, I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Block No. 77, plot No. 2/82-H.No. 5/234 to 236 situated at Modahapara, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Raipur on 22-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely t—

- (1) Shrì Dharami Bhai Rathod S/o Jairam Bhai Rathod, R/o Fafadih, Raipur,
 - (Transferor)
- (2) Shri Arvind Kumar Rathod, S/o Shivji Bhai, R/o Fafadih, Raipur.

 (Transferee)
- (3) 1. Kirodimal Bhagwandas 2. Tikamdas Tejumal Panwala 3. Daulat Ram Tejumal, Modahapara, Raipur.

 [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old police line Jairam Talkies Chowk, Ralpur—Nazul Land Block No. 77, plot No. 2/82, area 2414-Sq. ft. and House No. 5/234 to 236, situated at Modahapara, Raipur.

VIJAY MATHUR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 16-12-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 16th December 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1805.—Whereas, I, VIJAY MATHUR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land Kh. No. 5 situated at Hafukhedi, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ratlam on 29-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Nauz Mohd. S/o Ghesekhani, Muselman, R/o Ganga Khedi, Ranipura, Ratlam.

(Transferor)

(2) 1. Shri Ashok Kumar S/o Amarchand Jain, 2, Sh. Mukesh Kumar S/o Ashok Kumar 3. Shri Narendra Kumar S/o Sujanmal, R/o Manik Chowk Ratlam 4. Smt. Ratan Bai W/o Basantilal Porwal R/o Dalu Modi Bazar, Ratlam.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No. 5, admeasuring 1 Hector situated at Hafukhedi, Ratlam.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 16-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 16th December 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1806.—Whereas, I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agrl. land Survey No. 5, situated at Vill. Hafukhedi, Ratlam.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Ratlam on 29-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Niaz Mohd. S/o Ghise Khanji Serani Mohamdan, R/o Ganga Khedi, Teh: Ratlam. (Transferor)

(2) 1. Sh. Rajendrakumar S/o Basantilal Porwal 2. Sh. Sujanmal S/o Indermal Porwal. 3. Sh. Naresh Kumar S/o Ashok Kumar 4. Sh. Manoj Kumar S/o Rajendra, Kumar Porwal R/o Manik Chowk, Ratlam.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Survey No. 5, measuring 1 Hector i.e. 107593 Sqft. situated at Hafukhedi, Ratlam.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 16-12-1980

(1) Km. Vimia Sharma D/o Shri Shyamlal Sharma Daily College, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Shyamlal Sharma S/o Shri Rameshswaron Sharma Daily College, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 16th December 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1807.—Whereas, I, VIJΛY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 3/1 situated at Manoramagani, Street No. 3, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 4-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) familitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3/1, situated at Manoramagani, Street No. 3, Indore.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 16-12-1980

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMERATAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 16th December 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1808.—Whereas, I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. E/42, situated at Saket Colony, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on 25-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aot, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt. Leela Tiwari W/o Dr. Ramchandra Tiwari, 188, Radio Colony, Indore.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Satyamdas Satsamji, 2. Smt. Amar Satsamji & 3. Sh. Gursaramdas Satsamji, G-I-Vidaya— Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shal have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E/42, situated at Saket Colony, Indore.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 16-12-1980

PART III-SEC. 1]

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Smt. Indra Bai W/o Ramnath Yavele, R/o A.B. Road, Dewas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 16th December 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1809.--Whereas, I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing House No. 97 (Half portion) situated at A.B. Road, Dewas

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas, on 5-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (2) Sh. Balkishan S/o Trimbak Kibe, R/o Bhola Nath Road, Dewas. (Transferee)
- (3) 1. Shri R. C. Joshi 2. S. Makti, 97, Agra Bombay Road, Dewas (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 97, (Half portion), situated at A.B. Road, Dewas.

> VIJAY MATHUR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 16-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 16th December 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1810.—Whereas, I, VUAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agrl. land situated Biroda, Burhanpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Burhanpur on 3-4-80

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Trimbak S/o Sita Ram Choudhary R/o Loni, (PO) Loni, Teh: Burhanpur.

 (Transferor)
- Shri Narayan S/o Devram 2. Shri Dashrath S/o Dev Ram Mahajan, C/o Devram S/o Bhavji Mahajan, R/o Loni, Burhanpur.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land of 7.18 acres with one well & Mangoes trees, situated at Vill: Biroda, Teh: Burhanpur.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 16-12-1980

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 16th December 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPI./80-81/1811.—Whereas, I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House on plot No. 181 situated at Bairathi Colony. Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 10-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following nersons, namely:—32-416GI/80

(1) Sh. Kalloprasad S/o Sh. Hiralal Godha Colony, House No. 28, Indore.

(Transferor)

(2) Sh. Mohandas S/o Jachhoram, Natang No. 2 Barrathi Colony, Indoic.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. 181 situated at Bairathi Colony, Indore.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 16-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

(1) Smt. Maltibai W/o Kailash Chandra Jain, R/o Bhatapara, Gandhi Mandir Ward, Raipur.

(Transferor)

(2) Sh. Wiper Bihari Shukla S/o Shivram Pd. Shukla, R/o Bhatapra, Raipm.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 16th December 1980

Ret. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1812.—Whereas, I. VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

House No. 25, Gandhi Mandir Ward, Raipur

and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1008) in the Office of the Registering Officer at Raipur on 11-4-80

for an apparent consideration which is less than the wir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the staid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquision of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following rersons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 25, situated at Gandhi Mandir Ward. Behind Mill, Raipur.

> VIJAY MATHUR. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

Date: 16-12-1980

(Transferee)

FORM ITNS-

(1) Sh. Shivlal Kanchedilal Patel, Katra, Sagar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Dalsukhram S/o Valaji Bhai Patel, Sagar.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 16th December 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1813.--Whereas, I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. Kh. 32/2, 33/1 & 34/1 situated at Bhagwanganj, Sagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Sagar on 15th April 1980 for an apparent consideration which is Jess than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot Kh. No. 32/2, 33/1 & 34/1—arca 13861 Sq. ft. situated at Bhagwanganj, Sagar.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

ACQUISITION RANGE-I,

Bhopal, the 16th December 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1814.—Whereas, I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000% and bearing No.

Iand & Residential Building, Rice Mill Bldg, and 5 godowns, situated at Behind Gani, Rainandgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bajnandgaon on 10-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Madalsadevi Nandkishore Lohia, Behind Ganj, Rajnandgaon.

(Transferor)

(2) Sh. Champalal Poddar, R/o Ganj, Rajnandgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area—4.72 Acres and residential building, Rice Mill building with 5 godowns, situated Behind Ganj, Rajnandgaon.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 16-12-1980

FORM ITNS----

(1) Sh. Bhaskar S/o Bhavji Patel R/o Dapora (PO) Dapora, Teh: Burhanpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th December 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1815.—Whereas, f, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. land situated at Village, Shahpur, Burhanpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Burhanpur on 16-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evation of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Sh. Prabhakar S/o Bhavdu Patil, R/o Dapora Teh: Burhanpur.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No. 1114, & one well situated at Village; Shahpur, Teh: Burhandpur.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 17-12-1980

FORM 1.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 17th December 1980

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/80-81/1816.—Whereas I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agricultural land situated at Vill. Shahpur-Burhanpur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Burhanpur on 16-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhaskar S/o Bhavji Patel, R/o Dapora (PO) Dapora, Burhanpur. (Transferor)

(2) Shri Baji Rao S/o Bhavdu Patil, R/o Dapora, Burhanpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No. 1114 situated at Vill. Shahpur, Teh. Burhanpur.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal,

Date: 17-12-1980

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 17th December 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1817.—Whereas I, VIJAY MATHUR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

No. Plot No. 23, situated at Kailash Park, Manorama Ganj, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on 23-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Lala Hari Kishan S/o Mokamchand C/o Hariyana Oil Mill, Ash Bagh, Lucknow. (Transferor)

(2) Smt. Rajrani alias Ramdithi W/o Shri Inder Raj Near Geeta Bhavan, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 23 situated at Kailash Park, Manorama Ganj, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 17-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Asif Hussain, R/o New Delhi. (2) Khalid Hussain, R/o Bombay. (3) Arif Hussain S/o Syed Asfaq Hussain, R/o New Delhi.

(2) Swami Vivekanand Grah Nirman Sahkari Samiti,

Through Shri S. K. Bhagat, Advocate, Khandwa,

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 17th December 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1818.—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1, Block No. 60, situated at B, T, College Road, Khandwa,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Khandwa on 4-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 60, plot No. 1 of 10828 sq. ft, and Kh. No. 396 of 84292 sq. ft, situated at B. T. College Road, Khandwa.

VIJAY MATHUR Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of he said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 17-4-1980

Scal:

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 17th December 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1819.—Whereas I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 22, Kh. No. 105, situated at Idgah Hills, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1998) in the office of the Registering Officer

at Bhopal, on 5-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

33-416GJ/80

 Smt. Sarla Shrivastava W/o M. P. Shrivastava, R/o Ridge Road, 23, Idgah Hills, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Harish Kumar S/o Shri Radhakishanji R/o 51A Idgah Hills, Bhopal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 22, Kh. No. 105, admeasuring 10,000 sq. ft. situated at Idgah Hills, Bhopal.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 17-12-1980

 Shri A. K. Saxena, S/o Late Shri P. C. Saxena, 23, Idkah Hills, Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Harishkumar S/o Shri Radhakishanji, 51/A, Idgah Hills, Bhopal, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 17th December 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1820.—Whoreas I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 22 (2/3 portion) Kh. No. 105 situated at Idgah Hill, Bhopal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhopal on 10-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 22 kh. No. 105, situated at Idgah Hills, Bhopal.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax (1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal,

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269 D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 17-12-1980

FORM ITNS----

(1) Shri Rameshchand S/o Mansa Ram Rathore, Neew Chowk, Ratlam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Ramlal S/o Rupali Patidar Village Pahera Pargana Mandsaur at present at Ratlam, Vill. Barbad.

(Transferces)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 17th December 1980

Rcf. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1821.—Whereas I, VIJAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agrl. land 2.340 Hectors situated at Vill. Barbad, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 21-4-1980

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesand exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tav under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Office Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions, used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Survey No. 167/1-2,340 Hect. situated at Vill. Barbad, Ratlam.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 17-12-1980

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) M/s. Zuari Real Estate Company Pvt. Ltd., Rua Afonso de Albuquerque, Paniim.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001- the 9th September 1980

Ref. No. 287/80-81.—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2,5000/-, and bearing

No. Matriz No. 1692 and Chalta No. 166 situated at Mangor Hill, Vasco-da-Gama, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Morningao under document number 164 on 10-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) The Golden Hill Apartments Co-operative Housing Society Ltd., Vasco-da-Gama, Goa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 164 dated 10-4-1980] Open plot measuring 2127 sqm. bearing Matriz No. 1692 and Chalta No. 166 situated at Mangor Hill, Vasco-da-Gama, Goa.

R. THOTHATHRI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 9-9-1980

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001- the 9th September 1980

Ref No. 288/80-81.—Whereas, I, R. THOTΗΛΤΗRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Municipal No. 4-110 (New) Chalta No. 417 & 418 situated at Makdampara, Gulbarga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Gulbarga under document number 301 on 24-4-1980 for an apparent consideration whic his less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Shri Shivalingappa, 2. Iranna, 3. Chidanand, 4.
 Manikrao, Sons of Shri Bhimarao Yelwantgi, 5.
 Hanamanthrao S/o Shivalingappa Yelwantagi, 6. Hanamanthrao S/o Shivalingappa Amrutrao S/o Siddappa Yelwantgir, All R/o Dhuttargaon, Tq. Aland Dist. Gulbarga, (Transferor)
- (2) Shri Manohar Rao S/o Kashinathrao Pandit, Makdampura, Gulbarga. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 301

dated 24-4-1980]

Property bearing Municipal number 4-110 (New), Chalta No. 417 and 418 situated at Makdampura, Gulbarga.

> R. THOTHATHRI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 9-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 13th November 1980

Notice No. 299/80-81.—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 1 situated at Dongurli village, Satari Taluka, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Satari Valpoi under document number 29 on April, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Rathnamala Satyanarayan Row, alias Smt. R. S. Roy, 2. Lt. Col. Kurapati Satyanarayan Row, alias Lt. Col. K. S. Row, R/o Thanem Dongurli, Tal. Satari, Goa.

(Transferor)

(2) Rustic Society, represented by its 1. President Hugo D'Souza R/o Sonar villa, Rala, Salcete, Goa, 2. Secretary, Mrs. Norma Alvares, R/o Thane Valpoi, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the haid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 29 dated April, 1980] Property known as "Aldeia denomivada Dargurli" measuring an area of 148800 sqm., bearing survey No. 1 situated at Dongurli village, Satari Taluka, Goa.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Baugalore.

Date: 13-11-1980

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 14th November 1980

C. R. No. 62/26783/80-81/Acq/B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R. S. No. 58/4 and T. S. No. 1575/6, and Door No. 3-31-2653 situated at Kodial Bail village, Kadri ward, Mangalore Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mangalore Document No. 90/80-81 on 18-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Alice Mante Mary D'sa, W/o Late Aloysis Edward D'sa, Valancia-III Road, T. P. S. Bandra Bombay represented by Agent, Alphonse Peter John Aranha Coffee Planter, Kadri, Mangalore-2.

(Transferee)

(2) Shri Sridhar Baburaya Kini, S/o Boburaya Kini, Transport Contractor D'sa compound Pinto Lane, Kodial bail, Bangalore-3.

(Transferor)

(3) Transferec.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 90/80-81

dated 18-4-1980]

All that property bearing R. S. No. 58/4, and T. S. No. 1575/6 and Door No. 3-31-2653 Kodial Bail village, Kadri Ward, Mangalore Town.

Bounded by on North: Portion of the same Sy. No.

on South : S. D. Lane

on East : S. D. Lane

on West : Private Road

R. THOTHATHRI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 14-11-1980

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560001, the 15th November 1980

CR62/26961/80-81/Acq/B. Whereas, I,

R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Vacant site No. 1 Municipal No. 2520 situated at II Division Tumkur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Turnkur Document No. 490/80/81 on 25-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion o fthe libility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '--

(1) Shri Devadasan, Administrative officer, Karnataka Central dincese, C.S.I. Compound Bangalore,

(2) 1. Sh. Mahimaiah, S/o Late Channabasappa, Agriculturist, S. S. Puram, Tumkar. 2. Smt. Basamma, W/o Late G. Siddanna, Gulur, Tumkur (Taluk). (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovwhile property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 490/80-81 Date 25-4-1980)

Vacant site No. 1 Municipal No. 2520, II Division, Tumkur bounded by :

On North: C.S.I. Vocational Central Buildings

On South: Railway station Road On East: Site No. 2

On West: Travellers Bangalow.

R. THOTHATHRI, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 15-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560001, the 14th November 1980

C.R. No. 62/26962/80-81/Acq./B.—Whereas, I. R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant site No. 2. Municipal No. 2520, situated at II

Division C.S.I. Compound Tumkur (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tumkur Document No. 491/80-81 on 25-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

has been transferred under the Registration Act, 1908

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating, the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

34-416GI/80

- Sri Devadasan. Administrative Officer, Karnataka (1)Central Diocese, C.S.I. Compound, Bangalore. (Transferor)
- (2) 1. Sri Vrushahendraswamy, Head of the Department, Civil Engineering Siddaganga Institute of Technology, Tumkur. 2. Sri K. M. Chandrasekbaraiah, Head of the Dept. of Electrical Engineer Civil States of Electrical Engineer Siddaganga Institute of Technology, Tumkur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 491/80-81 dated 25-4-1980) Vacant site No. 2, Municipal No. 2520, IInd Division. C.S.I. Compound, Tumkur. bounded by:

On North: C.S.I. Vocational Centre Buildings

On South: Railway station Road On East: Site No. 3

On West: Site No. 1.

R. THOTHATHRI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date · 14-11-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560001, the 14th November 1980

C.R. No. 62/26963/80-81/Acq./B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Vacant site No. 4, Municipal No. 2520. situated at II Division C.S.I. Compound Tumkur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Tumkur Document No. 492/80-81 on 25-4-1980

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Devadasan, Administrative Officer Karnataka Central Diocese C.S.I. Compund Bangalore.

(Transferor)

(2) Smt. Sudha Rajashekhar alias G. Premasudha W/o G. S. Rajasekhar, Advocate S. S. Puram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 492/80-81 dated 25-4-80) Vacant site No. 4 Municipal No. 2520, II Division Tum-

Bounded by:

On North: CSI Vocational Centre Building. On South: Railway Station Road. On East: Site No. 3. On West: Site No. 5.

R. THOTHATHRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 14-11-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore, the 20th November 1980

No. CR. 62/26965/80-81/Aca.B.—Whereas, I. R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Vacant Site No. 3, Municipal No. 2520, situated at II Division, Tumkur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tumkur on 25-4-1980 Doc. No. 494/80-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) Sh. Devadasan, Administrative Officer, Karnatak Central Diocese, CSI, Compound, No. 20, Cross, Bangalore-27. (Transferor)
- (2) 1. Smt. Nirmala Kumarswamy, D/o Prof. G. S. Kumarswamy, 'Vidyaniketan', Siddanganga High School Extn. Tumkur. 2. Sri G. P. Shivakumar, Tumkur, 3. G. P. Dayananda 4. G. P. Nataraj, Sl. No. 2 to 4 residing at Gandhinagar, Tumkur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 494/80-81 dated 25-4-1980) Vacant site No. 3. bearing municipal No. 2520, situated IInd Division. Tumkur, measuring 72-1/2' × 167-1/2'. Bounded on:

East by site No. 4, West: by site No. 2, North: by CSI Vocational Centre, Building South: by Railway Station Road.

R. THOTHATHRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 20-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORI:

Bangalore-560001, the 20th November 1980

C.R. No. 62/26967/80-81/Acq/B.--Whereas, I. R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Vacant Site No. 7, Municipal No 2520, situated at Hod Division Tumkur

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Tumkur Doc. No. 496/80-81 on 25-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid procety and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trunsfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I have initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Sh. Devadasna (Administrative Officer, Karnataka Central Diocese, C.S.I. Compound, No. 20, 3rd cross, Bangalore-560027.

(2) I. Shii Ambali G. Siddalingappa S/o Late Guru-channabasappa, Agriculturist, 2. Sri H. M. Basa-varajappa, Gubbi Hosahalli, Gubbi Taluk, Tumkur District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION. -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 496/80-81 dated 25-4-80) Vacant site No. 7, bearing Municipal No. 2520, situated at II Division Tumbur, Measuring 74: 3" × 1673. Bounded on:

East: by Vidyaniketan School

West: by Site No. 6
North: by C.S.I. Vacational Centre building
South: by Station Road.

R. THOTHATHRI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux, Acquisition Range, Bangalore,

Date: 20-11-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560001, the 14th November 1980

CR. No. 62/26780/80-81/ACQ/B.—Whereas, I. R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 136/38 situated at Mudanidambur Village, Ajjarkad Ward, Udupi Municipality, Udupi (S.K.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Udupi Document No. 83/80-81 on 14-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforest-id property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(i) Sant. Lecia M. Pai, K. W/o Dr. K. Mohandas Pai, Ajjarkad, Udupi Town.

(Transferor)

(2) Sh. Alban Denis D'Souza, S/o Salvadore D'Souza, Mittabettu, Pernal Village, Udupi (Tq).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 83/80-81 dated 14-4-80) All that house site bearing S. No. 136/38 situated at Mudanidambur Village, Ajjarkad Ward, Udupi Municipality Udupi (S.K.).

Bounded by on: North: Sv. No. 136/37 South: Sv. No. 136/39 East: Sv. No. 136/38 West: Public Road

R. THOTHATHRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 14th November 1980

C.R. No. 62/26782/80-81/ACQ/B.—Whereas, 1 R. THO-THATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing R. S. No. 98, and T.S. No. 74

situated at Attawar Village, Kudumbi Lane, Court Ward,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in this Office of the Registering Officer at

Mangalore City Document No. 88/80-81 on 18-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) (1) Mrs. B. Padmavathi

Mrs. K. Veena Rao Sri S. Harishchandra Rao, (3) Kudumbi Garden. Balmatta, Mangalore.

(Transferor)

(2) Mrs. Manjula N. Vasani, W/o Narendrakumar Vasani, Old Kent Road, Mangalore.

(Transferee)

(3) (1) Shri Viswanath Achar (2) Venkatesh Prabhu(3) Venkatash Pai, R.S. No. 98 & T.S. No. 74,Attawar Village, Kudumbi Lane, Mangalore.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 88/80-81 dated 18-4-1980]

All that house property bearing R.S. No. 98 and T.S. No. 74, situated at Attawar Village, Kadumbi Lane, Mangalore.

Bounded by On North-Channel

On South-Private property On East-Priate property and passage On West--Channel.

R. THOTHATHRI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bangalore.

Date: 14-11-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 14th November 1980

CR. No. 62/26784/80-81/Ac₁/B.—Whereas, I, R. THO-THATHRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing R. S. No. 444 and T.S. No. 282 situated at Kodialbail Village, Kambla Ward, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore Document No. 91/80-81 on 24-5-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market alue of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimathi Prema alias Sarojini Devi, Widow of Dr. S. P. Bhat, Nehru Avenue, Kodaibail, Mangalore.

(Transferor)

(2) Shri N. Ramesh Rao, S/o N. Subban Bhat, (Chaitneya Stores), Old Kent Road, Mangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in wirting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 91/80-81 dated 24-5-1980]
Property bearing R.S. No. 444 and T.S. No. 282, Kodialbeil Village, Kambla Ward, Mangalore bounded by

On North: R. S. No. 282/A

On South: Road

On East: Portion of T. S. No. 443
On West: Portion of R.S. No. 282/A

R. THOTHATHRI
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 14-11-80

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 14th November 1980

C. R. No. 62/26787/80-81/ACQ/B.--Whereas, I, R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, haiving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sv. No. R. S. No. 584-1 and T.S. No. 199-1 situated at Casaba Bazar Village, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (1 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore, Document No. 158/80-81 on 30-5-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- 1. (1) Smt. Vcena R. Bangera, D/o Smt. Leclavathy, Pant Nagar, Ghatkopar, Bombay.
- (2) Smt. Rama, D/o Smt. Leelavathy, Hampamakatta Centre, Mangalore Town.
- (3) Kumari Vidyavathi, D.o Smt, Leclavathy, Hampanakatta Centre, Mangalore Town.

(Transferou)

 (1) Sri Sulaiman, S/o S. U. Sahab, Marnami-katte, Mangalore Town. (2) Sri Basheer Ahmed, S/o Adam Saheb, Bobbaithotty, Post Uppala, Ketala, (3) A. P. Italia, S/o P. N. Italia, C/o Light of Persia Restaurant, Hampanakatta Mangalore, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 158/80-81 dated 30-5-1980]

All that house property bearing R.S. No. 584-1, and T.S. No. 199-1, situated at Casaba Bazar Village. Mangalore,

bounded by On North: Private passage

On South :Remaining portion of the same Sl. No. On East: K. S. Rao Road

On West: Remaining portion of the same Sy. No.

R THOTHATHRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 14-11-80

ALBERTAL COLUMN TO COLUMN TO TAKE A STREET

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 14th November 1980 C.R. No. 62/26427/79-80/Acq/B.—Whereas, I, R. THO-THATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

R.S. No. 816-1B, T.S. No. 657-1B

situated at Kodial bail Village, Mannagulda Ward, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mangalore, Document No. 1196/80-81 on 14-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
35—416GI/80

- (1) Di, Ramakanth S. Mahale Valencia, Mangalore-2. (Transferor)
- (2) (1) Sti B. Ganesh Prabhu (2) Mrs. Lakshmi Prabhu, Gowri Matt Street, Mangalore Town. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

I'XPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1196/80-81 dated 14-4-1980] All that house site bearing R.S. No. 816-1B, and T.S. No. 657-1B situated at Kodialbail village Mannagudda Ward Mangalore.

Bounded by

On North: Survey line and Municipal Road On South: Remaining portion of the same Survey

On East: Remaining portion of the same Survey No.

On West: Survey line of T.S. No. 656-2.

R THOTHATHRI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 14-11-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION, RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 18th November 1980

C.R. No. 62/26753/80-81/ACQ/B.—Whereas, I R. THO-THATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 46.

transfer with the object of :-

situated at Promenade Road, Civil Station, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar B'lore, Doc. No. 261/80-81 on 24-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Abdul Rasheed S/o Sri Mohamed Yousuff, No. 94/2, Infantry Road, Bangalore

(Transferor)

(2) (1) Shri O. Syed Sulaiman, So Late Sri Syed Ooosman, (2) Smt. Anwari Begum W/o. Sri O. Syed Sulaiman, Both residing at No. 38, Standage Rd. Civil Station, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 261/80-81 Dated 24-4-80)
Premises bearing No. 46 (old No. 1-B) situated at Promenade Road, Civil Station, Bangalore measuring 1955 sq. metres along with structures theron.
Bounded on East by Eastern portion of the Vendor's property
West by Promenade Rd.
North by Vendor's Road 15: wide leading to Eastern portion from Promenade Road, & South by No. 47, Promenade Road.

R. THOTHATHRI
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 18-11-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 26th November 1980

CR. No. 62/26964/80-81/Acq./B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Vacant Site No. 5 and Municipal No. 2520, situated at II Division, Tumkur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Tumkur Document No. 493/80-81 on 25-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) Sh. S. G. Devadasan, Administrative Officer, Karnataka Central Diocese No. 20 III Cross, C.S.L. Compound, Bangalore-560027.
- (Transferor) (2) Sh. N. R. Sriramajah Setty, S/o N. Rangajah Setty, 1st Main Road, Vinayakanagar, Tumkur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 493/80-81 dated 25-4-80) Vacant Site No. 5, Municipal No. 2520, situated at II Division, Tumkur. bounded by:

On North—C.S. I Vocational Centre Building
On South—Railway Station Road
On East—Site No. 6
On West Site No. 6

On West-Site No. 4

R. THOTHATHRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 26-11-1980

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 26th November 1980

C.R. No. 62/26966/80-81/Acq./B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

2520, situated at Tumkur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tumkur on 25-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Welath-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Sri S. G. Devadasan, Administrative Officer, Karnataka Central diocese, No. 20 III Cross C.S.I. Compound, Bangalore-27.

(Transferor)

(2) Sri S. B. Padmarajaiah, S/o Bommasetty, III Main Road, Vinayaknagar, Tumkur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 495/80-81 dated 25-4-80) Vacant site No. 6, Municipal No. 2520 Situated at Il Division Tumkur. Bounded by

On North—CSI Vocational Centre Building. On South—Railway Station Road. On East—Site No. 7.

On West-Site No. 5,

R. THOTHATHRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 26-11-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 18th December 1980

C.R. No. 62/26695[80-81]ACQ[3.-Whereas, 1, R. THOTHATHRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding. Rs. 25,000/and bearing

No. 2203/50-B (New No. D-23/A), situated at New Bamboo Bazar, Devaraj Mohalla, Mysore,

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mysore, Doc. No. 208/80-81 on 23-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shrimati 1, M. Vijayakumari 2, M. N. Sumadevi 3. M.N. Padmini 4. M.N. Vinoj Kumar 5. M.N. Harshask. Sl. No. 4 & 5 Minors by Guardian Mother Smt. M. Vijay Kumari Door No. 2203/50 New No. D. 23/1.New Bamboo Bazar, Devaraj Mohalla Mysore.

(Transferor)

(2) Shii 1. R. S. Chennappa 2. R. S. Rajasekar 3. R. S. Chikkaveerappa, Partners in M/s Bharat Industries New Bamboo Bazar Devaraja Mohalla, Mysore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 208/80-81 dated 23-4-1980) Vacant site bearing Municipal No. 2203/50-B, New No. 23/A, situated at New Bamboo Bazaar, Devaraja Mohalla, Mysore measuring 1059.09 Square meters.

East: by New Bamboo Bazar Road West: by Private property. South: by property of R. S. Chennappa & Bharath Indus-

tries. North: by Property of H. Ramaiah.

> R. THOTHATHRI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 18-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 19th December 1980

C.R. No. 62/26697/80-81/Acq/B.—Whereas, 1, R. THOTHATHRI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4512, situated at St. Mary's Road, N. R. Mohalla, Mysore. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mysore Document No. 270/80-81, on 29-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. S. Sunil Dutt, S/o Dr. Y. S. Devadatha, Datha Clinic, Chickaballapur.
- (2) Sh. Javahar Sulthana, W/o Sri Munzoor Ahmed Khan, No. 4512, St. Mary's Road, N.R. Mohalla Mysore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 270/80-81 dated 29-4-1980)

House property bearing No. 4512 measuring 21/2 squares building and 930.25 square meters site area, situated at St. Mary's Road, N.R. Mohalla, Mysore. Bounded on:

East:—by St. Mary's Road. West:—by Conservancy lane. North:—by Conservancy lane. South:—by House No. 4511/A.

R. THOTHATHRI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 19-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 20th December 1980

C.R. No. 62/26719/80-81/Acq/B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Site No. 3058/A, situated at Banashankari, II Stage,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore, Document No. 233/80-81 on 16-4-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Sh. P. C. Ananda, S/o P. Chinnaswamy, No. 219, Balaji Road Tyagarajanagar, Bangalore-28. (Transferor)
- (2) Sh. N. Subramanian, S/o Sri V. Natarajan, No. 6 Delama, 261A, Central Avenue, Chembur, Bom-

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 233/80-81 dated 16-4-1980) Residential Corner site bearing No. 3058/A, situated at Banashankari II stage, Bangalore measuring 479.46 square meters.

Bounded on: North:—by Site No. 3059. South:—by Road. East:—by Site No. 3057. West:—by Road.

R. THOTHATHRI, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 20-11-1980

Scal:

of :--

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 9th December 1980

.. CR No. 62/27856/80-81/Acq/B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income 1ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. T.S. No. 71-1, R.S. 449/1 and D. No. 13-13-1522 & 1522A situated at K. S. Rao Road, Kasba Bazar Village, Market Ward, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore Document No. 565/80-81 on 14-8-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income avising from the transfer; and/or
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for

the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shrimati/Kumari

- Mathew Lawrence Gonsalves, Sturrock Road.
 Falnir, M'lore-1.
 Ralph Stephen Gonsalves.
 Bindya Co-operative Society Ltd.
 Floor, Hill Road, Bandra, Bombay-50.
 - 3. Stanislaus Patric Gonsalves, 23, Rogay Building, 48 Clare Road, Byculla, Bombay-8, 4 Oswald Edmund Aloysious Gonsalves, K. S. Rao Road, M' M'lore-1, 5. Mand Gonsalves, widow of late Norbert J. Gonsalves, K.S. Rao Road Mangalore. 6. Clarance Nicholas Consalves, Bibibai Terrance, Spence Lane, Byculla, Bombay. 7. Lawrence A. N. Lobo, 19, Xavier Layout Bangalore-47. 8. Tressy Baptist, D/o Joachim Lobo, 10-J. Assave road, III cross, Bangalore-42. 9. Joseph Lobo, Tile Merchant, Sainiketan, 8th floor, Flat No. 7, Mazagaon, Bombay-10, 10, Flossy A, M, Fernandes, D/o Joachim Lobo, 31, Crouch Oak lane, Addlestone Surray, England. 11. Iris Menezes d/o Late Joachim lobo, Lobo Lane, Kadri, Mangalore-2. 12, Philip Anthony Gregory Carvalho. 13. Thomas Francis Joseph Carvalho, S/o Philip A. G. Carvalho. 14. Mrs Cynthia Philomina D'Souza, d/o Phillip, A. G. Carvalho, No. 12 to 14 are residing at No. 13B, Pycrafts Garden Road, Nungambakkam, Madras-6. 15. Arthur A. S. Pinto, S/o Gilbert Pinto, No. 44. Prasanna, 29/51, Nesbit Road Mazagoan Bombay. 16. Mrs Grace Rasquinha, d/o Late Gilbert Pinto, Victory Cote, Mangala devi Road, Mangalore-1. 17. Mrs Merlyn Rego, d/o Gilbert Pinto near Bendur Well, Mangalore. 18. Herbert M. C. Noronha, No. 16, Piccadilly Flats, Clare Road, Byculla, Bombay-8. 19. Mrs. Ivv M. A. Rego, Teacher. No. 543, Villa Mehindra, T.P.S.

III, 13th Road. Khar, Bombay-52. 20. Mrs. Marie T. R. Menezes, No. 3, Modern Flats, 128, Wode House Road, Colaba, Bombay-5. 21. Terence H. Noronha, Fxecutive, Adams Pharmaceutical (P) Ltd. residing at 6th floor, Prasanna, Nesbit Road, Mazagoan, Bombay-10. 22. Ivon E. T. Noronha, Marian Mansion, Annexe-I, Central Avenue Chambur, Bombay 23, Mrs. Eva Mary Noronha, A-16, Piccadilly Flats, Clare Road, Byculla, Bombay. 24. Mrs Edna Coelho, Stenographer, S. 402, Avenue 7, Greater Kailash No. 1, New Delhi-48. 25. Franklyn Carvalho, S/o Phillip Carvalho residing in U.S.A. and represented by his attorney Sri Oswald E. A. Gonsalves (No. 4). 26. Winston Carvalho, S/o Phillip Carvalho residing in U.S.A. and represented by Oswald E.A. Gonsalves (No. 4). 27. Terence Henry Noronha, No. 42, Prasanna, 6th floor, Nesbit Road, Mazagoan, Bombay. 28. Irwin A. L. Gonsalves, Manager, Merchantile Bank Ltd., 31, B.B.D. Bagh, Calcutta-1. 29. Eva Mary Noronha, Glamour, 14/2, Chaitanya Society Navjivan, Ahmedabad-14. 30. Edda Mary D'Souza, Teacher, Codialbail, Mangalore.

(Transferor)

(2) "Navarathna" Hotel and Shopping Complex, registered office at K.S. Rao Road, Mangalore and represented by its partner Sri M. Ravindra Shet, S/o Late S. L. Shet, Gandhinagar, Mangalore-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I'XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 565/80-81 dated 14-8-80)
All that property bearing T. S. No. 71-1, and R. S. No. 449/1 and Door No. 13-13-1522 and 1522A situated at K. S. Rao Road, Kasaba Bazar Village, Market Ward, Mangalore.

R. THOTHATHRI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 9-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1980

Rcf. No. AR-III/1817-2/80-81.—Whereas I, SUDHAKAR VARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 1164, Survey No. 1000 situated at Mulund (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 9-4-80 Document No. R-3161/71

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of the income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Vadilal Maganlal & Mansukhlal Maganlal Vora.

(Transferors)

(2) Chandrapiabha Co-op. Hsg. Soc. Ltd.

(Transferee)

(3) Members of the Society.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. R-3161/71 and as registered on 9-4-1980 with the Sub-registrar, Bombay.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 2-12-1980

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

INDIAN ECONOMIC SERVICE/INDIAN STATISTICAL SERVICE EXAMINATION, 1981 F.12/4/80-EI(B)

New Delhi, the 17th January 1981

A combined competitive examination for recruitment to Grade IV of the Services mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AGARTALA, AHMEDABAD, AIZAWL, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DLLHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, IUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAH (GOA), PATIAI A. PATNA, PORT BLAIR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR AND TRIVANDRUM commencing on the 30th June, 1981 in accordance with the Rules published by the Ministry of Home Affairs (Department of Petsonnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India, dated the 17th January, 1981.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCE-MENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure I, para 11).

- 2. The services to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in Grade IV of the Services are given below:—
- i) Indian Economic Service

....40 (Includes 6 vacancies reserved far S. C. and 4 reserved for S. T. candididates)

ii) Indian Statistical Service

....40 (Includes 6 vacancies reserved for S. C. and 3 reserved for S. T. condidates)

The number of vacancies mentioned above are liable to alteration.

3. A candidate may apply for admission to the examination in respect of any one or both the Services, mentioned in para 2 above. Once an application has been made, no change will ordinarily be allowed.

If a candidate wishes to be admitted for both the Services, he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 6 below once only, and will not be required to pay separate fee for each of the Services for which he applies.

N.B.—A candidate will be considered only for the Service(s) for which he applies. A candidate who applies for both the Services should specify clearly in his application the order of his preference for the Service, so that having regard to his rank in th order of merit due consideration can be given to his preference when making appointments.

No request for alteration in the preferences indicated by candidates in respect of Services for which they desire to be considered, would be entertained unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of publication of the results of the written examination in the "Employment News".

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service

Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order or by Indian Postal Order payable to the Sccretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINT-ED FORM PRESCRIBED FOR THE INDIAN ECONOMIC SERVICE/INDIAN STATISTICAL SERVICE EXAMINATION 1981. APPLICATION ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE INDIAN ECONOMIC SERVICE/INDIAN STATISTICAL SERVICE EXAMINATION, 1981 WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 16th March, 1981 (30th March 1981 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 16th March, 1981) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunchal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or lakshadweep or abroad from the date prior to 16th March 1981.

- Note:—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time, (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.
- 6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 48.00 (Rs. 12.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examnation Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

- 7. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.
- 8. A refund of Rs. 30.00 (Rs. 8.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes)

will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. It however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note 1 below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualitying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

- 9. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.
- 10. The question papers in some of the subjects as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules will consist of objective type questions. For details pertaining to objective type Tests including sample questions, reference may be made to "Candidates' Information Manual" at Annexure II.

VINAY JHA, Deputy Secretary

ANNEXURE-1

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see it they are eligible. The conditions prescribed cannot be retaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH I OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 30th May, 1981, will not be entertained under any circumstances.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. Ail entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is habie to be rejected.

Candidates should note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to rul up the application form correctly.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards, his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:—
 - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificate in support of claim for fee remission (See paras 6 and 7 of Notice and paras 5 and 6 below).
 - (ii) Attested/certified copy of Certificate of Age.

- (iii) Attested/Certified Copy of Certificate of concational quantication.
- (iv) two identical copies of recent passport size (5 cm. × / cm. approx) photograph of the candidate.
- (v) Attested/Certhied copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Case/Scheduled Inde, where appreciate (See para 4 below).
- (vi) Massed/Certnied copy of certificate in support of cumn for age concession, where applicable (See para 5 below).
- (vii) Attendance Sheet (attached with the application rorm) duty lined in.
- (viii) I wo self-addressed unstamped envelopes of size approximatery 11.5 cms × 27.5 cms.

NOIE—CANDIDATES ARE REQUESTED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPTES OF CERTIFICATES MENTIONED IN TIEMS (II), (III), (V) & (VI) ABOVE ATTESTED BY A GAZLITED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR THE VIVA VOCE ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF OCTOBER, 1981. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF VIVA VOCE. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES, WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME, WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (1) to (vi) are given below and in paras 4, 5 and 6:---

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delni General Post Office."

In no case will Postai Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced of mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

(ii) Certificate of age.—The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

two other document relating to age like horoscopes, amdayas, onto extracts from intumental Corporation, service records and the like win be accepted.

The second of the second secon

The expression litative mannon/Higher Secondary Examination contineate in this part of the institution includes the attentioned extended includes incument above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of buth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the antested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as raid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

- NOTE 1.—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT UNLY AN ATTESTED/CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.
- NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.
- Note 3.—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Certificate of Educational Qualifications.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate snowing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. It an attested/certified copy of such a certificate is not submitted the candidate must explain its absence and submit such other evidence, as he can, it support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the degree examination submitted by a candidate in support of his educational qualifications does not indicate the subjects of the examination, an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Head of Department showing that he has passed the qualifying examination with one or more of the subjects specified in Rule 6 must be submitted in addition to the attested/certified copy of the University certificate.

Note.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but their admisson would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible and in any case not later than 30th September, 1981.

(iv) Two copies of Photographs.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. × / cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in rink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given the application is liable to be rejected and no appear against its rejection will be entertained.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate, if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate nimself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

the Constitution (Scheduled Caste) Order, 1950".

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950.

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951° .

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*.

las amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976.]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956^{\ast}

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Imbes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Dlu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order 1978*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order 1978*

2. Shri/Shrimati/Kumari* — his/her* family ordinarily reside	
State/Union Territory* of	— District/Division* of the
	Signature
	**Designation(with seal of Office)
Place	
Date	

State/Union Territory*

*Please delete the words which are not applicable.

Note.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates.

- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/ Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/Ist Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner. †(not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).
- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer (Lakshadweep).
- 5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now S. (1) A displaced person from ersimmle East rakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 5(b)(ii) or 5(b)(iii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st Lanuary 1964 and 25th during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971.—
 - (1) Camp Commandant of the Transit Certres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various State:
 - (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
 - (3) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
 - (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge;
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.
- (ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5(b) (iv) or 5(b) (v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964. October, 1964.
- (iii) A reptriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 5(b)(vi) should produce an attested certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.
 - (iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming

age concession under Rule 5(b) (vii) or 5(b) (viii) and/or remission of tee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certined copy of the identity certinicate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or atter 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate trom Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(v) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 5(b)(ix) or 5(b)(x) should produce an attested/certined copy of a certineate, in the form prescribed below from the Director General Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any toreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the condidate.

Certified that Rank No. of Out was disabled while in the Defence Services in operations during nostilities with a foreign country/in a disturbed area, and was released as a result ot such disability.

Signature							
Designation		•					
Date						_	

Strike out whichever is not applicable.

(vi) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under rule 5(b)(xi) or 5(b)(xii) should produce, an attested/certified copy of a certificate, in the form prescribed below, from the Director General, Border Security Force, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No .of unit—was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature	
Designation	
Ďate	

- (vii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 5(b) (xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.
- 6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(i), (ii) and (iv) above and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the Examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India, Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms).
- 8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars, that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or after or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

- 9. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.
- 10. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.
- 11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date for the result of his application. It is not however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines Delhi (110054) and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block Baba Kharag Singh Marg, New Delhi (110001), (ii) Sale Counter of the Publication Branch, Udyog Bhayan, New Delhi (110001) and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.
- 13. Communications regarding applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY. UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DEITHI (110011), AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
 - 1. NAME OF EXAMINATION.
 - 2. MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
 - 3. ROLL NUMBER OF THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
 - 4. NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
 - 5. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

NB (ji)...IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND DOFS NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER IT WILL BE TAKEN THEREON.

14. Change in Address.—A CANDIDATE MUST SEFTHAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS-STATED_IN_HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOTT DE BEART IFST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICUL ARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CAN NOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ANNEXURE-II

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A. Objective Test

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item) several possible answers (here nafter referred to as responses) are given. You have to choose one response to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

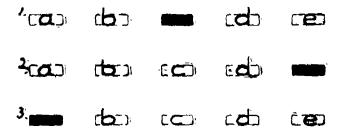
B. Nature of the Test

The question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1,2,3,....,etc. Under each item will be given suggested reponses marked a,b,c,....,etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best response. (see "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

C. Method of Answering

A separate ANSWER SHFET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the Test Booklets or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet (specimen enclosed at the end of the Rules) number of the items from 1 to 200 have been printed in four 'Parts'. Against each item, responses, a,b,c,d,e, tere printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given response is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the answer sheet.



It is important that-

- I. You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- If you have made a wrong mark, erase it completely and remark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also;
- Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. Some Important Regulations

- You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- 2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elasped after the commencement of the examination.
- After finishing the examination, submit the Test Booklet and the answer sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE

THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.

- 5. Write clearly in ink the name of the examination/test, your Roll No., Centre, subject, dute and serial number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or a card-board on which nothing should be written hall as they are not needed. Separate sheets for rough work wil be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll number and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer sheet at the end of the test.

E. Special Instructions

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your Test Booklet on the relevant column of the Answer Sheet. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisior to do so.

F. Some Useful Hints

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worky if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All questions carry equal marks. Answer all the questions, Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking. G. Conclusion of Test

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your reat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

- 1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty?
 - (a) the successors of Asoka were all weak.
 - (b) there was partition of the Empire after Asoka.
 - (c) the northern frontier was not guarded effectively.
 - (d) there was economic bankruptcy during post-Asokan era.
- 2. In a parliamentary form of Government
 - (a) the Legislature is responsible to the Judiciary
 - (b) the Legislature is responsible to the Executive.
 - (c) the Executive is responsible to the Judiciary,
 - (d) the Judiclary is responsible to the Legislature.
 - (e) the Executive is responsible to the judiciary.
- 3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to
 - (a) facilitate development.
 - (b) prevent disciplinary problems.
 - (c) provide relief from the usual class room work.
 - (d) allow choice in the educational programme
- 4. The nearest planet to the Sun is
 - (a) Venus
 - (b) Mars
 - (c) Jupiter
 - (d) Mercury
- 5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods?
 - (a) the more the vegetation, the more is the soil
 - (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
 - (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
 - (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.